॥ 卐 ॥

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

www.yuvashaktinews.com

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

महापर्व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

SUNDAY

वर्ष 19, अंक 120 पृष्ठ 12 ■ कोलकाता, रविवार, 15 नवम्बर 2026 ■ कार्तिक, शुक्लपक्ष, षष्ठी, वि.सं. 2083 ■ मूल्य: ₹3

छठमय हुआ पूरा देश, बिहार-यूपी से लेकर बंगाल और दिल्ली तक गूंजे छठी मैया के गीत

आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे करोड़ों श्रद्धालु

लोक आस्था के महापर्व पर देशभर में दिखा श्रद्धा और उत्साह का संगम, खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू

युवा शक्ति न्यूज

नई दिल्ली/ पटना/ लखनऊ/ कोलकाताः लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा पूरे देश में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है. बिहार और उत्तर प्रदेश से लेकर झारखंड, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और देश के अन्य राज्यों में छठी मैया के गीत गूंज रहे हैं. जहां देखिए, वहीं छठ पूजा की तैयारियों और श्रद्धालुओं की आस्था की झलक दिखाई दे रही है. महानगरों से लेकर छोटे शहरों और गांवों तक घाटों को सजाया गया है. ऐसा लग रहा है मानो पूरा देश छठमय हो गया हो.चार दिवसीय महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को व्रतियों ने खरना की परंपरा निभाई. सुबह से ही घरों में पूजा-पाठ और प्रसाद तैयार करने का सिलसिला चलता रहा. शाम को व्रतियों ने गुड़ और दूध से बनी खीर (रसियाव) तथा रोटी का प्रसाद ग्रहण किया. इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो गया. अब रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य और सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित किया जाएगा.



छठ पूजा का सबसे व्यापक उत्साह बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में देखने को मिल रहा है. पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, भागलपुर, गया और अन्य जिलों में गंगा, गंडक, कोसी, बागमती सहित विभिन्न नदियों, तालाबों और पोखरों के घाटों को सजाया गया है. वहीं उत्तर प्रदेश के वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, बलिया, देवरिया, गाजीपुर और लखनऊ सहित कई शहरों में श्रद्धालु पूरे विधि-विधान से पूजा की तैयारी में जुटे हैं.

दिल्ली-एनसीआर में यमुना घाटों, कृत्रिम जलाशयों और आवासीय क्षेत्रों में विशेष व्यवस्था की गई है. मुंबई, पुणे और गुजरात के अहमदाबाद, सूरत जैसे शहरों में भी बिहार और पूर्वांचल के प्रवासी परिवारों के बीच छठ को लेकर विशेष उत्साह है. झारखंड, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी नदियों, तालाबों और अस्थायी घाटों पर पूजा की तैयारियां की गई हैं. पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भी छठ पूजा को लेकर खास रौनक है. बाबूघाट समेत गंगा के विभिन्न घाटों और तालाबों में सफाई, रोशनी, बैरिकेडिंग और सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं. कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर और दक्षिण 24 परगना सहित विभिन्न जिलों में श्रद्धालु छठ की तैयारियों में जुटे हैं. महानगर की गलियों में बजते छठ गीतों ने कई इलाकों को लघु बिहार का स्वरूप दे दिया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी छठ महापर्व के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय पावन अनुष्ठान महापर्व छठ के शुभारंभ पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं. नहाय-खाय के अवसर पर उन्होंने सभी व्रतियों को नमन करते हुए छठी मैया से सबके जीवन में सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की.

रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए देशभर के घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है. इसे देखते हुए स्थानीय प्रशासन और नगर निकायों की ओर से घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं का इंतजाम किया गया है. कई प्रमुख शहरों में पुलिस की अतिरिक्त तैनाती के साथ नदी और जलाशयों में निगरानी की व्यवस्था भी की गई है. भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात सुचारु रखने के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई हैं.

छठ महापर्व के तीसरे दिन रविवार को व्रती पारंपरिक सूप में नारियल, केला, सेब, नाशपाती सहित विभिन्न फल और पूजन सामग्री सजाकर जलाशयों में उतरेंगे. अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित किया जाएगा. इसके साथ ही चार दिवसीय महापर्व का समापन होगा. छठ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोक संस्कृति, पारिवारिक एकता, सामाजिक समरसता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है. इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि देश के किसी भी कोने में रहने वाला व्यक्ति अपनी मिट्टी, परंपरा और संस्कृति से जुड़कर इस पर्व को मनाता है. यही वजह है कि बिहार और पूर्वांचल की सीमाओं से निकलकर छठ आज पूरे देश की आस्था और सांस्कृतिक पहचान बन चुका है.

बाल दिवस पर शुभेंदु ने हर बच्चे के लिए शिक्षा और पोषण पर दिया जोर



कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि हर बच्चे के लिए शिक्षा, पोषण और उचित मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जाना चाहिए. मुख्यमंत्री ने बाल दिवस के अवसर पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हर बच्चे का पालन-पोषण इस तरह किया जाना चाहिए कि वह जिम्मेदार नागरिक बने और देश की प्रगति में योगदान दे. बाल दिवस देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है. शुभेंदु ने कहा, बाल दिवस पर, मेरी कामना है कि हर बच्चे को शिक्षा, पोषण और मार्गदर्शन मिले, ताकि उनका सही ढंग से पालन-पोषण हो सके और वे बड़े होकर ऐसे योग्य नागरिक बनें, जो हमारे देश की प्रगति में योगदान दें. उन्होंने कहा कि हर युवा को उचित माहौल में बड़े सपने देखने, सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए.

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो अविलंब इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072

अभिषेक बनर्जी से सोशल मीडिया पोस्ट मामले में चार घंटे तक हुई पूछताछ



भाजपा समर्थकों ने 'चोर, चोर' के लगाए नारे

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और गुजराती समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में कोलकाता पुलिस ने शनिवार को उनसे करीब चार घंटे तक पूछताछ की. तृणमूल नेता से जब भवानीपुर पुलिस थाने में पूछताछ की जा रही थी तब बाहर तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई कार्यकर्ता एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे. अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर से सांसद बनर्जी मामले में पूछताछ के लिए जारी नोटिस के जवाब में निर्धारित समय अपराह्न साढ़े 12 बजे से पहले ही थाने पहुंच गए.बनर्जी जब पुलिस थाने से बाहर निकले, तो बाहर मौजूद भाजपा समर्थकों ने कथित तौर पर 'चोर, चोर' के नारे लगाए. वहीं, तृणमूल समर्थकों ने आरोप लगाया कि भाजपा ने लोगों को नारेबाजी करने के लिए पैसे दिये थे. उन्होंने दावा किया कि राज्य में बेरोजगारी बहुत ज्यादा है और 'अन्नपूर्णा योजना' के तहत एक करोड़ लोगों को जो लाभ देने का वादा किया गया था, लेकिन अबतक कुछ नहीं हुआ है.

भवानीपुर निवासी अर्नब कांति दास ने दो मई को बनर्जी के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए गए एक पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर 27 मई को प्राथमिकी दर्ज की गई थी. शिकायतकर्ता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के नेता ने कुमार को बंगाल विरोधी गुजराती गिरोह की कठपुतली बताया था. दास ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि बनर्जी की टिप्पणियां गैरजिम्मेदाराना थीं और उनसे सांप्रदायिक सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंच सकता था. उन्होंने यह भी कहा कि पूरे गुजराती समुदाय को गिरोह या आपराधिक समूह बताना इस समुदाय का अपमान है और इससे देश की बहुलतावादी संस्कृति एवं सामाजिक एकजुटता कमजोर होने की आशंका है.पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है.

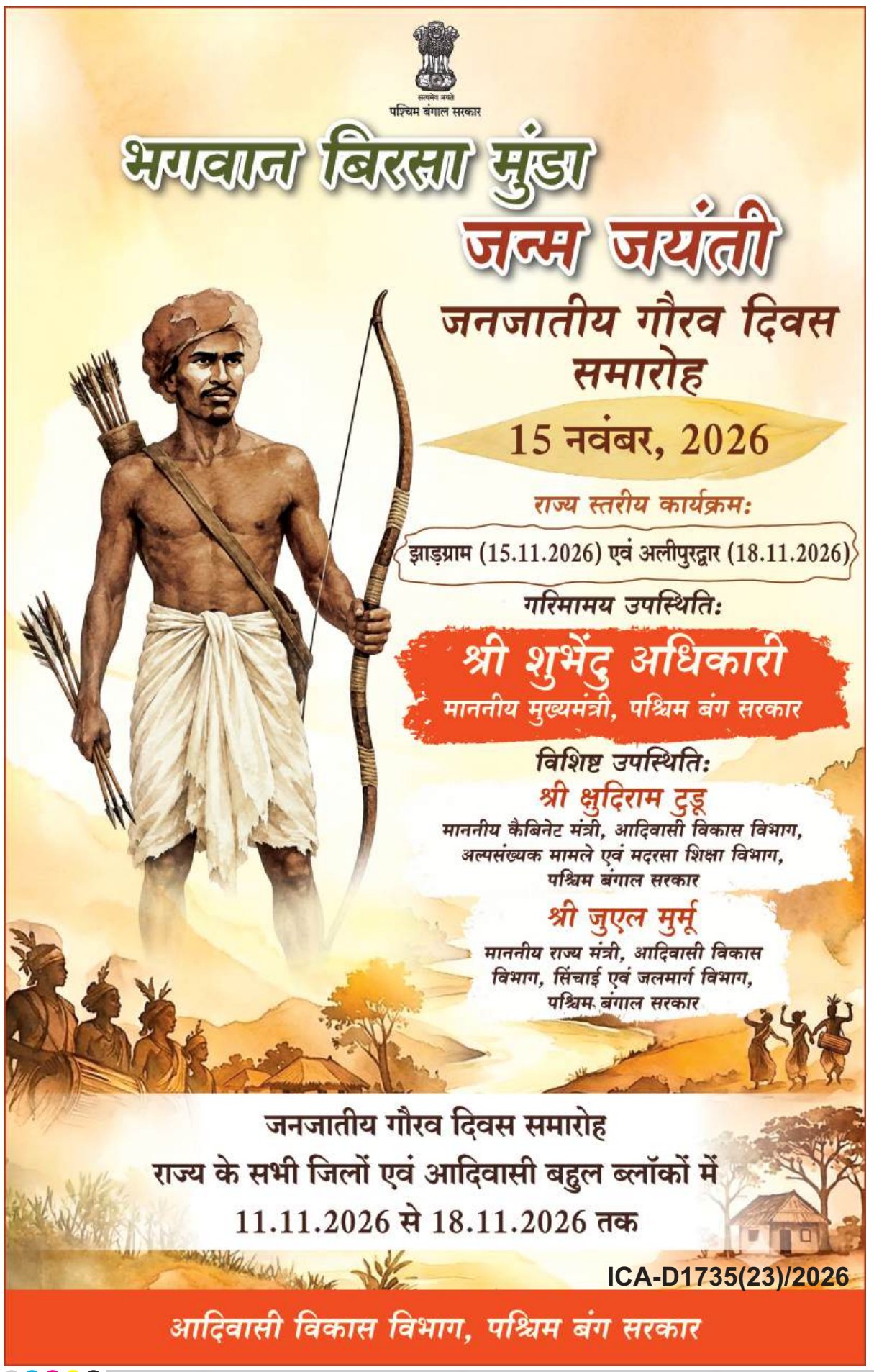

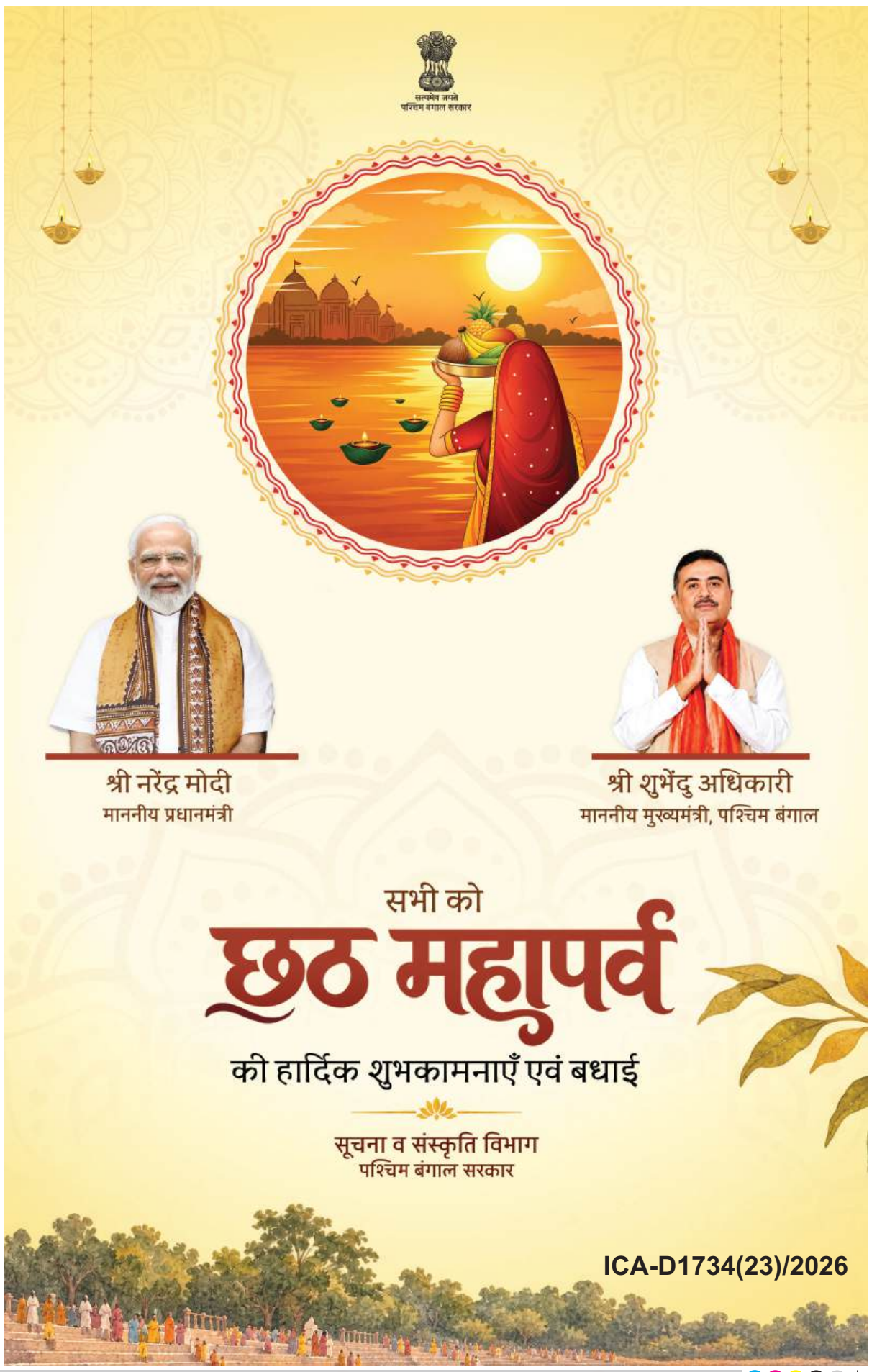

हुगली में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने पर पूर्व भाजपा विधायक से मारपीट, पांच गिरफ्तार

कोलकाता : बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा के भीतर पुराने और नए कार्यकर्ताओं के बीच टकराव के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं. इसी क्रम में हुगली जिले के गोघाट में पार्टी की गुटबाजी खुलकर सामने आई है. यहां पूर्व भाजपा विधायक विश्वनाथ कारक के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किए जाने का आरोप लगा है. घटना शुक्रवार की है.पूर्व विधायक का दावा है कि पंचायत में कथित भ्रष्टाचार और वसूली के खिलाफ आवाज उठाने के कारण उन पर हमला किया गया. घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया. पुलिस ने इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है.

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर गोघाट की सावड़ा पंचायत में एक सरकारी कार्यक्रम आयोजित किया गया था.

इसमें भाजपा के कई कार्यकर्ता शामिल हुए थे. पूर्व विधायक विश्वनाथ कारक भी कार्यक्रम में मौजूद थे. उन्होंने आरोप लगाया कि चार मई को सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा में शामिल हुए कुछ लोग पंचायत में वसूली और भ्रष्टाचार कर



रहे हैं. इसी मुद्दे को उठाने के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया.आरोप है कि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद पंचायत कार्यालय के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं के दो गुटों में भिड़ंत हो गई. इस दौरान पूर्व विधायक के साथ भी कथित तौर पर मारपीट और दुर्व्यवहार किया गया. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके समर्थकों के घरों में तोड़फोड़ की गई. विश्वनाथ कारक ने हमले के लिए पार्टी में हाल में शामिल हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है.वहीं, दूसरे गुट ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व विधायक पार्टी के प्रचार और कार्यक्रमों में सक्रिय नहीं थे. अब भाजपा के सत्ता में आने के बाद वह पंचायत में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं. दूसरे पक्ष का दावा है कि किसी ने उनके साथ मारपीट नहीं की.घटना को लेकर दोनों पक्षों ने गोघाट थाने में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. उधर, भाजपा के आरामबाग संगठनात्मक जिला अध्यक्ष और गोघाट के विधायक प्रशांत दिगार ने घटना के लिए तृणमूल कांग्रेस और माकपा को जिम्मेदार ठहराया है. वहीं, स्थानीय माकपा नेताओं ने आरोपों को खारिज करते हुए इसे भाजपा की आंतरिक गुटबाजी का परिणाम बताया है.

न्यूज कॉर्नर

रिसड़ा में छठ ब्रत धारियों को पूजन सामग्री वितरित



हुगली : रिसड़ा में छठ व्रतधारियों के सुविधार्थ पूजन सामग्री वितरण सम्पन्न हुआ .कार्यक्रम संयोजक विश्व हिन्दू परिषद रिसड़ा प्रखण्ड अध्यक्ष समाज सेवी राजीव सिंह एवँ रंजू सिंह द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी छठ ब्रत धारी लोगों में सूप, साड़ी, फल एवँ पूजन सामग्री वितरित की गयी .राजीव सिंह ने बताया कि पूर्ण स्वच्छता से किया जाने वाला लोक आस्था का पर्व छठ पूजा ढलते सूरज और उगते सूरज को अर्ग के माध्यम से हर वर्ग को समानता का सन्देश देता है.मौके पर विश्व हिन्दू परिषद जिला संपादक राजू सिंह, बजरंग उपेन्द्र रविदास, सूर्य कान्त चतुर्वेदी 'मोहन' , शंकर सिंह, राजू पटेल, अरुण मिश्रा, वैभव चतुर्वेदी सहित कई अन्य समाज सेवी भी सामग्री वितरण में सहयोगी रहे .

काली पूजा विसर्जन को लेकर दो मोहल्लों में हिंसा, तीन महिलाएं घायल

बीरभूम : जिले के सिउड़ी में काली पूजा की प्रतिमा विसर्जन को लेकर शुक्रवार रात दो मोहल्लों के लोगों के बीच विवाद हो गया. विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. आरोप है कि एक मोहल्ले के लोगों ने दूसरे मोहल्ले के कई घरों में घुसकर तोड़फोड़ की और महिलाओं के साथ मारपीट की. घटना में तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं.जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात सिउड़ी के कई पूजा मंडपों की प्रतिमाओं का विसर्जन हो रहा था. इसी दौरान होसनाबाद इलाके में प्रतिमा विसर्जन के जुलूस को लेकर निमतला और बेलतला मोहल्ले के लोगों के बीच कहासुनी हो गई.आरोप है कि इसके बाद बेलतला के कुछ लोग निमतला मोहल्ले में पहुंचे और वहां के निवासियों के घरों में घुसकर हमला कर दिया. उस समय घरों में महिलाएं मौजूद थीं. उनके साथ मारपीट की गई. हमलावरों ने घरों में रखे टीवी, फर्नीचर और अन्य सामान को भी क्षतिग्रस्त कर दिया. इसके अलावा कई मोटरसाइकिल, स्कूटर और साइकिलों में भी तोड़फोड़ किए जाने का आरोप है.घटना में घायल तीन महिलाओं को सिउड़ी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. निमतला मोहल्ले के निवासियों ने इस संबंध में सिउड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई है.पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है. तनाव को देखते हुए इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है.

चार रविवार को ब्लू लाइन मेट्रो की सेवा आंशिक रूप से रहेगी बंद

कोलकाता : कोलकाता मेट्रो रेल ने नवंबर और दिसंबर में चार रविवार को ब्लू लाइन पर आंशिक रूप से मेट्रो सेवा बंद रखने का निर्णय लिया है.मेट्रो की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 15, 22 और 29 नवंबर तथा छह दिसंबर को सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक शहीद खुदीराम और महानायक उत्तम कुमार स्टेशन के बीच मेट्रो परिचालन बंद रहेगा.इस दौरान दक्षिणेश्वर से महानायक उत्तम कुमार स्टेशन तक मेट्रो सेवा उपलब्ध रहेगी. दोनों छोर से पहली मेट्रो सुबह नौ बजे रवाना होगी. दक्षिणेश्वर और शहीद खुदीराम स्टेशन से अंतिम मेट्रो अपने निर्धारित समय पर चलेगी. शाम छह बजे के बाद ब्लू लाइन के पूरे मार्ग पर सामान्य सेवा बहाल होने की उम्मीद है.इसके अलावा, 13 दिसंबर को भी सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक शहीद खुदीराम से मैदान स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा बंद रहेगी. इस दिन दक्षिणेश्वर से मैदान स्टेशन तक मेट्रो का परिचालन जारी रहेगा. दक्षिणेश्वर से पहली मेट्रो सुबह नौ बजे रवाना होगी, जबकि मैदान से दक्षिणेश्वर जाने वाली पहली मेट्रो सुबह 9:15 बजे उपलब्ध होगी. अंतिम मेट्रो अपने निर्धारित समय पर चलेगी.मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, इन रविवारों को येलो और ग्रीन लाइन पर सेवाएं सामान्य रहेंगी. वहीं, पर्पल और ऑरेंज लाइन पर रविवार को मेट्रो सेवा उपलब्ध नहीं होगी.

स्टेशन पर छूटा कीमती सामान से भरा बैग, पुलिस ने महिला को सुरक्षित लौटाया

खड़गपुर : दीघा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय एक महिला का कीमती सामान से भरा बैग छूट गया. रेलवे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बैग बरामद कर महिला को सुरक्षित लौटा दिया. बैग में सोने के आभूषण सहित कई कीमती सामान रखे हुए थे.खड़गपुर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की ओर से शनिवार सुबह प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जारी जानकारी अनुसार, गुरुवार सुबह सूचना मिली कि पिंकी मंडल नामक महिला दीघा रेलवे स्टेशन पर अप तमलुक एक्सप्रेस से उतरते समय गलती से अपना भूरे रंग का हैंडबैग ट्रेन में छोड़ गई हैं. बैग में कई कीमती सामान मौजूद थे.सूचना मिलने के बाद उलूबेड़िया राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपीएस) की सुबह की प्लेटफॉर्म ड्यूटी पर तैनात पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की. पुलिसकर्मियों ने डाउन तमलुक एक्सप्रेस की तलाशी ली. इस दौरान ट्रेन के डी-5 कोच से महिला का छूटा हुआ बैग बरामद कर लिया गया.इसके बाद पिंकी मंडल उलूबेड़िया जीआरपी थाने पहुंचीं और अपने सामान की पहचान की. आवश्यक जांच और सत्यापन के बाद पुलिस ने उन्हें बैग सौंप दिया. बैग में सोने की दो अंगूठियां, सोने की एक चेन, एक एटीएम कार्ड, एक रेडमी मोबाइल फोन और एक स्मार्टवॉच सुरक्षित मिले.

छठ पर भी डीजे बजाने पर प्रतिबंध, साउंड सिस्टम होंगे जब्त : बंगाल सरकार का एलान



सिलीगुड़ी : ध्वनि तथा वायु प्रदूषण को लेकर दुर्गा पूजा और काली पूजा के दौरान जो नियम तैयार किए गए थे, वे छठ पूजा में भी लागू रहेंगे. किसी भी हालत में डीजे बजाने की अनुमति नहीं दी जाएगी.कोई डीजे बजाते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी. यहां तक कि साउंड सिस्टम भी जब्त किया जा सकता है. शनिवार को सिलीगुड़ी में छठ घाटों पर प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे राज्य के पर्यटन मंत्री व शहर के विधायक डा. शंकर घोष ने यह जानकारी दी.बिहार के पटना के बाद सिलीगुड़ी में महानंदा नदी के किनारे दूसरा सबसे बड़ा छठ पर्व मनाया जाता है. इस महापर्व को संपन्न कराने के लिए सिलीगुड़ी नगर निगम, एसजेडीए, एनबीडीडी, सिलीगुड़ी मेट्रोपोलिटन पुलिस सहित जिला प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है.लालमोहन मौलिक निरंजन घाट पर भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं और छठ व्रतियों के पहुंचने की संभावना है. छठ व्रतियों के लिए की गई तैयारियों, सुरक्षा और सुविधाओं का मंत्री ने इस दिन जायजा लिया. मंत्री के साथ इस दिन नगर निगम के कमिश्नर बंदवासी तेजा दीपक, प्रशासक आर बिमला उपस्थित थे. इस दौरान मंत्री ने कई जरूरी निर्देश भी दिए.मंत्री ने बताया कि इस महापर्व को संपन्न कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि सरकार के लिए इस बार यह नया अनुभव है. मंत्री ने बताया कि दुर्गा पूजा और काली पूजा का डेटा स्थानीय प्रशासन के पास मौजूद है. नगर निगम को छठ पूजा समितियों का डेटा तैयार करने के लिए कहा गया है, ताकि भविष्य में छठ घाटों पर इंतजाम और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सके.

ग्रामीण विकास में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर आईआईटी खड़गपुर में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

खड़गपुर : गांवों के समग्र विकास और वंचित युवाओं को सशक्त बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है. इसी उद्देश्य से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में शनिवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'ग्रामीण संपर्क 2026' की शुरुआत हुई. 14 और 15 नवंबर को आयोजित इस कार्यशाला का विषय 'वंचित युवाओं का सशक्तीकरण' है. उद्घाटन समारोह में पश्चिम बंगाल के ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे.कार्यशाला में ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक शिक्षा, सूचना तथा आवश्यक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सस्ती और भरोसेमंद संचार सुविधाओं के विकास पर विशेष चर्चा हो रही है. कृषि, शिक्षा, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी और कचरा प्रबंधन जैसे ग्रामीण जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक के उपयोग की संभावनाओं पर भी विचार किया जा रहा है. इसके साथ ही गांवों में कमजोर इंटरनेट संकेत,



सीमित तकनीकी संसाधनों और डिजिटल सुविधाओं की कमी जैसी समस्याओं के समाधान पर जोर दिया जा रहा है.आईआईटी खड़गपुर की बेतार संचार एवं नेटवर्क अनुसंधान प्रयोगशाला में चल रहे शोध को इस कार्यशाला का प्रमुख आधार बनाया गया है. इसमें बेतार संचार, वस्तुओं के इंटरनेट और नेटवर्क संवेदन तकनीक के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की व्यावहारिक समस्याओं का समाधान तलाशने पर विचार हो रहा है. कार्यशाला शोधकर्ताओं, मार्गदर्शकों और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान कर रही है, जहां तकनीकी शोध को ग्रामीण जरूरतों से जोड़ने के उपाय तलाशे जा रहे हैं.इस आयोजन में आईआईटी खड़गपुर के प्राध्यापक, विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थी तथा व्यावसायिक और तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं. कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विचार-मंथन प्रतियोगिता और ग्रामीण जीवन के भविष्य पर निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है.कार्यशाला में सरकारी विकास योजनाओं के साथ शैक्षणिक संस्थानों और तकनीकी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर भी बल दिया जा रहा है. इससे विद्यार्थियों को ग्रामीण समस्याओं पर शोध करने तथा उनके समाधान के लिए नए तकनीकी प्रयोग और नवाचार विकसित करने का अवसर मिलेगा. विशेष रूप से कृषि और ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं के विकास, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने, डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की संभावनाओं पर चर्चा किया जा रहा है.

ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यशाला का व्यापक उद्देश्य सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और तकनीकी क्षेत्र के बीच समन्वय स्थापित करना है. इसके माध्यम से गांवों और शहरों के बीच डिजिटल सुविधाओं की दूरी कम करने तथा विकास योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम छोर तक पहुंचाने की दिशा में ठोस तकनीकी समाधान विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है.

नाबालिग का अपहरण कर दिल्ली में तस्करी का आरोप, युवक गिरफ्तार



उत्तर दिनाजपुरा: नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसे दिल्ली में तस्करी के लिए ले जाने के आरोप में रायगंज थाने की पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपित की पहचान देबजीत सरकार के रूप में हुई है. वह रायगंज शहर का निवासी बताया गया है. आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है.शनिवार को उसे रायगंज मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायाधीश ने तीन दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का निर्देश दिया.पुलिस सूत्रों के अनुसार, बीते 12 नवंबर की रात करीब नौ बजे आरोपित अपने कुछ दोस्तों के साथ कथित तौर पर नाबालिग को उसके घर से उठा ले गया. काफी देर तक लड़की का कोई सुराग नहीं मिलने पर उसकी दादी ने रायगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई. शिकायत में आरोप लगाया गया कि देबजीत सरकार सहित चार लोगों ने साजिश रचकर नाबालिग का अपहरण किया और उसे दिल्ली में तस्करी के लिए भेज दिया.शिकायत के आधार पर जांच में जुटी पुलिस ने गुम सूचना के आधार पर शनिवार तड़के देबजीत सरकार को गिरफ्तार कर लिया. हालांकि, अब तक अपहृत नाबालिग को बरामद नहीं किया जा सका है.रायगंज मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत के सरकारी अधिवक्ता अतनु दास ने बताया कि नाबालिग के अपहरण और दिल्ली में तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. वहीं, मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है. अदालत ने गिरफ्तार आरोपित को तीन दिनों की पुलिस हिरासत में रखने की अनुमति दी है.

पूर्व मेदिनीपुर में प्रशासनिक फेरबदल

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है. नंदीग्राम-एक और नंदीग्राम-दो के प्रखंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) का तबादला कर उन्हें क्रमशः हल्दिया और कांथी नगरपालिका में कार्यपालक अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है. राज्य सचिवालय नवान्न की ओर से शुक्रवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई.राज्य के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से जारी आदेश में कुल सात डब्ल्यूबीसीएस (कार्यपालक) अधिकारियों के तबादले की घोषणा की गई है. इसके तहत नंदीग्राम-एक के बीडीओ संजय सिकदार को हल्दिया नगरपालिका का कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है, जबकि नंदीग्राम-दो के बीडीओ देवोत्तम सरकार को कांथी नगरपालिका का कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया गया है.वहीं, नंदीग्राम-एक के नए बीडीओ के रूप में सुजीतचंद्र लोढ़ को जिम्मेदारी दी गई है. वह इससे पहले बांकुड़ा जिले के पात्रसायर प्रखंड में बीडीओ के पद पर कार्यरत थे.

उन्हें वर्ष 2021 बैच का अधिकारी

दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक की मौत

कूचबिहार : जिले के चेंगराबांधा ग्राम पंचायत अंतर्गत राज्य राजमार्ग संख्या-16 पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में एक की मौत, शनिवार को सामने आई है.

बागडोगरा में सिलीगुड़ी से बिहार जा रही निजी बस दुर्घटना का शिकार



सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी से बिहार के पूर्णिया होते हुए सहरसा जा रही एक निजी यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हालांकि, बस चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया.घटना शनिवार को बागडोगरा के भुट्टाबाड़ी संलग्न राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर घटी है. सामने अचानक एक कंटेनर आ जाने पर उसे बचाने के प्रयास में चालक ने बस को डिवाइडर पर चढ़ाकर रोक दिया. हादसे के दौरान बस में करीब 40 यात्री सवार थे.यात्रियों को आई हल्की चोटेंहादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. सूचना मिलते ही बागडोगरा थाना तथा बागडोगरा ट्रैफिक गार्ड के कर्मी मौके पर पहुंचे. छठ महापर्व के चलते बस यात्रियों से खचाख भरी हुई थी. दुर्घटना में बस में सवार कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई है. जानकारी मिली है कि घायलों को बागडोगरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई.बस यात्री सुनील कुमार ने बताया कि शनिवार को वह छठ पूजा के अवसर पर सिलीगुड़ी से पूर्णिया जा रहे थे. उन्होंने बताया कि बस अपनी लेन में निर्धारित गति से चल रही थी. इसी दौरान अचानक सामने एक कंटेनर आ गया. बस चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाया और बस को डिवाइडर की ओर मोड़कर रोक दिया.इस दौरान बस में बैठे यात्री अपनी-अपनी सीटों से गिरने लगे.

छठ पूजा को लेकर सिलीगुड़ी के घाटों पर सुरक्षा सख्त, मंत्री शंकर घोष ने घाट पर जाकर लिया तैयारियों का जायजा

सिलीगुड़ी : छठ महापर्व को शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं. इसी क्रम में सिलीगुड़ी के विधायक एवं राज्य के पर्यटन मंत्री शंकर घोष ने शनिवार सुबह शहर के प्रमुख लालमोहन मौलिक निरंजन घाट का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था और अन्य तैयारियों का जायजा लिया.

निरीक्षण के दौरान सिलीगुड़ी नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे.मंत्री ने घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा मानकों की जमीनी हकीकत परखी तथा जहां अतिरिक्त सुधार की



आवश्यकता थी, वहां अधिकारियों को तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए.

पत्रकारों से बात करते हुए पर्यटन मंत्री शंकर घोष ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी श्रद्धालु को पूजा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो. व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए इस वर्ष सिलीगुड़ी शहर में आयोजित होने वाली सभी छठ पूजा समितियों का एक पूर्ण डेटाबेस तैयार किया जा रहा है, जिसमें आयोजन स्थलों का पूरा विवरण दर्ज होगा.इसके साथ ही, मंत्री ने पूजा आयोजकों को ध्वनि प्रदूषण के प्रति कड़ा संदेश दिया है. उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि छठ पूजा के नाम पर किसी भी स्थिति में डीजे और तेज आवाज वाले पटाखों का इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

प्रशासन ने सभी समितियों से नियमों का पालन करते हुए पर्व की गरिमा बनाए रखने की अपील की है. गौरतलब है कि छठ पूजा के अवसर पर हर वर्ष सिलीगुड़ी के विभिन्न नदी घाटों पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ता है.

चिकन नेक से गुजरने वाली ट्रेनों की सुरक्षा पर संकट, जवानों की भारी कमी से जूझ रही सिलीगुड़ी जीआरपी

सिलीगुड़ी : सामरिक रूप से संवेदनशील सिलीगुड़ी कारीडोर से गुजरने वाली ट्रेनों की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली सिलीगुड़ी जीआरपी खुद संसाधनों की कमी से जूझ रही है. भारत-बांग्लादेश और भारत-नेपाल सीमा से सटे रेल मार्गों से लेकर पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वार न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन तक सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी इसी जीआरपी के कंधों पर है.लेकिन, जिस रेल नेटवर्क की संवेदनशीलता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम है, वहां निगरानी के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी ही नहीं हैं.तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई, अंतरराष्ट्रीय रेल मार्गों पर चौकसी और ट्रेनों की सुरक्षा के बीच सिलीगुड़ी जीआरपी में मानव बल का संकट गहराता जा रहा है. इस चुनौती से निपटने के लिए 500 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की नियुक्ति का प्रस्ताव राज्य पुलिस मुख्यालय को भेजा गया है.सिलीगुड़ी जीआरपी का अधिकार क्षेत्र मुर्शिदाबाद से अलीपुरद्वार जिला पुलिस क्षेत्र तक फैला हुआ है. मालदा से अलीपुरद्वार के बीच करीब 10 थाने और पुलिस चौकियां इसके अधीन हैं. भारत-बांग्लादेश के बीच हल्दीबाड़ी, राधिकापुर-बिराल और सिंघाबाद-रहनपुर रेल मार्ग भी इसी के अधिकार क्षेत्र में आते हैं. वहीं, भारत-नेपाल सीमा से सटे नक्सलबाड़ी, गलगलिया और ठाकुरगंज के रेल क्षेत्रों के साथ एनजेपी रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था भी इसी जीआरपी के जिम्मे है.एनजेपी को पूर्वोत्तर के दूसरे सबसे बड़े रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित करने के



साथ विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय स्टेशन बनाने की परियोजना पर काम चल रहा है. दूसरी ओर, चिकेन नेक की सामरिक अहमियत को देखते हुए केंद्र सरकार ने इस्लामपुर से सिलीगुड़ी तक भूमिगत रेल नेटवर्क विकसित करने की घोषणा की है. जाहिर है, रेल नेटवर्क का विस्तार होगा तो सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी भी बढ़ेगी.रेल मार्गों के जरिए मादक पदार्थों और शराब की तस्करी रोकना भी जीआरपी के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है.

बीते जुलाई से अब तक सिलीगुड़ी जीआरपी ने ट्रेनों से 1700 लीटर शराब, 800 किलो गांजा, नौ किलो ब्राउन शुगर, छह किलो याबा और प्रतिबंधित कफ सिरप की 1500 बोतलें जब्त की हैं. इस दौरान 130 मामले दर्ज कर तस्करी से जुड़े 130 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है. इनमें मादक पदार्थों की तस्करी के 65 और शराब की तस्करी के 51 मामले शामिल हैं.

कार्रवाई के आंकड़े बताते हैं कि रेल नेटवर्क तस्करों के निशाने पर है. लेकिन गिरफ्तारियों के बाद इन मामलों की जांच को मुकाम तक पहुंचाना भी जीआरपी के लिए चुनौती बन रहा है.

अलीपुरद्वार, एनजेपी समेत विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली 10 ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने की जिम्मेदारी भी सिलीगुड़ी जीआरपी के पास है. मौजूदा मानव बल से थानों का कामकाज, तस्करी के मामलों की जांच, स्टेशन पर निगरानी और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था एक साथ संभालना मुश्किल होता जा रहा है.फिलहाल सिलीगुड़ी जीआरपी में एएसआई और एसआई मिलाकर करीब 150 अधिकारी तथा लगभग 300 कांस्टेबल तैनात हैं. इस कमी को दूर करने के लिए 400 कांस्टेबल और एएसआई व एसआई स्तर के 100 अधिकारियों की नियुक्ति का प्रस्ताव भेजा गया है.सिलीगुड़ी जीआरपी के पुलिस अधीक्षक इंद्रवदन झा ने कहा कि उपलब्ध संसाधनों के बीच टीम उम्मीद से बढ़कर काम कर रही है. पिछले चार महीनों में मादक पदार्थों की 65 और शराब की 51 खेप जब्त की गई हैं. तस्करी गिरोह के 130 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है. राज्य सरकार की मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति के तहत सभी मामलों की जांच आगे बढ़ाई जा रही है.

रवींद्र सरोवर में छठ पूजा पर फिर प्रतिबंध

48 घंटे के लिए बंद किए गए सभी 12 गेट, एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन

कोलकाताः रवींद्र सरोवर में छठ पूजा को लेकर पिछले कई दिनों से जारी विवाद पर आखिरकार विराम लग गया है. राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए प्रशासन ने पिछले वर्षों की तरह इस बार भी छठ पूजा से पहले झील के सभी प्रवेश द्वार बंद कर दिए हैं. शनिवार दोपहर दो बजे से अगले 48 घंटे तक रवींद्र सरोवर में आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा. कोलकाता महानगर विकास प्राधिकरण (केएमडीए) की ओर से सभी 12 प्रवेश द्वारों पर बांस लगाकर रास्ते बंद कर दिए गए हैं और इस संबंध में नोटिस भी चस्पा किया गया है.



प्रशासन के इस फैसले से रवींद्र सरोवर में सुबह की सैर करने वाले लोगों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संगठनों ने संतोष जताया है. रवींद्र सरोवर बचाओ फोरम ने मंत्री अग्निमित्र पाल और केएमडीए अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जरूरी कदम बताया है. फोरम के सोमेंद्रमोहन घोष ने कहा कि रवींद्र सरोवर और सुभाष सरोवर में छठ पूजा पर रोक लगाने की लड़ाई किसी धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून के सम्मान और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा के लिए लड़ी गई है. उन्होंने कहा कि छठ आस्था और श्रद्धा का महापर्व है तथा श्रद्धालुओं को इसे वैकल्पिक जलाशयों और निर्धारित घाटों पर मनाना चाहिए. संरक्षित और पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील झीलों को धार्मिक आयोजनों से मुक्त रखना जरूरी है. उन्होंने आरोप लगाया कि अभियान के दौरान कुछ छठ श्रद्धालुओं की ओर से फोरम के सदस्यों को धमकियां भी दी गईं, लेकिन संगठन ने किसी तरह की प्रतिक्रिया देने के बजाय शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से अपना आंदोलन जारी रखा.

गौरतलब है कि 15 नवंबर 2017 को एनजीटी ने रवींद्र सरोवर में छठ पूजा और सामाजिक आयोजनों पर रोक लगाने का आदेश दिया था. कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी इस आदेश को बरकरार रखा था, जबकि 19 नवंबर 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने इसकी पुष्टि की थी. अदालतों का स्पष्ट निर्देश है कि इस पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र में ऐसे आयोजन नहीं किए जा सकते, जिनसे झील के पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता को नुकसान पहुंचे.

इस बीच, राज्य की नगर एवं शहरी विकास मंत्री अग्निमित्र पाल ने कहा कि सरकार धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है. इसी उद्देश्य से दक्षिण कोलकाता में लगभग 50 कृत्रिम छठ घाट तैयार किए गए हैं, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के पूजा-अर्चना और अर्घ्य दे सकें. इससे प्राकृतिक जलस्रोतों पर भी अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा. मंत्री ने बताया कि रवींद्र सरोवर की जैव विविधता बचाने के लिए पर्यावरणविदों और मत्स्य विभाग के विशेषज्ञों के साथ भी चर्चा की गई है. झील में रहने वाले कछुओं, सांपों, तितलियों और प्रवासी पक्षियों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने के साथ मछलियों और जलीय पौधों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि रवींद्र सरोवर जैसे प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है. धार्मिक आयोजनों के लिए उचित व्यवस्था करने के साथ प्रकृति और शहरी पर्यावरण को सुरक्षित रखना भी जरूरी है.

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले अग्निमित्र पाल ने रवींद्र सरोवर में छठ पूजा की अनुमति देने पर विचार करने की बात कही थी. उन्होंने सवाल उठाया था कि यदि वहां पूजा नहीं होगी तो आसपास के श्रद्धालु कहां जाएंगे. उनके इस बयान के बाद पर्यावरणविदों और झील संरक्षण से जुड़े संगठनों ने कड़ा विरोध जताया था. कुछ लोगों ने अदालत का दरवाजा खटखटाने की चेतावनी भी दी थी. हालांकि, शनिवार को सभी प्रवेश द्वार बंद किए जाने के साथ ही विवाद पर फिलहाल विराम लग गया है. प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार भी रवींद्र सरोवर में छठ पूजा नहीं होगी.

मलद्वार में फंसी बाडी स्प्रे की बोतल को डाक्टरों ने आपरेशन कर निकाला, एक साल में आए 10 मामले



कोलकाताः दक्षिण कोलकाता के पाटुली इलाके के रहने वाले 32 वर्षीय व्यक्ति के मलद्वार में फंसी बाडी स्प्रे की बोतल को एसएसकेएम अस्पताल के डाक्टरों ने आपरेशन कर सफलतापूर्वक निकाल दिया. रमेन दस्तीदार (बदला हुआ नाम) मलद्वार में तेज दर्द और मलत्याग में परेशानी की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचा था. जांच के दौरान चिकित्सक हैरान रह गए, जब उन्हें पता चला कि उसके मलद्वार में बाडी स्प्रे की बोतल फंसी हुई है.

रमेन ने डाक्टरों को बताया कि घर में अचानक गिरने के दौरान बोतल उसके मलद्वार में घुस गई, हालांकि, डाक्टरों ने इस दावे को लगभग असंभव बताया है. उनका मानना है कि बोतल को जान-बूझकर और बलपूर्वक मलद्वार में डाला गया. इसके पीछे असामान्य यौन संतुष्टि की प्रवृत्ति हो सकती है. मालूम हो कि एसएसकेएम अस्पताल में पिछले एक साल में इस तरह के करीब 10 मामले आ चुके हैं.

अस्पताल के शल्य चिकित्सा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सब्यसाची बक्सी ने बताया कि मरीज एचआईवी संक्रमित है. गुदा मैथुन और एचआइवी संक्रमण के खतरे के बीच स्थापित संबंध है. असुरक्षित गुदा मैथुन से एचआइवी संक्रमण का खतरा काफी अधिक रहता है.

मलाशय के भीतर मौजूद कोशिकाओं की परत योनि मार्ग की तुलना में पतली होती है. इसके कारण वायरस के शरीर में प्रवेश करने की आशंका बढ़ जाती है. बार-बार मलद्वार में बाहरी वस्तुएं डालने से मलाशय और गुदा की संरचना में बदलाव आ सकता है. सामान्य तौर पर मलाशय का व्यास करीब 3.9 सेंटीमीटर होता है, जबकि बाजार में मिलने वाली बाडी स्प्रे की बोतल का व्यास लगभग 4.5 सेंटीमीटर होता है. यह गंभीर चोट और अन्य जटिलताओं का कारण बन सकता है.

बंगाल में विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए बीजेपी की रणनीति

हर विधानसभा में विभिन्न वर्गों के 200 प्रमुख लोगों से करेगी संवाद



कोलकाताः बंगाल में भाजपा ने विपक्ष के 'वोट चोरी' और एसआईआर विरोधी अभियान का जवाब देने के लिए नई रणनीति तैयार की है. इसके तहत पार्टी राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर समाज के विभिन्न वर्गों के प्रभावशाली और प्रबुद्ध लोगों से सीधा संवाद करेगी.

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में ऐसे 200 लोगों के घर जाकर भाजपा नेता व कार्यकर्ता उनसे बातचीत करेंगे. इस दौरान चार पन्नों की एक पुस्तिका के माध्यम से एसआईआर और मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया जाएगा. साथ ही देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर लोगों की राय भी जानी जाएगी.

दरअसल, भाजपा ने हाल में गणतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा के जरिए विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों का जवाब देने की कोशिश की थी. अब पार्टी इस अभियान के दूसरे चरण में विधानसभा स्तर पर जनसंपर्क कार्यक्रम चलाने जा रही है. इसके तहत श्रमिकों, किसानों, वकीलों, शिक्षकों और चिकित्सकों समेत समाज के अलग-अलग वर्गों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की जाएगी. प्रदेश भाजपा नेताओं का कहना है कि इन लोगों के विचार और सुझाव दर्ज किए जाएंगे तथा उनकी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी.

भाजपा की ओर से तैयार चार पन्नों की पुस्तिका में एसआईआर के इतिहास और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के कारणों को लेकर आंकड़े दिए गए हैं. पार्टी का दावा है कि एसआईआर की प्रक्रिया कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकारों के कार्यकाल में भी कई बार हुई थी. पुस्तिका में दावा किया गया है कि अब तक 12 बार हुए एसआईआर में से 10 बार कांग्रेस के शासनकाल में हुए. भाजपा ने सवाल उठाया है कि यदि मतदाता सूची में मृत, स्थानांतरित और अन्य अपात्र मतदाताओं के नाम मौजूद हैं तो उन्हें हटाने की प्रक्रिया का विरोध क्यों किया जा रहा है.

पार्टी ने विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों को पहले ही खारिज किया है. पुस्तिका में कहा गया है कि चुनाव का परिणाम मतदाता तय करते हैं, न कि एसआईआर की प्रक्रिया. भाजपा के एक वरिष्ठ प्रदेश नेता के अनुसार, यह अभियान केवल पार्टी तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के लोकतांत्रिक हितों को लेकर चिंतित नागरिकों को भी इससे जोड़ने का प्रयास है.

बंगाल के सरकारी कर्मचारियों को राहत

सातवें वेतन आयोग को सुझाव देने की तारीख 30 नवंबर तक बढ़ी



कोलकाताः बंगाल के राज्य सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सातवें वेतन आयोग के समक्ष अपनी मांगें और सुझाव रखने के लिए करीब एक महीने का अतिरिक्त समय मिल गया है. आयोग ने प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 30 नवंबर 2026 कर दी है.

आयोग ने शुक्रवार शाम इस संबंध में नई अधिसूचना जारी की है. अब कर्मचारी वेतन संरचना, भत्ते, पदोन्नति और सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली सुविधाओं से संबंधित अपने प्रस्ताव 30 नवंबर तक जमा कर सकेंगे. आयोग ने इससे पहले दो सितंबर को जारी अपनी पहली अधिसूचना में सुझाव और प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर निर्धारित की थी. हालांकि, बाद में कुछ नए संस्थानों और संगठनों के कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्त कर्मियों को भी आयोग के दायरे में शामिल करने का निर्णय लिया गया.

इसके लिए वित्त विभाग ने पांच नवंबर को दो अलग-अलग पत्र जारी किए थे. इसके साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों की ओर से भी सुझाव और मांगें जमा करने के लिए अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया गया था. इन पहलुओं पर विचार करने के बाद आयोग ने समयसीमा एक महीने बढ़ाने का फैसला किया है.

आयोग की अधिसूचना के अनुसार, कर्मचारी और पेंशनभोगी आनलाइन माध्यम से अपने प्रस्ताव जमा कर सकते हैं. डाक से भेजे गए सुझाव स्वीकार नहीं किए जाएंगे. फिलहाल आयोग कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से उनकी मांगें और सुझाव आमंत्रित कर रहा है. इन प्रस्तावों के आधार पर वेतन, भत्ते और अन्य सेवा लाभों से संबंधित सिफारिशें तैयार की जाएंगी. बता दें कि बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नई भाजपा सरकार ने जुलाई में सातवें वेतन आयोग का गठन किया था.

कभी सियासी प्रतिद्वंद्वी, आज एक-दूसरे के बने मुरीद; बैरकपुर में एक मंच पर दिखे अर्जुन और तड़ित



कोलकाताः बैरकपुर की राजनीति में कभी एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे पूर्व सांसद व वरिष्ठ माकपा नेता तड़ित बरन तोपदार और राज्य के परिवहन मंत्री व भाजपा नेता अर्जुन सिंह एक मंच पर नजर आए. बैरकपुर में निजी कार्यक्रम में दोनों नेताओं ने न केवल एक-दूसरे के प्रति गर्मजोशी दिखाई, बल्कि सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे की जमकर प्रशंसा भी की. अर्जुन सिंह ने तड़ित बरन तोपदार को अपना सियासी अभिभावक बताते हुए कहा कि वह उनसे लगातार सीखने का प्रयास करते हैं. कार्यक्रम में तड़ित बरन ने अर्जुन सिंह के राजनीतिक सफर और संघर्षों की सराहना की.

उन्होंने कहा कि कई उतार-चढ़ाव और चुनौतियों से गुजरने के बाद अर्जुन आज मंत्री पद तक पहुंचे हैं. उन्हें महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी भी मिली है. एक दिन में अर्जुन सिंह बनना संभव नहीं है. उनके पिता भी राजनीति से जुड़े थे. राजनीति में दल बदलना सामान्य बात है, लेकिन अर्जुन ने जिस तरह अपनी राजनीतिक पहचान बनाई और सफलता हासिल की, वह उल्लेखनीय है.

वहीं, अर्जुन ने वरिष्ठ माकपा नेता के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि बैरकपुर की राजनीति, सामाजिक परिस्थितियों और यहां की समग्र व्यवस्था की जितनी समझ तड़ित बाबू को है, उतनी शायद ही किसी अन्य व्यक्ति को होगी. वह भी उनसे लगातार सीखने की कोशिश करते हैं. उम्र संबंधी कारणों से तड़ित अब सक्रिय राजनीति में पहले की तरह नजर नहीं आते. पिछले लोकसभा चुनाव में अर्जुन ने उनके घर जाकर आशीर्वाद लिया था. इसके बाद विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट मिलने पर भी वह वरिष्ठ माकपा नेता का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे.

आर्मेनियन घाट (मोति लाल शील घाट) की स्वच्छता एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु विशेष पहल



युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के वार्ड संख्या 45 (57) स्थित आर्मेनियन घाट पर सृजन कंपनी द्वारा सौंदर्यीकरण एवं नवीनीकरण कार्य के दौरान काटे गए पेड़-पौधों को गंगा नदी में बहा दिया गया था, जो अब गंगा किनारे जमा हैं.

इस संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं सृजन कंपनी से मेरा अनुरोध है कि इन पेड़-पौधों एवं कचरे को जल्द से जल्द गंगा किनारे से हटाया जाए, ताकि छठ महापर्व के अवसर पर छठ व्रती माताओं-बहनों एवं श्रद्धालुओं को भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो.

हमारा प्रयास है कि आस्था के इस महापर्व पर श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक घाट उपलब्ध हो.

इस कार्यक्रम को साथीयो मे अश्वनी सोनकर, रावि हेला, राकेश साव, गनेश सिंह, बबलु सोनकर व मनोज गुप्ता कोलकता सनातनी संघ के



उपाध्यक्ष भोला प्रसाद सोनकर नेतृत्व मे कार्य को अंजाम दिये.

खुशियों की दीपावली' के रंग में सजा सीकर नागरिक परिषद

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) एवं सीकर जिला वेलफेयर ट्रस्ट के द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर शनिवार को सीकर भवन में दीपावली प्रीति सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया. इस वर्ष कार्यक्रम की विशेष थीम 'खुशियों की दीपावली' रखी गई थी. समारोह में 'आशियाना हैप्पी होम्स' के बच्चों की विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया.

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ. इसके पश्चात महिलावृंद द्वारा गीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं. सीकर भवन की नृत्य कक्षा के बच्चों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से चारों युगों का सुंदर वर्णन किया. समारोह का विशेष आकर्षण बारासात स्थित आशियाना होम से आए 25 अनाथ बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति रही, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा.

इस अवसर पर परिषद द्वारा आशियाना होम के 220 बच्चों को सेवा एवं सहयोग के भाव से शैक्षणिक सामग्री, खाद्य सामग्री एवं वस्त्र वितरित किए गए. इसमें पेंसिल, रबर, शार्पनर, स्केल, क्लिप बोर्ड, पेस्टल



कलर सहित चावल, दाल, आलू, सरसों तेल एवं चीनी जैसी आवश्यक सामग्री शामिल थी. सभी 220 बच्चों के लिए नये वस्त्र परिषद द्वारा दिया गया. उक्त जानकारी कार्यक्रम की संयोजिका सुनीता लोहिया ने दी.

अध्यक्ष श्री ब्रह्मानंद अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि दीपावली प्रीति सम्मेलन केवल आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे को बढ़ावा देने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह परिषद परिवार को एक सूत्र में बांधने का कार्य भी करता है. उन्होंने कहा कि दीपावली का वास्तविक आनंद दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने और जरूरतमंदों के साथ उत्सव की खुशियां साझा करने में है.

इस अवसर पर अध्यक्ष एमिरेट्स श्री घनश्याम प्रसाद सोभासरिया ने दीपावली की शुभकामना देते हुए सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं को परिषद के सेवा कार्यों में हमेशा सहयोग को लिए धन्यवाद ज्ञापन दिया.

सचिव रवि शंकर सीकरिया ने दीपावली पर्व को भारतीय पर्वों की आत्मा बताते हुए कहा कि यह त्योहार आपसी प्रेम, सद्भावना एवं भाईचारे का प्रतीक है. कार्यक्रम के माध्यम से 'सेवा ही उत्सव', 'एकता और उल्लास' तथा 'परंपरा और संस्कार' के भावों को साकार करने का प्रयास किया गया. साथ ही उन्होने कहा परिषद का मूल उद्देश्य सदैव सेवा भावना और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना रहा है. आज इन बच्चों के साथ दीपोत्सव की खुशियां साझा कर हम सभी अत्यंत हर्ष एवं आत्मिक संतोष का अनुभव कर रहे हैं. जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही हमारे लिए दीपावली का वास्तविक आनंद है.

कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए बताया कि परिषद द्वारा इस वर्ष दीपावली पर लगभग 2000 लोगों में वस्त्र वितरण कर दीपोत्सव मनाने में सहायता की गई.

कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमीता अग्रवाल, किरण सोढानी, रेखा चौधरी, रश्मि सराफ, टीना सिंघी, चंचल मित्तल, प्रीति बियानी, ललिता सारडा, कनक सोमानी, राधा सोमानी, उषा अग्रवाल, मंजु अग्रवाल, संगीता करेल, अपर्णा शर्मा, रीता अग्रवाल, श्रीप्रकाश सोमानी, दामोदर प्रसाद बिदावतका, विनोद अग्रवाल, केशव सोमानी, नवनीत सोढ़ानी, कमल प्रसाद चौधरी, राजकुमार अग्रवाल, श्रीमोहन चौधरी, रवि लोहिया, रामगोपाल सराफ, सुशील कुमार अग्रवाल, विशेष सराफ, लक्ष्मी कुमार बियानी एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही.

मतदाता अधिकारों की लड़ाई में सीपीएम-तृणमूल आए एक मंच पर

21 नवंबर को कोलकाता में होगा सम्मेलन

- एसआईआर में नाम कटने के मुद्दे पर विपक्षी दलों की संयुक्त पहल
- 37 लाख लंबित अपीलों समेत छह सवालों पर चुनाव आयोग से मांगा जवाब

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. मतदाता अधिकारों की रक्षा के मुद्दे पर अब सीपीएम और तृणमूल कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दल एक मंच पर आने जा रहे हैं. इस सिलसिले में 21 नवंबर को कोलकाता में मतदान अधिकार संरक्षण सम्मेलन आयोजित किया जाएगा. सम्मेलन में मतदाता सूची से बाहर किए गए पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा शामिल कराने और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी.

शनिवार को अखिल बंगाल मतदान अधिकार संरक्षण संयुक्त मंच की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की गई. मंच ने स्पष्ट किया कि सम्मेलन के लिए हॉल उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में इसे सड़क पर



आयोजित किया जाएगा. आयोजन का समय और स्थान पहले ही सार्वजनिक कर दिया जाएगा. प्रेस कॉन्फ्रेंस में वामपंथी, तृणमूल और कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों के अलावा नागरिक समाज की कई जानी-मानी हस्तियां भी मौजूद थीं.

संयुक्त मंच के प्रतिनिधियों ने कहा कि पश्चिम बंगाल के सभी विपक्षी राजनीतिक दलों, नागरिक संगठनों और सामाजिक संगठनों को सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया जा रहा है. साथ ही, एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से बाहर किए गए पात्र मतदाताओं से भी एकजुट होकर अपने मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की गई है. मंच के अनुसार, एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से बाहर किए गए पात्र लोगों को दोबारा शामिल कराने के उद्देश्य से विभिन्न नागरिक संगठनों और विपक्षी दलों की संयुक्त पहल पर इस मंच का गठन किया गया है. शनिवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन ने सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल सरकार के सामने छह अहम सवाल रखे. इनमें सबसे प्रमुख सवाल एसआईआर से संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरणों में लंबित 37 लाख अपीलों के निपटारे को लेकर है. मंच ने पूछा कि इन अपीलों पर फैसला आने में आखिर कितना समय लगेगा. क्या नाम शामिल कराने के लिए अपील करने वाले 22 लाख से अधिक मतदाता आगामी नगरपालिका और पंचायत चुनावों में मतदान के अधिकार से वंचित रह जाएंगे? इसके अलावा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के माध्यम से पहले से मतदाता सूची में शामिल लोगों के खिलाफ 16 लाख से अधिक अपीलें दर्ज किए जाने की अनुमति किसने दी और इसके लिए जिम्मेदार कौन है, इस पर भी जवाब मांगा गया. संयुक्त मंच ने चुनाव आयोग के विशेष अभियान के तहत फॉर्म-6 के माध्यम से अब तक कितने पात्र मतदाताओं को दोबारा मतदाता सूची में शामिल किया गया है, इसकी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की. साथ ही सवाल उठाया कि यदि बड़ी संख्या में पात्र मतदाता एसआईआर प्रक्रिया से बाहर रह जाते हैं, तो 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्हें मतदान के अधिकार से वंचित करने की जिम्मेदारी किसकी होगी.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

विश्व मधुमेह दिवस पर धनबाद में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर



धनबाद : विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर झारखण्ड मधुमेह एवं नेत्र केंद्र, जोड़ाफाटक मार्ग, शक्ति मंदिर के निकट, धनबाद में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं स्वास्थ्यवर्धक अल्पाहार का आयोजन किया गया.इस वर्ष का विषय मधुमेह पर समय पर कार्यवाही' रखा गया था.शिविर में धनबाद सहित अन्य जनपदों के 250 से अधिक लोगों ने भाग लिया. यहाँ रक्त शर्करा, रक्तचाप, हृदय, यकृत, वृक्क, वसा, नेत्र, रक्त वर्णक, त्रैमासिक शर्करा औसत, अस्थि, शारीरिक वसा, यूरिक अम्ल, श्वसन क्षमता, प्रोस्टेट सहित अनेक जाँचें निःशुल्क की गईं. कार्यक्रम में केंद्र की ओर से प्रथम प्रकार के मधुमेह रोगियों को उपहार भी प्रदान किया गया. साथ ही स्वस्थ दंपति प्रतियोगिता और मेरा बुद्धि-लब्धि श्रेष्ठ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, ताकि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके. संस्था की ओर से बताया गया कि केंद्र में 18 वर्ष तक के प्रथम प्रकार के मधुमेह रोगियों को निःशुल्क उपचार एवं इंसुलिन प्रदान किया जाता है.इस कार्यक्रम में डॉ. अजय पटवारी और डॉ. सीमा पटवारी ने सहयोग प्रदान किया. उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि मधुमेह को अपनी दैनिक आदतों में सुधार लाकर नियंत्रित किया जा सकता है. इसके लिए पौष्टिक आहार लें, त्वरित आहार व डिब्बा बंद भोजन से बचें, मैदा और मिष्ठान्न पदार्थों का सेवन कम करें, प्रतिदिन 30-40 मिनट व्यायाम, योग एवं ध्यान करें. कार्यालय में प्रत्येक 2 घंटे पर 5 मिनट टहलें अथवा व्यायाम करें.

छठ की भक्ति में डूबा साहिबगंज, पंकज मिश्रा भी देंगे भगवान सूर्य को अर्घ्य



साहिबगंज : लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुरू होते ही पूरा साहिबगंज भक्तिमय माहौल में डूब गया है. शहर के घरों से लेकर चौक-चौराहों तक छठ के पारंपरिक गीत गूंज रहे हैं. बाजारों में भी छठ पूजा की रौनक देखने को मिल रही है. शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ महापर्व की शुरुआत हुई. व्रतियों ने गंगा सहित विभिन्न जलाशयों में स्नान कर भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की. इसके बाद पारंपरिक तरीके से कद्दू-भात का प्रसाद तैयार कर पहले भगवान को अर्पित किया और फिर स्वयं ग्रहण किया.इस बार भी झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा छठ महापर्व पर स्वयं भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे. वह पिछले कई वर्षों से पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ खुद छठ व्रत करते आ रहे हैं. उनके घर में भी महापर्व को लेकर विशेष तैयारियां शुरू हो गई हैं. शुक्रवार को परिवार की महिलाओं ने छठ प्रसाद तैयार करने के लिए गेहूं को अच्छी तरह धोकर सुखाया. इस धार्मिक कार्य में पंकज मिश्रा ने भी स्वयं सहयोग किया. शनिवार को उन्होंने खरना का अनुष्ठान भी किया.खरना के प्रसाद के लिए शहर के प्रमुख लोगों को आमंत्रण.छठ महापर्व को लेकर पंकज मिश्रा के आवास पर इन दिनों पूरी तरह भक्तिमय माहौल बना हुआ है. शनिवार को खरना पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करने के लिए शहर के कई प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया गया है. खरना के प्रसाद के साथ ही परिवार और आमंत्रित अतिथि छठी मैया के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करेंगे.तीन दिनों तक राजनीतिक गतिविधियों से रहेंगे दूर.छठ महापर्व के दौरान पंकज मिश्रा अगले तीन दिनों तक राजनीतिक गतिविधियों से दूर रहकर पूरी तरह पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में समय देंगे. गौरतलब है कि पंकज मिश्रा धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैं. काली पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान भी उन्होंने शहर के विभिन्न पूजा पंडालों में पहुंचकर मां के दर्शन किए और मत्था टेका.छठ महापर्व के प्रति उनकी आस्था और वर्षों से स्वयं व्रत करने की परंपरा के कारण उनके आवास पर भी इन दिनों विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिल रहा है.

एंजेल वन बनी देश की दूसरी सबसे बड़ी स्टॉक ब्रोकर



जमशेदपुर : प्रमुख फिनटेक कंपनी एंजेल वन लिमिटेड ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की ताजा रिपोर्ट 1सी के अनुसार, सक्रिय ग्राहकों (एक्टिव क्लाइंट्स) के मामले में देश के दूसरे सबसे बड़े स्टॉक ब्रोकर का मुकाम हासिल कर लिया है. अक्टूबर 2026 तक कंपनी के सक्रिय ग्राहकों की संख्या बढ़कर 69.98 लाख हो गई है, जो एनएसई के कुल 4.67 करोड़ सक्रिय ग्राहकों का 14.97 प्रतिशत है. अक्टूबर महीने के दौरान एंजेल वन ने एनएसई पर शुद्ध रूप से 2.43 लाख नए सक्रिय ग्राहक जोड़े, जो रिटेल निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और टेक्नोलॉजी आधारित निवेश प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता को दर्शाता है. इसके साथ ही, अक्टूबर 2026 में कंपनी का कुल ग्राहक आधार सालाना आधार पर 17.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4 करोड़ के ऐतिहासिक आंकड़े को पार करते हुए 4.06 करोड़ तक पहुंच गया है. इस अवधि में कंपनी ने 6.6 लाख नए ग्राहक जोड़े, जो पिछले नौ महीनों में सबसे अधिक है. भारतीय कैपिटल मार्केट में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हुए एंजेल वन निवेशकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का लगातार विस्तार कर रही है. कंपनी इक्विटी, म्यूचुअल फंड और कॉरपोरेट बॉन्ड से लेकर वेल्थ मैनेजमेंट और अमेरिकी शेयरों में निवेश जैसी सुविधाएं प्रदान करते हुए एक व्यापक वित्तीय सेवा प्लेटफॉर्म तैयार कर रही है. इसके अतिरिक्त, एंजेल वन सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के नए रजिस्ट्रेशन में भी देश की दूसरी सबसे बड़ी योगदानकर्ता बनकर उभरी है. यह उपलब्धि प्लेटफॉर्म पर खुदरा निवेशकों के बढ़ते भरोसे को रेखांकित करती है. कंपनी आम लोगों तक निवेश को सुलभ बनाने और हर निवेशक को एक ही मंच पर सभी वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है.

बाल दिवस के उपलक्ष्य पर विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

पाकुड़: जिला विधिक सेवा प्राधिकार दिवाकर पांडेय के निर्देश पर डालसा प्रभारी सचिव विशाल मांझी के मार्गदर्शन में आज आदर्श बिल्टू मध्य विद्यालय में बाल दिवस एवं साप्ताहिक राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया.अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव ने बच्चों को साइबर अपराध पर विशेष जानकारी दी जिसमें अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने अपना अकाउंट एवं ओटीपी किसी से शेयर ना करने समेत बच्चों के संरक्षण के हित में कई महत्वपूर्ण जानकारी से जागरूक किया. लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के डिप्टी चीफ मो नुकुमुद्दीन शेख ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाली निशुल्क कानूनी सहायता पर विस्तृत जानकारी दी. निशुल्क अधिवक्ता के पाने हकदार, कागजी प्रक्रिया की जानकारी दीं. छात्र-छात्राओं को अनुशासन में रहने, शिक्षा के महत्व एवं अपने लक्ष्य प्राप्ति को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया

छठ घाटों पर तैयारियों का सांसद विजय हांसदा ने लिया जायजा

पाकुड़:लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पाकुड़ नगर क्षेत्र में तैयारियां अंतिम चरण में हैं. राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय कुमार हांसदा ने शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर साफ-सफाई और श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया. छठ घाटों की सफाई और तैयारियों का किया निरीक्षण:निरीक्षण के दौरान सांसद के साथ सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव और झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो के कार्यकर्ता मौजूद रहे. सांसद ने विभिन्न घाटों पर चल रहे सफाई कार्य और अन्य तैयारियों को देखा. उन्होंने प्रशासन और छठ पूजा समितियों की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की. साथ ही व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुधार



करने के निर्देश दिए.व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा पर जोर:सांसद विजय हांसदा ने कहा कि छठ महापर्व झारखंड सहित पूरे देश में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है. इस दौरान बड़ी संख्या में व्रती और श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं. ऐसे में उनकी सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना जरूरी है. उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी और अन्य बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि व्रतियों को किसी तरह की परेशानी न हो.आपसी समन्वय से समय पर पूरी करें तैयारियांसांसद ने प्रशासन और स्थानीय छठ पूजा समितियों से आपसी समन्वय बनाकर शेष तैयारियां समय पर पूरी करने की अपील की. उन्होंने कहा कि छठ महापर्व धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और लोक संस्कृति का भी प्रतीक है. सभी के सामूहिक प्रयास से ही पर्व को बेहतर और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जा सकता है.

श्रद्धापूर्वक मनाई पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती

पाकुड़: जिला कांग्रेस कार्यालय में आधुनिक भारत के निर्माता, देश के प्रथम प्रधानमंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की 137वीं जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धापूर्वक मनाई गई.इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने पंडित नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया.कांग्रेसजनों ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने स्वतंत्रता के बाद देश को आधुनिक, देने में ऐतिहासिक शिक्षा, विज्ञान, उद्योग, कृषि और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा.

ट्रांसफॉर्मर चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन शातिर गिरफ्तार

पाकुड़िया/पाकुड़: जिले में चोरी की वारदातों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है. इसी कड़ी में पाकुड़ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए ट्रांसफॉर्मर से कीमती कॉपर कॉयल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का कॉपर, वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल समेत कई सामान बरामद किए गए हैं.पुलिस के अनुसार, मामला पाकुड़िया थाना क्षेत्र के धुलीडांगा गांव स्थित आरएम इंटरप्राइजेज क्रशर प्लांट का है. यहां 12 और 13 नवंबर 2026 की दरमियानी रात ट्रांसफॉर्मर से कॉपर कॉयल चोरी कर लिया गया था. घटना के बाद क्रशर संचालक की ओर से पाकुड़िया थाना में आवेदन दिया गया, जिसके आधार पर कांड संख्या



80/2026 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की.मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनीपुद सिंह के निर्देश पर विशेष अनुसंधान टीम एसआईटी का गठन किया गया. महेशपुर इंस्पेक्टर अनिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर छापेमारी शुरू की. लगातार अनुसंधान के बाद पुलिस ने चोरीकांड में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आलमगीर शेख उर्फ बाटिल, रामलाल दुद्ध और सेमोल सोरेन के रूप में हुई है. तीनों आरोपी पाकुड़िया थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं.चोरी का कॉपर, औजार और मोटरसाइकिल बरामद पुलिस ने आरोपियों के पास से ट्रांसफॉर्मर से चोरी किए गए कॉपर के 16 छोटे टुकड़े, एक बड़ा कॉपर पीस, तीन बड़े एवं एक छोटा बोल्ट, लोहे का जैक और एक पेचकस बरामद किया है. इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन नंबर थ37ग-3851 भी जब्त की गई है.
एसआईटी टीम की कार्रवाई से मिली सफलता:पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार तीनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान ट्रांसफॉर्मर से कॉपर चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है.
पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है.
इस कार्रवाई में महेशपुर इंस्पेक्टर अनिल कुमार गुप्ता सहित पाकुड़िया थाना और तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों की अहम भूमिका रही.

फल-फूल और पूजा सामग्री की खरीदारी तेज



पाकुड़: जिले में लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिल रहा है. नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत हो चुकी है. आज छठ पूजा का दूसरा दिन है, जिसे खरना के रूप में मनाया जा रहा है.बाजारों में बढ़ी चहल-पहल:खरना को लेकर बाजारों में सुबह से ही चहल-पहल बढ़ गई है. शहर के विभिन्न बाजारों में फल, फूल, नारियल, गन्ना और पूजा से जुड़ी अन्य सामग्रियों की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है. पाकुड़ शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं.पूजा की तैयारियों में जुटे व्रती:छठ व्रती और उनके परिजन पूजा की तैयारियों में जुटे हुए हैं. बाजारों में सूप, दउरा, फल और अन्य पूजन सामग्री की खरीदारी का सिलसिला जारी है. वहीं दुकानदारों के चेहरे पर भी अच्छी बिक्री की उम्मीद से खुशी देखी जा रही है.शुरू होगा निर्जला उपवास:खरना के दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर गुड़ और चावल से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करेंगे. इसके साथ ही छठ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा.

छठ महापर्व को लेकर 16 नवंबर तक मटन, चिकन और मछली की दुकानें रहेंगी बंद

साहिबगंज : लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ की पवित्रता और धार्मिक आस्था को देखते हुए साहिबगंज नगर परिषद प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. नगर परिषद क्षेत्र में 16 नवंबर तक मटन, चिकन और मछली की सभी दुकानें बंद रहेंगी. इस दौरान इन खाद्य पदार्थों की खरीद-बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा. इसके साथ ही कसाईखाना, बूचड़खाना एवं वधशाला भी पूर्णरूपेण बंद रहेंगे.इस संबंध में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि छठ महापर्व को देखते हुए नगर परिषद क्षेत्र में 16 नवंबर तक मांस, मछली और चिकन की बिक्री पर रोक लगाई गई है. इस अवधि में किसी भी दुकानदार को दुकान खोलने अथवा इन वस्तुओं की खरीद-बिक्री करने की अनुमति नहीं होगी. कसाईखाना और वधशाला भी बंद रखने का निर्देश दिया गया है.कार्यपालक पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि नगर परिषद प्रशासन के आदेश का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों एवं संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. विभिन्न धाराओं के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी.

छठ पर मौसम रहेगा मेहरबान

जमशेदपुर : लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान लौहनगरी का मौसम पूरी तरह अनुकूल, शुष्क और सुहावना बना रहेगा. मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, शहर में आगामी 18 नवंबर तक बारिश की कोई खास संभावना नहीं है. जिससे छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को अर्घ्य देने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी. इस दौरान दिन में अच्छी धूप खिली रहेगी,

पूर्व मंत्री ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा



पाकुड़:पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलमगीर आलम शनिवार को पाकुड़ प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के दौरे पर पहुंचे. इस दौरान उन्होंने गांव-गांव जाकर ग्रामीणों से मुलाकात की और जनसंपर्क अभियान के जरिए लोगों का हालचाल जाना. उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए हरसंभव पहल करने का भरोसा दिया. क्षेत्र भ्रमण के दौरान रामचंद्रपुर, पुड़ाबागान, पालिहाट, गगनपहाड़ी और दुबराजपुर सहित विभिन्न गांवों में उन्होंने लोगों से सीधा संवाद किया. ग्रामीणों ने भी खुलकर अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं. आलमगीर आलम ने लोगों की बातों को गंभीरता से सुना और जरूरत पड़ने पर सीधे संपर्क करने की अपील की. ग्रामीणों के बीच अपने पुराने जुड़ाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र उनके लिए अपने घर की तरह है और यहां के लोग उनके परिवार के सदस्य हैं. गांवों में पहुंचने पर लोगों से मिलने वाला प्यार, सम्मान और अपनापन उन्हें हमेशा एक अलग अनुभूति कराता है. उन्होंने कहा कि जनता के साथ उनका रिश्ता केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मीयता और विश्वास का रिश्ता है. पूर्व मंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि वे किसी भी समस्या या परेशानी में सीधे उन्हें फोन कर सकते हैं. किसी के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है. जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना उनकी प्राथमिकता है. इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, प्रखंड अध्यक्ष मांसारुल हक, जिला उपाध्यक्ष असद हुसैन, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहीन परवेज, जिला सोशल मीडिया चेयरमैन पियारूल इस्लाम साथ ही क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे..

छठ घाटों की सुरक्षा व्यवस्था पर डीसी सख्त, देर रात किया निरीक्षण



साहिबगंज : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है. छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने शुक्रवार देर रात शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने शकुंतला सहाय घाट, मुक्तेश्वर धाम घाट, ओझा टोली घाट सहित अन्य प्रमुख छठ घाटों का जायजा लेकर तैयारियों की जमीनी हकीकत देखी.निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने घाटों पर बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था, मिट्टी कटाव वाले स्थानों, दलदली क्षेत्रों की घेराबंदी, महिला चेंजिंग रूम, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली. उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं नगर परिषद के कर्मियों को निर्देश दिया कि छठ पर्व से पहले सभी तैयारियां हर हाल में पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े.मुक्तेश्वर धाम घाट पर उपायुक्त ने विशेष रूप से पानी की गहराई और घाट की स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने अपने हाथ में लाठी लेकर पानी की गहराई मापी तथा घाट पर जमा कीचड़ और दलदली जमीन का भी निरीक्षण किया.
उन्होंने निर्देश दिया कि जहां पानी अधिक गहरा है या जमीन दलदली है, वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं.
ऐसे संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेत लगाए जाएं, ताकि श्रद्धालु अनजाने में खतरनाक स्थानों तक नहीं पहुंचें.उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने स्पष्टशब्दों में कहा कि छठ महापर्व के दौरान लाखों की आस्था से जुड़ी श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है. इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने घाटों पर पर्याप्त रोशनी, स्वच्छता, सुरक्षित आवागमन और महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया.
निरीक्षण के दौरान डीडीसी सतीश चंद्रा, नगर प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह, नगर पार्षद, सिटी मैनेजर रवि कुमार सहित अन्य संबंधित कर्मी एवं अधिकारी मौजूद थे.

छठ पर्व को लेकर साहिबगंज में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 22 दंडाधिकारियों की तैनाती

साहिबगंज: लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं. छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और गंगा नदी के बढ़े जलस्तर को देखते हुए शहर के विभिन्न छठ घाटों, प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर कुल 22 दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है. इसके अलावा पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बलों की भी तैनाती की गई है. सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पांच दंडाधिकारियों को रिजर्व में रखा गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल उनकी सेवा ली जा सके.इस संबंध में सदर एसडीओ अमर जॉन आइन्द ने बताया कि छठ पर्व के दौरान विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क है. पहले अर्घ्य के दिन संध्या में व्रती एवं श्रद्धालु घाटों से देर शाम घर लौटते हैं, जबकि दूसरे अर्घ्य के लिए अहले सुबह ही घाटों की ओर निकल जाते हैं. ऐसे समय में सुनसान रास्तों और कम रोशनी वाले स्थानों पर असामाजिक तत्व महिलाओं के साथ छिनतई, छेड़खानी सहित अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं. इसे देखते हुए शहर में नियमित गश्ती, निगरानी और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं.गंगा के बढ़े जलस्तर और दलदली जमीन को लेकर विशेष सतर्कता.एसडीओ ने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर में अत्यधिक वृद्धि के कारण नदी के किनारे स्थित कई घाट एवं तटीय इलाके जलमग्न हो गए हैं. कई स्थानों पर घाटों की उपलब्ध जगह संकीर्ण हो गई है. वहीं, नदी किनारे गहराई अधिक होने के साथ जमीन दलदली और कीचड़मय बनी हुई है. ऐसी स्थिति में छठ के दौरान श्रद्धालुओं के फिसलने, गहरे पानी में जाने और अन्य दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है.इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए उपायुक्त दीपक कुमार दुबे के निर्देश पर विधि-व्यवस्था, शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है. प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी पुलिस पदाधिकारियों एवं सशस्त्र बलों के साथ अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में तैनात रहेंगे. प्रशासन का उद्देश्य है कि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सकें और पर्व के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो.गश्ती दल के लिए तैनात अधिकारी और उनके मोबाइल नंबर.साहिबगंज नगर गश्ती पश्चिमी भाग: नयन,कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी 7004036567 ,साहिबगंज नगर गश्ती पूर्वी भाग: देवीलाल हांसदा, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल ड्ड 8292371115जिरवाबाड़ी संपूर्ण क्षेत्र गश्ती: प्रेम कुमार सोरेन, कार्यपालक,अभियंता, गंगा पंप नहर प्रमंडल साहिबगंज ड्ड 7677240428,गंगा घाट मोटर गश्ती: अभिषेक आनंद, सहायक निबंधक, सहयोग समितियां साहिबगंज ड्ड 7209982192,विभिन्न छठ घाटों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारीबायसी स्थान छठ घाट: चंद्रशेखर शर्मा ड्ड 7250470137ओझा टोली छठ घाट: प्रभाकर हेम्ब्रम ड्ड 7549121935 पुरानी साहिबगंज छठ घाट: मधुकर श्याम ड्ड 8271348914 चौधरी टोला (ओला) छठ घाट: बैजनाथ कुमार महतो ड्ड 9471327864चानन रेलवे पुल के पास: नरेश मुर्मू ड्ड 8434108168कबूतर खोपी जनता घाट: शंकर प्रसाद साह ड्ड 9661139721
शकुंतला सहाय घाट: रामजीत हेम्ब्रम ड्ड 7992328541
शीतला स्थान घाट: चंद्रकिशोर सोनू ड्ड 7004424208
गोपालपुल घाट: अमरेंद्र कुमार ड्ड 9798566295
कुम्हार टोली घाट: नंद किशोर मंडल ड्ड 8409111776
सकरोगढ़ घाट: डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह ड्ड 9431545827
मछली घाट: काजल किशोर ड्ड 7250058402
पत्थर घाट: चंद्र प्रकाश कुमार ड्ड 8283876048हाजीपुर घाट: शैलेश रंजन ड्ड 9546709631समदा घाट: सौरभ कुमार ड्ड 7884823863सकरी घाट: सहायक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष कार्य अवर प्रमंडल ड्ड 9572860776पांच दंडाधिकारी रिजर्व में रखे गएप्रशासन ने आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने और सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए पांच दंडाधिकारी पदाधिकारियों को रिजर्व में रखा है. इनमें भवन प्रमंडल साहिबगंज के कनीय अभियंता मो. फारूक आजम (9801915959), वरीय पशुचिकित्सा एवं पशुपालन पदाधिकारी डॉ. संजीव कुमार (7050422928), जेएसएलपीएस साहिबगंज के जिला प्रबंधक एसएमआईबी सतीश कुमार (7903976718), जिला अंकेक्षण कार्यालय के वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी अनिल कुमार हेम्ब्रम (9973709894) तथा जिला उद्योग केंद्र के जिला उद्यमी समन्वयक (लघु कुटीर उद्योग) देवव्रत कुमार (9065520260) शामिल हैं.

श्रद्धालुओं से प्रशासन की अपील
प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित एवं सुरक्षित घाटों पर ही छठ पूजा करें. गहरे पानी, दलदली जमीन और प्रतिबंधित घाटों की ओर जाने से बचें. बच्चों को नदी के किनारे अकेले न छोड़ें तथा प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें. किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति की सूचना तत्काल प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी अथवा पुलिस को दें.प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्व के दोनों अर्घ्य के दौरान सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था पर विशेष नजर रखी जाएगी, ताकि साहिबगंज में छठ महापर्व श्रद्धा, आस्था और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके.

उग हे सूरज देव .....

छठ महापर्व

लोकआस्था, प्रकृति उपासना और भारतीय संस्कृति का अद्भुत संगम



• **सुधांशु शेखर,** प्रधान संपादक

विश्व पटल पर बढ़ती छठ की पहचान

आज छठ महापर्व बिहार और पूर्वांचल की सीमाओं से निकलकर दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु सहित देश के बड़े शहरों में भी व्यापक रूप से मनाया जाता है. विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग भी पूरी श्रद्धा के साथ इस पर्व का आयोजन करते हैं. मॉरीशस, नेपाल, अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य देशों में छठ की परंपरा भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहचान बन रही है.

चार दिनों तक चलने वाली कठिन साधना

छठ महापर्व चार दिनों तक पूरी श्रद्धा, पवित्रता और नियम-निष्ठा के साथ मनाया जाता है. इसके प्रत्येक दिन का अपना विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है. व्रती इस दौरान कठोर नियमों का पालन करते हैं. छठ व्रत में स्वच्छता, शुद्धता और आत्मसंयम को सर्वोच्च स्थान दिया जाता है.

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में अनेक पर्व और त्योहार हैं, जो हमारी सभ्यता, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक जीवन को एक नई पहचान देते हैं. प्रत्येक पर्व का अपना महत्व, अपनी परंपरा और अपना संदेश है. लेकिन इन सभी पर्वों के बीच छठ महापर्व का स्थान अत्यंत विशिष्ट और गौरवशाली है. यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, तपस्या, त्याग, पवित्रता, अनुशासन, प्रकृति प्रेम और सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण है. छठ महापर्व भारतीय लोकसंस्कृति की ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसकी जड़ें हमारी प्राचीन सभ्यता और परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं. विशेष रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में छठ महापर्व का विशेष महत्व है. इन क्षेत्रों में छठ केवल त्योहार नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं, विश्वास और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है. देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले बिहार और पूर्वांचल के लोग इस पर्व को अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और अपनी पहचान से जोड़कर देखते हैं. यही कारण है कि छठ के अवसर पर लाखों लोग अपने घरों की ओर लौटते हैं. जो लोग अपने गांव नहीं पहुंच पाते, वे जहां रहते हैं, वहीं पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ छठ पूजा का आयोजन करते हैं. आज यह पर्व भारत की सीमाओं को पार कर विदेशों में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है.

सूर्य उपासना का प्राचीन और आध्यात्मिक महत्व

छठ महापर्व मुख्य रूप से भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना का पर्व है. भारतीय संस्कृति में सूर्य को प्रत्यक्ष देवता माना गया है. वे संपूर्ण संसार को प्रकाश, ऊर्जा और जीवन प्रदान करते हैं. सूर्य के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है. पेड़-पौधों से लेकर मनुष्य और जीव-जंतुओं तक सभी का अस्तित्व सूर्य की ऊर्जा पर निर्भर है. इसी कारण प्राचीन काल से ही भारतीय परंपरा में सूर्य की उपासना का विशेष महत्व रहा है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया को संतान की रक्षा करने वाली देवी माना जाता है. श्रद्धालु उनसे अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की कामना करते हैं. सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर लोग प्रकृति की उस महान शक्ति के प्रति आभार प्रकट करते हैं, जिसके कारण धरती पर जीवन संभव है. छठ पूजा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी विशेष मंदिर या मूर्ति की आवश्यकता नहीं होती. प्रकृति ही इस पूजा का प्रमुख आधार है. नदी, तालाब, जलाशय, सूर्य, जल, मिट्टी, फल और वनस्पतियां इस पर्व के अभिन्न अंग हैं. यह भारतीय संस्कृति की उस प्राचीन सोच को प्रदर्शित करता है, जिसमें प्रकृति को ईश्वर का स्वरूप मानकर उसकी पूजा की जाती है.

लोकगीतों में जीवंत होती है छठ की परंपरा

छठ महापर्व की पहचान उसके पारंपरिक लोकगीतों के बिना अधूरी है. छठ गीत इस पर्व की आत्मा हैं. बिहार की लोकसंस्कृति में इन गीतों का विशेष स्थान है. पीढ़ियों से महिलाएं अपनी मधुर आवाज में छठी मैया और सूर्य देव की महिमा का गुणगान करती आ रही हैं.

'कांच ही बांस के बहंगिया', 'केलवा के पात पर', 'उग हे सूरज देव' और 'पहिले-पहिल छठी मैया' जैसे पारंपरिक गीत आज भी हर घर और घाट पर सुनाई देते हैं. इन गीतों में मां की ममता, संतान के प्रति प्रेम, पारिवारिक सुख-समृद्धि और प्रकृति के प्रति सम्मान का भाव दिखाई देता है. छठ गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें लोकजीवन की वास्तविक अनुभूतियां झलकती हैं. इन गीतों को सुनते ही प्रवासी लोगों को अपने गांव, घर, आंगन, नदी, तालाब और बचपन की यादें ताजा हो जाती हैं. यही कारण है कि आधुनिक संगीत और मनोरंजन के बढ़ते प्रभाव के बावजूद छठ के पारंपरिक गीतों की लोकप्रियता लगातार बनी हुई है.

महिलाओं की श्रद्धा, त्याग और समर्पण का अद्भुत उदाहरण

छठ महापर्व में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है. अधिकांश परिवारों में महिलाएं व्रत रखकर परिवार और संतान की सुख-समृद्धि के लिए कठिन साधना करती हैं. हालांकि पुरुष भी पूरी श्रद्धा के साथ यह व्रत करते हैं. इस पर्व में व्रती की इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और अनुशासन की विशेष परीक्षा होती है. लगभग 36 घंटे तक बिना अन्न और जल के रहना सामान्य बात नहीं है. इसके लिए शारीरिक क्षमता के साथ मानसिक दृढ़ता और आत्मसंयम की आवश्यकता होती है. परिवार के अन्य सदस्य भी व्रती की सेवा और सहयोग में जुटे रहते हैं. कोई पूजा सामग्री जुटाता है, कोई घाट की व्यवस्था करता है, तो कोई प्रसाद तैयार करने में मदद करता है. इस प्रकार छठ एक व्यक्ति का व्रत न होकर पूरे परिवार और समाज की सामूहिक आस्था का पर्व बन जाता है.

सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश

छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक सामाजिक समानता है. इस पर्व में जाति, वर्ग, आर्थिक स्थिति और सामाजिक भेदभाव का कोई स्थान नहीं होता. समाज के सभी लोग एक साथ घाट पर पहुंचते हैं और सूर्य देव की आराधना करते हैं. अमीर हो या गरीब, हर व्यक्ति अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार पूजा करता है.

छठ के दौरान गांवों और शहरों में सामूहिक रूप से घाटों की सफाई की जाती है. युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सभी अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं. कहीं रास्तों की मरम्मत होती है, कहीं रोशनी की व्यवस्था की जाती है, तो कहीं श्रद्धालुओं के लिए पानी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं. यह दृश्य भारतीय समाज की सामूहिक शक्ति और सहयोग की भावना को प्रदर्शित करता है.



छठ महापर्व हमें यह भी सिखाता है कि समाज की वास्तविक शक्ति आपसी सहयोग, प्रेम और विश्वास में निहित है. जब लोग किसी एक उद्देश्य के लिए एकजुट होते हैं, तो बड़ी से बड़ी कठिनाई भी आसान हो जाती है.

प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश

छठ महापर्व को प्रकृति उपासना का सबसे सुंदर उदाहरण माना जा सकता है. इस पर्व में सूर्य, जल, पृथ्वी, वायु, वनस्पति और फलों के प्रति सम्मान प्रकट किया जाता है. पूजा में उपयोग होने वाली अधिकांश सामग्री प्राकृतिक होती है. बांस के सूप, मिट्टी के दीपक, मौसमी फल, गन्ना, नारियल और अन्य पारंपरिक वस्तुएं प्रकृति के साथ हमारे गहरे संबंध को दर्शाती हैं. आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के संकट से जूझ रही है, ऐसे समय में छठ महापर्व का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है. यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति केवल हमारे उपयोग की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का आधार है. इसलिए छठ के अवसर पर हमें नदियों और तालाबों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेना चाहिए. प्लास्टिक और अन्य प्रदूषणकारी वस्तुओं के उपयोग से बचना चाहिए. पूजा के बाद सामग्री को जलाशयों में फेंकने के बजाय उचित तरीके से निस्तारित करना चाहिए. स्वच्छ घाट और स्वच्छ जल ही इस पर्व की वास्तविक पवित्रता को बनाए रख सकते हैं.

प्रवासी बिहारियों के लिए भावनाओं और अपनी मिट्टी से जुड़ने का पर्व

छठ महापर्व का एक भावनात्मक पक्ष भी है. रोजगार, शिक्षा और बेहतर भविष्य की तलाश में बिहार और पूर्वांचल के लाखों लोग देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों में रहते हैं. उनके लिए छठ केवल पूजा का अवसर नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने का माध्यम है. छठ आते ही घरों में एक अलग ही उत्साह दिखाई देने लगता है. परिवार के सदस्य घर लौटने की तैयारी करते हैं. बाजारों में रौनक बढ़ जाती है. फल, फूल, बांस के सूप, दउरा, मिट्टी के चूल्हे और पूजा सामग्री की खरीदारी शुरू हो जाती है. गांवों में वर्षों से बिछड़े रिश्तेदार एक-दूसरे से मिलते हैं. घर-आंगन की सफाई होती है और हर तरफ छठ गीतों की गूंज सुनाई देने लगती है. जो लोग किसी कारणवश अपने गांव नहीं पहुंच पाते, वे महानगरों में भी सामूहिक रूप से छठ पूजा करते हैं. दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और अन्य बड़े शहरों में छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है. विदेशों में रहने वाले भारतीय भी इस परंपरा को पूरी श्रद्धा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं. इस तरह छठ महापर्व भारतीय संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

आधुनिकता के दौर में भी कायम है परंपरा

आज का समाज तेजी से बदल रहा है. जीवनशैली, खानपान, पहनावा और रहन-सहन में आधुनिकता का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है. नई पीढ़ी तकनीक और आधुनिक सुविधाओं के साथ आगे बढ़ रही है. इसके बावजूद छठ महापर्व की परंपरा और लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है. बल्कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के कारण छठ की महिमा और अधिक लोगों तक पहुंच रही है. देश-विदेश में रहने वाले लोग वीडियो कॉल और ऑनलाइन माध्यमों से अपने परिवार के साथ इस पर्व की खुशियां साझा करते हैं. छठ गीतों और पूजा के दृश्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाखों लोग देखते हैं. यह सकारात्मक संकेत है कि आधुनिकता को अपनाने के बावजूद भारतीय समाज अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को नहीं भूल रहा है. नई पीढ़ी को भी इस पर्व की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विशेषताओं से परिचित कराना आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस अमूल्य विरासत को आगे बढ़ा सकें.

डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा में छिपा जीवन दर्शन

छठ महापर्व की सबसे अनूठी परंपरा डूबते और उगते दोनों सूर्य को अर्घ्य देना है. सामान्य रूप से संसार उगते सूर्य को प्रणाम करता है, लेकिन छठ में अस्त होते सूर्य को भी उतनी ही श्रद्धा और सम्मान के साथ पूजा जाता है. यह परंपरा अपने आप में गहरा जीवन दर्शन समेटे हुए है.

इससे हमें सीख मिलती है कि जीवन में केवल सफलता, उपलब्धि और उन्नति का ही महत्व नहीं है, बल्कि संघर्ष, असफलता और कठिन परिस्थितियों का भी अपना स्थान है. जिस प्रकार सूर्य अस्त होने के बाद फिर से नई ऊर्जा के साथ उदय होता है, उसी प्रकार मनुष्य के जीवन में भी निराशा के बाद आशा और कठिनाइयों के बाद सफलता का अवसर आता है. यह पर्व हमें सिखाता है कि किसी व्यक्ति का सम्मान केवल उसके अच्छे समय में ही नहीं, बल्कि कठिन समय में भी किया जाना चाहिए. समाज में विनम्रता, सहनशीलता और मानवीय संवेदना का भाव बना रहना चाहिए.

छठ घाटों की व्यवस्था और प्रशासन की जिम्मेदारी

छठ महापर्व के दौरान लाखों श्रद्धालु नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों के किनारे एकत्रित होते हैं. ऐसे में घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा और सुविधाओं की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक हो जाती है. स्थानीय प्रशासन, नगर निकायों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की जिम्मेदारी है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाए.

घाटों पर पर्याप्त रोशनी, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सहायता, प्राथमिक उपचार, गोताखोरों की तैनाती और यातायात प्रबंधन की उचित व्यवस्था होनी चाहिए. गहरे पानी वाले क्षेत्रों को चिह्नित कर बैरिकेडिंग की जानी चाहिए. महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए. इसके साथ ही आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी. घाटों पर अनुशासन बनाए रखना, स्वच्छता का ध्यान रखना और प्रशासन के निर्देशों का पालन करना प्रत्येक श्रद्धालु का कर्तव्य है. सामूहिक सहयोग से ही इस महापर्व को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जा सकता है.

आस्था के साथ जीवन को संस्कारित करने का पर्व

निस्संदेह, छठ महापर्व भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर और लोकआस्था का सर्वोच्च प्रतीक है. यह पर्व हमें केवल भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना करना ही नहीं सिखाता, बल्कि जीवन में अनुशासन, संयम, त्याग, पवित्रता, समानता और कृतज्ञता का महत्व भी समझाता है. आज जब आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य अपने परिवार, समाज और प्रकृति से दूर होता जा रहा है, तब छठ महापर्व हमें इन सभी से दोबारा जोड़ने का अवसर प्रदान करता है. यह परिवार को एक सूत्र में बांधता है, समाज में भाईचारे की भावना को मजबूत करता है और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का एहसास कराता है. छठ का संदेश किसी एक क्षेत्र, भाषा या समुदाय तक सीमित नहीं है. यह संपूर्ण मानवता के लिए है. डूबते सूर्य को सम्मान देना, उगते सूर्य का स्वागत करना, प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना और कठिन साधना के माध्यम से आत्मशुद्धि करना इस पर्व की महानता को दर्शाता है. हमारा प्रयास होना चाहिए कि छठ महापर्व की परंपराएं केवल पूजा और अनुष्ठानों तक सीमित न रहें, बल्कि इसके मूल आदर्श हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनें. हम स्वच्छता अपनाएं, जल स्रोतों की रक्षा करें, सामाजिक भेदभाव मिटाएं और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनें.

वेदों में मिलते है महापर्व छठ के प्रमाण

छठ महापर्व का इतिहास किसी एक कालखंड में बांधा नहीं जा सकता. इतिहासकारों और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यह पर्व वैदिक काल से चला आ रहा है. ऋग्वेद में सूर्य देवता की स्तुति और उषा (भोर की देवी- जिन्हें छठी मैया भी कहा जाता है) की पूजा के स्पष्ट मंत्र मिलते हैं.

यह दुनिया का शायद इकलौता ऐसा पर्व है, जिसमें किसी मूर्ति की नहीं, बल्कि साक्षात् प्रकृति (सूर्य और जल) की पूजा होती है. प्राचीन काल में ऋषि-मुनि बिना अन्न-जल ग्रहण किए हफ्तों तक सूर्य की किरणों से ऊर्जा प्राप्त करते थे. माना जाता है कि आम जनमानस में सूर्य उपासना की यह विधि वहीं से 'छठ व्रत' के रूप में विकसित हुई.



छठ महापर्व के उद्भव को लेकर सबसे प्रामाणिक और लोकप्रिय कथाएँ महाभारत काल से जुड़ी हैं. महाभारत की कथा के अनुसार, छठ महापर्व की शुरुआत सूर्य पुत्र कर्ण ने की थी. कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे. मान्यता है कि वे हर दिन घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य देते थे और उनकी उपासना करते थे. सूर्य की कृपा से ही कर्ण महान योद्धा और परम दानवीर बने.

अर्घ्य देने के बाद कर्ण किसी भी याचक को खाली हाथ नहीं लौटाते थे. आज भी छठ पूजा में व्रती घंटों जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं, जो सीधे तौर पर अंगराज कर्ण की उसी वैदिक परंपरा का जीवंत रूप है.

महाभारत की एक अन्य कथा के अनुसार, जब पांडव जुए में अपना सारा राजपाट हारकर वनवास की सजा काट रहे थे, तब वे गहरे संकट में थे. उस कठिन समय में द्रौपदी ने महर्षि धौम्य (कुछ कथाओं में भगवान श्रीकृष्ण) के सुझाव पर सूर्य देव की उपासना और छठ का व्रत किया था. द्रौपदी के इस कठोर व्रत और सूर्य देव की कृपा से पांडवों को न केवल उनके कष्टों से मुक्ति मिली, बल्कि अंततः उन्हें अपना खोया हुआ राजपाट भी वापस प्राप्त हुआ.

छठ महापर्व का जुड़ाव केवल महाभारत से ही नहीं, बल्कि त्रेतायुग यानी रामायण काल से भी है. लोकमान्यताओं के अनुसार, लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद जब भगवान राम और माता सीता अयोध्या लौटे, तो रावण (जो एक ब्राह्मण था) के वध के पाप से मुक्त होने के लिए उन्होंने राजसूय यज्ञ किया. इस दौरान मुद्गल ऋषि के आदेश पर माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी के दिन मुंगेर (बिहार) में गंगा तट पर रहकर सूर्य देव की उपासना की थी. आज भी मुंगेर में 'सीता कुंड' मौजूद है, जिसे छठ की शुरुआत के अहम प्राचीन स्थलों में गिना जाता है. छठ महापर्व का इतिहास सिर्फ पौराणिक कथाओं तक सीमित नहीं है, यह सामाजिक समानता का भी सबसे बड़ा प्रतीक है. इस पूजा में किसी पंडित या पुरोहित की आवश्यकता नहीं होती. ऊंच-नीच, जाति-पाति के भेद से परे, हर व्यक्ति एक ही घाट पर खड़ा होकर सूर्य को अर्घ्य देता है. बांस के सूप, मिट्टी के चूल्हे, और गुड़-आटे का ठेकुआ, यह सब हमें बताता है कि यह पर्व पूरी तरह से ईको-फ्रेंडली और स्थानीय संसाधनों को बढ़ावा देता है.

छठ को महापर्व एसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह पर्व लगातार चार दिनों तक चलता है, जिसमें व्रती (उपवास रखने वाले) बिना अन्न-जल ग्रहण किए कठिन नियमों, संयम और पूर्ण शुचिता का पालन करते हैं. सनातन परंपरा में आमतौर पर केवल उगते सूर्य की पूजा होती है, लेकिन छठ एकमात्र ऐसा महापर्व है जिसमें डूबते (अस्ताचलगामी) और उगते दोनों सूर्य को समान रूप से अर्घ्य दिया जाता है, जो जीवन के उतार-चढ़ाव में भी प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना सिखाता है. छठ महापर्व में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होता. एक ही घाट पर सभी जातियों, वर्गों और समुदायों के लोग सूर्य को अर्घ्य देते हैं, जो सामाजिक एकता का बड़ा उदाहरण है.



ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि भगवान सूर्यदेव की आराधना के साथ ही षष्ठी देवी की प्रसन्नता के लिए उनकी महिमा में गंगाघाट, नदी या सरोवर तट पर लोकगीत का गायन करते हैं, जो रात्रिपर्यन्त चलता रहता है. रात्रि जागरण से जीवन में नवीन ऊर्जा के साथ अलौकिक शान्ति भी मिलती है. अन्तिम दिन 16 नवम्बर, सोमवार सप्तमी तिथि के दिन प्रात:काल उगते हुए सूर्यदेव को धार्मिक विधि-विधान से अर्घ्य देकर छठव्रत का पारण किया जाएगा.

धर्म शक्ति

सप्ताह के व्रत-त्यौहार

16 नवम्बर से 22 नवम्बर 2026 तक
(कार्तिक/कृष्णपक्ष - शरद ऋतु)

17 नवम्बर (मंगलवार) श्रीदुर्गाष्टमी व्रत
18 नवम्बर (बुधवार) अक्षय नवमी व्रत
20 नवम्बर (शुक्रवार) देव प्रबोधिनी एकादशी व्रत
22 नवम्बर (रविवार) प्रदोष व्रत.

दुर्गाष्टमी : 17 नवम्बर, मंगलवार

माँ भगवती दुर्गाजी की पूजा-अर्चना एवं व्रत से होगा सर्वकल्याण

भारतीय संस्कृति के हिन्दू सनातन धर्म में देवी-देवताओं का व्रत-पर्व-उत्सव पूर्ण श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था के साथ मनाने से अलौकिक शान्ति की अनुभूति होती है. आश्विन मास के शुक्लपक्ष की अष्टमी तिथि को जगत्जननी माँ जगदम्बा दुर्गाजी की पूजा-अर्चना की विशेष महत्ता है. ज्योतिषविद् श्री विमल जैन ने बताया कि मासिक दुर्गाष्टमी के दिन व्रत रखने का विशेष महत्व होता है. आस्थावान देवी भक्त प्रत्येक मास दुर्गाष्टमी का व्रत करके पुण्यलाभ अजित करते हैं. इस दिन भक्त एक समय भोजन करते हैं या फिर फलाहार करते हैं. व्रत रखने से मन एकाग्र होता है और भगवती दुर्गाजी की भक्ति में मन लगता है. पूरे विधि विधान से व्रत पूरा करने पर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान होता है, साथ ही घर में सुख-समृद्धि, खुशहाली का मार्ग प्रशस्त होता है.

श्री विमल जैन ने बताया कि इस बार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 16 नवम्बर, सोमवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 4 बजकर 20 मिनट पर लगेगी जो कि अगले दिन 17 नवम्बर, मंगलवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 6 बजकर 06 मिनट तक रहेगी. धनिष्ठा नक्षत्र 16 नवम्बर, सोमवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 2 बजकर 17 मिनट से 17 नवम्बर, मंगलवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 4 बजकर 35 मिनट तक रहेगा, तत्पश्चात् शतभिषा नक्षत्र लग जाएगा. अष्टमी तिथि मंगलवार को होने से भगवती दुर्गाजी प्रसन्न होकर सभी मनोकामनाओं की पूर्ति करती हैं.

श्रीदुर्गाजी की पूजा का विधान-ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि प्रात:काल सूर्योदय से पूर्व ब्रह्ममुहूर्त में उठकर समस्त दैनिक कृत्यों से निवृत्त हो, स्वच्छ (धुले हुए) वस्त्र धारण कर अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा-अर्चना के पश्चात् भगवती माँ दुर्गाजी के व्रत का संकल्प लेना चाहिए. इसके बाद गंगाजल से शुद्ध कर माता दुर्गा की प्रतिमा लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाकर स्थापित करनी चाहिए. भगवती दुर्गाजी का गंगाजल से अभिषेक कर भगवती दुर्गाजी के सामने शुद्ध देशी घी का दीप प्रज्वलित करना चाहिए. श्रीदुर्गाजी ऐसे होंगी प्रसन्न-भगवती की मनमोहक श्रृंगार करके पंचोपचार या षोडशोपचार पूजन करना चाहिए. पंचोपचार पूजन में गंध, पुष्प, धूप, दीप एवं नैवेद्य इन पाँच वस्तुओं से पूजा की जाती है, जबकि षोडशोपचार पूजन सामग्री में रोली, कुमकुम, सिंदूर, कपूर, अक्षत, दूध, दधि, मधु, घृत, शर्करा, वस्त्र, यज्ञोपवीत, चन्दन, तुलसी, बेलपत्र, धूप-दीप, नैवेद्य, पान-सुपारी आदि से पूजा की जाती है. भोग के रूप में मिठाई चढ़ाने का विधान है. भगवती श्रीदुर्गाजी की महिमा में धूप, दीप, धूप, अगरबत्ती जलाकर श्रीदुर्गा सप्तशती, श्रीदुर्गा चालीसा, देवी कवच, श्रीदुर्गा अष्टोत्तर शतनाम स्तोत्र, श्रीदुर्गा सहस्रनाम का पाठ तथा श्रीदुर्गाजी का मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे' का जप करने से भगवती दुर्गाजी प्रसन्न होती हैं. भगवती अपने भक्तों की समस्त मनोकामना पूर्ण होने का आशीर्वाद प्रदान करती हैं. जो भक्त दुर्गा सप्तशती का सम्पूर्ण पाठ न कर सकें, उन्हें चाहिए कि दुर्गा सप्तशती के 'अर्गला कीलकवच' का पाठ करना चाहिए. इस दिन छोटी कन्याएँ (3 वर्ष से लेकर 9 वर्ष तक) की पूजा कर उनका चरण स्पर्श करके भोजन कराना चाहिए तत्पश्चात् नवीन वस्त्र अथवा उपहार प्रदान कर उनसे आशीर्वाद लेकर पुण्यलाभ अजित करना चाहिए. **-ज्योतिर्विद् श्री विमल जैन**

देव प्रबोधिनी एकादशी : 20 नवम्बर, शुक्रवार

भगवान श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा से होंगे जागृत

भारतीय सनातन परम्परा के हिन्दू धर्मशास्त्रों में सभी तिथियों का किसी न किसी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना से सम्बन्ध है. तिथि विशेष के अनुसार पूजा-अर्चना करने पर मनोरथ की पूर्ति बताई गई है. इसी क्रम में कार्तिक माह की एकादशी तिथि की विशेष महत्ता है. कार्तिक मास का यह प्रबोधिनी, हरिप्रबोधिनी, डिठवन या देवउठनी (देवोत्थान) एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. कार्तिक शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि के कारण भगवान तुलसी का शुद्ध देशी घी के दीपक जलाने से जीवन के सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है. भगवान श्रीविष्णु आषाढ़ शुक्ल एकादशी के दिन क्षीरसागर में योगनिद्रा हेतु प्रस्थान करते हैं. कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन भगवान् श्रीविष्णु के योगनिद्रा से जागृत होने के पश्चात् समस्त मांगलिक शुभ कार्य शुभ मुहूर्त में प्रारम्भ हो जाएंगे. 20 नवम्बर, शुक्रवार को स्मार्तजन तथा 21 नवम्बर, शनिवार को वैष्णवजन व्रत रखकर भगवान श्रीविष्णुजी की आराधना करके उनसे आशीर्वाद प्राप्त करेंगे. हरिशयनी एकादशी (25 जुलाई, शनिवार) से प्रारम्भ चातुर्मास्य का व्रत, यम, नियम, संयम आदि का समापन आज देव (हरि) प्रबोधिनी एकादशी (20 नवम्बर, शुक्रवार) को हो जाएगा.

ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 20 नवम्बर, शुक्रवार को प्रात: 7 बजकर 16 मिनट पर लगेगी जो कि अगले दिन 21 नवम्बर, शनिवार को प्रात: 6 बजकर 32 मिनट तक रहेगी. उत्तराभाद्रपद नक्षत्र 20 नवम्बर, शुक्रवार को प्रात: 6 बजकर 57 मिनट से 21 नवम्बर, शनिवार को प्रात: 6 बजकर 51 मिनट तक रहेगा. हरिप्रबोधिनी एकादशी का व्रत उदयातिथि के अनुसार 20 नवम्बर, शुक्रवार को रखा जाएगा. आज के दिन व्रत-उपवास रखकर भगवान् श्रीविष्णु जी की विधिवत पूजा-अर्चना करने का विधान है. व्रतकर्ता को प्रात:काल समस्त दैनिक कृत्यों से निवृत्त हो स्वच्छ वस्त्र धारणकर अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा-अर्चना के पश्चात् देव प्रबोधिनी एकादशी के व्रत एवं भगवान श्रीविष्णुजी की पूजा-अर्चना का संकल्प लेना चाहिए. तत्पश्चात् उनकी महिमा में श्रीविष्णु सहस्रनाम, श्रीपुरुषसूक्त तथा श्रीविष्णुजी से सम्बन्धित मन्त्र 'ॐ श्रीविष्णवे नमः' का जप करना चाहिए.

पूजा का विधान-ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि आज के दिन गन्ने का मण्डप बनाकर शालिग्राम जी के साथ तुलसीजी का विवाह रचाया जाता है. मान्यता के मुताबिक देवप्रबोधिनी एकादशी से कार्तिक पूर्णमा तक तुलसीजी की रीति-रिवाज व धार्मिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है. इस दिन भगवान शालिग्रामजी एवं शालिग्राम जी की भी पूजा की जाती है. व्रत के दिन फलाहार ग्रहण करना चाहिए, अन्न ग्रहण का निषेध है. एकादशी तिथि की रात्रि में जागरण करके भगवान श्रीविष्णु जी की श्रद्धा, आस्था भक्तिभाव के साथ आराधना करना शुभ फलकारी माना गया है. इस दिन गंगा स्नान या स्वच्छ जल से स्नान करके देव अर्चना के पश्चात् ब्राह्मण को उपयोगी वस्तुओं का दान करना चाहिए. भीष्म पंचक व्रत-देव प्रबोधिनी एकादशी से भीष्म पंचक व्रत भी रखा जाता है. भीष्म पितामह ने एकादशी से पूर्णमा तक पाण्डवों को उपदेश दिया था. उपदेश की समाप्ति पर भगवान श्रीकृष्ण ने भीष्म पंचक व्रत की मान्यता स्थापित की. तभी से इस व्रत का विधान चला आ रहा है. देव प्रबोधिनी एकादशी का व्रत महिला व पुरुष दोनों के लिए समान रूप से फलदायी है. भगवान श्रीहरि विष्णुजी की विशेष कृपा से जीवन के समस्त पापों का शमन हो जाता है, साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि, खुशहाली का सुयोग बनता है. **-ज्योतिर्विद् श्री विमल जैन**

मुंगेर में गंगा के बीच स्थित सीताचरण से जुड़ी है छठ की अनूठी परंपरा, माता सीता ने की थी सूर्योपासना

बिहार में लोकआस्था के महापर्व छठ की परंपरा सदियों पुरानी है लेकिन मुंगेर में इस पर्व का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व कुछ खास है. यहां गंगा नदी के बीच स्थित सीताचरण मंदिर छठ की एक ऐसी विशिष्ट परंपरा का केंद्र है, जिसका संबंध माता सीता और महर्षि मुद्गल की धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा है. मान्यता है कि माता सीता ने इसी स्थान पर महर्षि मुद्गल के आश्रम में रहकर भगवान सूर्य की उपासना की थी और अस्ताचलगामी तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया था. यही वजह है कि छठ के अवसर पर सीताचरण श्रद्धालुओं की आस्था का विशेष केंद्र बन जाता है. गंगा की धारा के बीच एक विशाल शिलाखंड पर बने चरणचिह्नों को स्थानीय श्रद्धालु माता सीता के चरणचिह्न मानते हैं. इस स्थान को सीताचरण अथवा मणिपाषाण के नाम से जाना जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, रावण वध के बाद भगवान राम और माता सीता महर्षि मुद्गल के आश्रम पहुंचे थे. महर्षि मुद्गल ने माता सीता को सूर्योपासना करने की सलाह दी थी. इसके बाद माता सीता ने सूर्यदेव की आराधना की.



इस प्रसंग को मुंगेर की छठ परंपरा का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है. इसी धार्मिक परंपरा का संदर्भ आनंद रामायण के सीता-मुद्गल प्रसंग में भी मिलता है, वहीं, वर्ष 1926 में प्रकाशित मुंगेर जिला गजेटियर में गंगा के बीच स्थित शिलाखंड और वहां मौजूद चरणचिह्नों का उल्लेख किया गया है. गजेटियर में इस स्थान से जुड़ी स्थानीय धार्मिक मान्यता का दस्तावेजी संदर्भ मिलता है. हालांकि, धार्मिक आख्यान और स्थानीय मान्यताओं को ऐतिहासिक घटनाओं की स्वतंत्र पुष्टि के रूप में नहीं देखा जा सकता. मुंगेर की इस परंपरा का संबंध महर्षि मुद्गल से भी जोड़ा जाता है. स्थानीय मान्यताओं और पुराने विवरणों में इस क्षेत्र को मुद्गलपुर अथवा मुद्गलगिरि कहा गया है. समय के साथ इसका नाम बदलकर मुंगेर होने की व्याख्या भी प्रचलित है. इस तरह सीताचरण की धार्मिक पहचान मुंगेर की प्राचीन ऋषि परंपरा से भी जुड़ती है. मुंगेर में उत्तरवाहिनी गंगा भी छठ की आस्था को विशिष्ट बनाती है. कष्टहरणी घाट के सामने गंगा की धारा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है. धार्मिक मान्यता में उत्तरवाहिनी गंगा को विशेष पवित्र माना गया है. छठ के दौरान श्रद्धालु नावों से सीताचरण पहुंचकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं. गंगा की धारा के बीच स्थित इस धार्मिक स्थल पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति मुंगेर के छठ उत्सव को अलग पहचान देती है. हालांकि, छठ का आयोजन केवल सीताचरण तक सीमित नहीं रहता. कष्टहरणी घाट, बबुआ घाट, सोझी घाट, जेल घाट और केकड़ घाट सहित शहर के विभिन्न गंगा घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं. चार दिवसीय पर्व के नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य के दौरान पूरा शहर भक्तिमय माहौल में डूब जाता है. मुंगेर की पहचान बिहार की लोकसंगीत परंपरा में भी दर्ज है. बिहार कोकिला शारदा सिन्हा के गायन से लोकप्रिय हुए पारंपरिक छठ गीत 'मोरा भैया जाएला महंगा मुंगेर' में इस शहर का उल्लेख मिलता है. इस तरह मुंगेर का उल्लेख छठ की खरीदारी और पारिवारिक लोकजीवन के सहज प्रसंग में हुआ है.

मुंगेर की छठ परंपरा में सीताचरण का धार्मिक आख्यान, महर्षि मुद्गल की स्मृति, उत्तरवाहिनी गंगा की आस्था और शारदा सिन्हा के गीतों की सांस्कृतिक विरासत एक साथ दिखाई देती है. यह परंपरा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि गंगा, प्रकृति, लोकजीवन और सामाजिक समरसता के प्रति सम्मान का संदेश भी देती है.

राजा प्रियवद ने अपने पुत्र की रक्षा के लिए किया था छठ पूजा

एक समय राजा प्रियवद थे. विवाह के काफी समय तक उनको कोई संतान नहीं हुई. उनको इस बात की पीड़ा सताती थी. एक बार उन्होंने महर्षि कश्यप से अपने मन की व्यथा कही. महर्षि कश्यप ने राजा को संतान के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ कराने का सुझाव दिया. राजा प्रियवद अत्यंत प्रसन्न हुए. उन्होंने पुत्रेष्टि यज्ञ विधि विधान से कराया. यज्ञ में आहुति के लिए खीर बनाई गई. उस खीर को राजा की पत्नी मालिनी को प्रसाद स्वरूप ग्रहण करने को कहा गया. रानी ने सहर्ष उस खीर को खा लिया. उसके प्रभाव से रानी गर्भवती हो गईं और कुछ समय पश्चात एक बालक को जन्म दिया. पुत्र प्राप्ति के समाचार से राजा प्रियवद बहुत खुश हुए, लेकिन यह खुशी कुछ समय के लिए ही थी. वह पुत्र मृत पैदा हुआ था. वह उसके शव को लेकर श्मशान घाट पर पहुंचे. अपने बेटे के वियोग में इतने दुखी थे कि वे भी अपने प्राण त्यागने लगे. तभी वहां पर ब्रह्म देव की मानस पुत्री देवसेना प्रकट हुईं. उन्होंने राजा प्रियवद से ऐसा न करने को कहा. उन्होंने कहा कि उनकी उत्पत्ति सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से हुई है. इस आधार पर उनकी नाम षष्ठी है. तुम षष्ठी की पूजा करो तथा इसके बारे में लोक प्रचार करो. माता षष्ठी की आज्ञा के अनुसार, राजा श्मशान से चले गए. फिर कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को उन्होंने नियम पूर्वक षष्ठी माता का व्रत किया तथा उसका प्रचार भी किया. षष्ठी पूजा के प्रभाव से राजा प्रियवद को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई.

अक्षय नवमी : 18 नवम्बर, बुधवार

अक्षय नवमी पर भगवान श्रीविष्णु की पूजा से मिलेगी सुख-समृद्धि, खुशहाली

अक्षय पुण्य फल की कामना के संग मनाया जाने वाला पर्व अक्षय नवमी कार्तिक तक शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन हर्ष, उमंग एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है. अक्षय नवमी को आँवला नवमी या कुष्माण्ड नवमी के नाम से भी जाना जाता है. अक्षय नवमी जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि इस दिन किए गए पुण्य और पाप, शुभ-अशुभ समस्त कार्यों का फल अक्षय (स्थायी) हो जाता है. तीन वर्ष तक लगातार अक्षय नवमी का व्रत-उपवास एवं पूजा करने से अभीष्ट की प्राप्ति बतलाई गई है.

ज्योतिषविद् श्री विमल जैन ने बताया कि इस बार यह पर्व 18 नवम्बर, बुधवार को मनाया जायेगा. कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 17 नवम्बर, मंगलवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 6 बजकर 06 मिनट पर लगेगी, जो कि अगले दिन 18 नवम्बर, बुधवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 6 बजकर 20 मिनट तक रहेगी. शतभिषा नक्षत्र 17 नवम्बर, मंगलवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 4 बजकर 35 मिनट से 18 नवम्बर, बुधवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 6 बजकर 11 मिनट तक रहेगा, तत्पश्चात पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र लग जाएगा. अक्षय नवमी का व्रत 18 नवम्बर, बुधवार को रखा जायेगा. अक्षय नवमी के दिन व्रत रखकर भगवान श्रीलक्ष्मीनारायण-श्रीविष्णु की पूजा अर्चना तथा आँवले के वृक्ष के समीप या नीचे बैठकर भोजन करने की पौराणिक व धार्मिक मान्यता है. पूजा करने वाले का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए. व्रतकर्ता को अपने दैनिक कृत्यों से निवृत्त हो स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करना चाहिए. तत्पश्चात अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा-अर्चना के बाद अक्षय नवमी के व्रत का संकल्प लेना चाहिए. भगवान श्रीलक्ष्मीनारायण की पंचोपचार, दशोपचार या षोडशोपचार पूजा की जाती है. आज के दिन भगवान श्रीविष्णु का प्रिय मंत्र "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" का जप करने पर भगवान शीघ्र प्रसन्न होकर भक्त को उसकी अभिलाषा-पूर्त का आशीर्वाद देते हैं.

पूजा का विधान-ज्योतिषविद् श्री विमल जैन ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार इस पर्व पर आँवले के वृक्ष की पूजा से अक्षय फल (कभी न खत्म होनेवाले पुण्यफल) की प्राप्ति होती है, साथ ही सौभाग्य में अभिवृद्धि होती है. इस पर्व पर आँवले के वृक्ष की पूजा पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य आदि से की जाती है. पूजन करने के पश्चात् वृक्ष की आरती करके परिक्रमा करनी चाहिए. कुष्माण्ड (कोहड़ा) का दान भी किया जाता है. आँवले के वृक्ष के समीप या नीचे ब्राह्मण को सात्त्विक भोजन कराकर यथाशक्ति दान-दक्षिणा देकर पुण्य अर्जन करना चाहिए. कोहड़े में अपनी सामर्थ्य के अनुसार सोना, चाँदी व नगद द्रव्य रखकर भूदेव कर्मनिष्ठ ब्राह्मण को दान देने का भी विधान है. इसके अलावा अन्न, घी एवं अन्य जरूरी वस्तुओं का दान देना भी अक्षय फल की प्राप्ति कराता है. आज के दिन गोदान करने की भी महिमा है.



धार्मिक-पौराणिक मान्यता-इस दिन किए गए दान से जीवन में जाने-अनजाने में हुए समस्त पापों का शमन हो जाता है. इस दिन पितृलोक में विराजित पितरों को शीत (ठण्ड) से बचाने के लिए संकल्प करके भूदेव (ब्राह्मण) को ऊनी वस्त्र, कम्बल देने की शास्त्रीय मान्यता है. ज्योतिर्विद् श्री विमल जैन के अनुसार आँवले के पेड़ के नीचे बैठकर भोजन करने की पौराणिक व धार्मिक मान्यता है. पूजा करने वाले का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए. इसके अलावा पश्चिम दिशा की ओर मुख करके भी भोजन किया जा सकता है. इस दिन आँवले के पेड़ के नीचे बैठकर ही भोजन करने की परंपरा है. इसी वजह से इसे आँवला नवमी कहा जाता है. इस दिन आँवले के पेड़ के नीचे भोजन करने से सभी प्रकार के रोग-शोक से मुक्ति और सुख-समृद्धि की कामना से भी जोड़कर देखा जाता है. मुजफ्फरपुर के बालूघाट रोड स्थित जानकी मठ से जुड़े आचार्य डॉ. रंजीत नारायण तिवारी कहते हैं कि छठ पूजा में अर्घ्य के दौरान फलों को अर्पित करने के पीछे गहरी धार्मिक मान्यता है. फल भगवान को समर्पित करने का अर्थ केवल पूजा सामग्री चढ़ाना नहीं, बल्कि अपनी श्रद्धा और मनोकामनाओं को उनके चरणों में अर्पित करना है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, फल अर्पित करने से मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं. सेब को लेकर भी कई मान्यताएं हैं. इसे शुभ फल से जोड़ा जाता है. इसे रोग-शोक से मुक्ति और सुख-समृद्धि की कामना से भी जोड़कर देखा जाता है. इसलिए छठ पूजा में अर्घ्य के दौरान फलों को अर्पित करने के पीछे गहरी धार्मिक मान्यता है. फल भगवान को समर्पित करने का अर्थ केवल पूजा सामग्री चढ़ाना नहीं, बल्कि अपनी श्रद्धा और मनोकामनाओं को उनके चरणों में अर्पित करना है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, फल अर्पित करने से मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं. केले के घौंद के बिना प्रसाद अधूरा: छठ पूजा के प्रसाद में केले का विशेष स्थान है. आमतौर पर व्रती अर्घ्य के लिए सूप में केले का पूरा घौंद यानी गुच्छा रखते हैं. इसे काटकर या अलग-अलग करके चढ़ाने के बजाय साबुत रूप में अर्पित करने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, केला समृद्धि, वंश वृद्धि और पूर्णता का प्रतीक है. केले के पौधे की विशेषता है कि एक पौधे से कई नए पौधे तैयार होते हैं और इसका विस्तार लगातार होता रहता है. इसी प्राकृतिक स्वरूप को वंश वृद्धि और परिवार की उन्नति से जोड़कर देखा जाता है.

केला: धार्मिक मान्यताओं में केले के पौधे में भगवान विष्णु का वास माना जाता है. इसलिए पूजा-पाठ में भी केले का विशेष महत्व है. छठ के अर्घ्य में केले का पूरा घौंद अर्पित करने के पीछे पूर्णता और परिवार की खुशहाली की कामना का भाव जुड़ा हुआ है.

नारियल: पवित्रता और समर्पण का प्रतीक: छठ पूजा के सूप में नारियल का भी विशेष स्थान है. धार्मिक परंपराओं में नारियल को श्रीफल कहा गया है, जो देवी लक्ष्मी को अत्यंत प्रिय है. नारियल को शुभता और समर्पण का प्रतीक माना जाता है. पूजा में इसे भगवान को अर्पित करना शुभ माना जाता है. नारियल का कठोर बाहरी आवरण और अंदर का स्वच्छ भाग भी आध्यात्मिक रूप से पवित्रता और समर्पण के भाव से जोड़ा जाता है. सेब और मौसमी फलों का प्रसाद में केले का विशेष स्थान है. आमतौर पर छठ पूजा में सूर्यदेव और छठी मईया की उपासना का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, शुद्धता, समर्पण और सनातन परंपराओं का भी प्रतीक है. चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में व्रती पूरी निष्ठा और पवित्रता के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं. इस दौरान सूप और उडरा में सजाए जाने वाले फल, फूल और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों का विशेष महत्व होता है. छठ पूजा में चढ़ाए जाने वाले प्रत्येक फल के पीछे धार्मिक मान्यता और आध्यात्मिक संदेश छिपा है.

छठ में फलों का विशेष महत्व: मान्यता है कि भगवान को फल अर्पित करने से मनुष्य की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, फल अर्पित करने का संबंध मनुष्य की इच्छाओं की पूर्ति और जीवन में संकारात्मकता से जुड़ा हुआ है। इस संदर्भ में एक श्लोक भी प्रचलित है, फलेन फलितं सर्वं त्रैलोक्यं सचराचरम. तस्मात् फलप्रदानेन पूर्णा: संति मनोरथा:

इसका भावार्थ है कि भगवान को फल अर्पित करने से मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं. धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान को फल समर्पित करना अपनी श्रद्धा, संकल्प और प्रकृति से प्राप्त उपहारों को ईश्वर के चरणों में अर्पित करने का भाव है. इसे रोग-शोक से मुक्ति और सुख-समृद्धि की कामना से भी जोड़कर देखा जाता है. मुजफ्फरपुर के बालूघाट रोड स्थित जानकी मठ से जुड़े आचार्य डॉ. रंजीत नारायण तिवारी कहते हैं कि छठ पूजा में अर्घ्य के दौरान फलों को अर्पित करने के पीछे गहरी धार्मिक मान्यता है. फल भगवान को समर्पित करने का अर्थ केवल पूजा सामग्री चढ़ाना नहीं, बल्कि अपनी श्रद्धा और मनोकामनाओं को उनके चरणों में अर्पित करना है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, फल अर्पित करने से मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं. केले के घौंद के बिना प्रसाद अधूरा: छठ पूजा के प्रसाद में केले का विशेष स्थान है. आमतौर पर व्रती अर्घ्य के लिए सूप में केले का पूरा घौंद यानी गुच्छा रखते हैं. इसे काटकर या अलग-अलग करके चढ़ाने के बजाय साबुत रूप में अर्पित करने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, केला समृद्धि, वंश वृद्धि और पूर्णता का प्रतीक है. केले के पौधे की विशेषता है कि एक पौधे से कई नए पौधे तैयार होते हैं और इसका विस्तार लगातार होता रहता है. इसी प्राकृतिक स्वरूप को वंश वृद्धि और परिवार की उन्नति से जोड़कर देखा जाता है.

केला: धार्मिक मान्यताओं में केले के पौधे में भगवान विष्णु का वास माना जाता है. इसलिए पूजा-पाठ में भी केले का विशेष महत्व है. छठ के अर्घ्य में केले का पूरा घौंद अर्पित करने के पीछे पूर्णता और परिवार की खुशहाली की कामना का भाव जुड़ा हुआ है.

नारियल: पवित्रता और समर्पण का प्रतीक: छठ पूजा के सूप में नारियल का भी विशेष स्थान है. धार्मिक परंपराओं में नारियल को श्रीफल कहा गया है, जो देवी लक्ष्मी को अत्यंत प्रिय है. नारियल को शुभता और समर्पण का प्रतीक माना जाता है. पूजा में इसे भगवान को अर्पित करना शुभ माना जाता है. नारियल का कठोर बाहरी आवरण और अंदर का स्वच्छ भाग भी आध्यात्मिक रूप से पवित्रता और समर्पण के भाव से जोड़ा जाता है. सेब और मौसमी फलों का प्रसाद में केले का विशेष स्थान है. आमतौर पर व्रती अर्घ्य के लिए सूप में केले का पूरा घौंद यानी गुच्छा रखते हैं. इसे काटकर या अलग-अलग करके चढ़ाने के बजाय साबुत रूप में अर्पित करने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, केला समृद्धि, वंश वृद्धि और पूर्णता का प्रतीक है. केले के पौधे की विशेषता है कि एक पौधे से कई नए पौधे तैयार होते हैं और इसका विस्तार लगातार होता रहता है. इसी प्राकृतिक स्वरूप को वंश वृद्धि और परिवार की उन्नति से जोड़कर देखा जाता है.

केला, नारियल, गन्ना.. छठी मईया के दउरा में सजने वाले हर फल के पीछे छिपी है आस्था और परंपरा



लोक आस्था का महापर्व छठ केवल सूर्यदेव और छठी मईया की उपासना का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, शुद्धता, समर्पण और सनातन परंपराओं का भी प्रतीक है. चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में व्रती पूरी निष्ठा और पवित्रता के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं. इस दौरान सूप और उडरा में सजाए जाने वाले फल, फूल और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों का विशेष महत्व होता है. छठ पूजा में चढ़ाए जाने वाले प्रत्येक फल के पीछे धार्मिक मान्यता और आध्यात्मिक संदेश छिपा है.

छठ में फलों का विशेष महत्व: मान्यता है कि भगवान को फल अर्पित करने से मनुष्य की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, फल अर्पित करने का संबंध मनुष्य की इच्छाओं की पूर्ति और जीवन में संकारात्मकता से जुड़ा हुआ है। इस संदर्भ में एक श्लोक भी प्रचलित है, फलेन फलितं सर्वं त्रैलोक्यं सचराचरम. तस्मात् फलप्रदानेन पूर्णा: संति मनोरथा:

इसका भावार्थ है कि भगवान को फल अर्पित करने से मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं. धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान को फल समर्पित करना अपनी श्रद्धा, संकल्प और प्रकृति से प्राप्त उपहारों को ईश्वर के चरणों में अर्पित करने का भाव है. इसे रोग-शोक से मुक्ति और सुख-समृद्धि की कामना से भी जोड़कर देखा जाता है. मुजफ्फरपुर के बालूघाट रोड जानकी मठ से जुड़े आचार्य डॉ. रंजीत नारायण तिवारी कहते हैं कि छठ पूजा में अर्घ्य के दौरान फलों को अर्पित करने के पीछे गहरी धार्मिक मान्यता है. फल भगवान को समर्पित करने का अर्थ केवल पूजा सामग्री चढ़ाना नहीं, बल्कि अपनी श्रद्धा और मनोकामनाओं को उनके चरणों में अर्पित करना है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, फल अर्पित करने से मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं. केले के घौंद के बिना प्रसाद अधूरा: छठ पूजा के प्रसाद में केले का विशेष स्थान है. आमतौर पर व्रती अर्घ्य के लिए सूप में केले का पूरा घौंद यानी गुच्छा रखते हैं. इसे काटकर या अलग-अलग करके चढ़ाने के बजाय साबुत रूप में अर्पित करने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, केला समृद्धि, वंश वृद्धि और पूर्णता का प्रतीक है. केले के पौधे की विशेषता है कि एक पौधे से कई नए पौधे तैयार होते हैं और इसका विस्तार लगातार होता रहता है. इसी प्राकृतिक स्वरूप को वंश वृद्धि और परिवार की उन्नति से जोड़कर देखा जाता है.

केला: धार्मिक मान्यताओं में केले के पौधे में भगवान विष्णु का वास माना जाता है. इसलिए पूजा-पाठ में भी केले का विशेष महत्व है. छठ के अर्घ्य में केले का पूरा घौंद अर्पित करने के पीछे पूर्णता और परिवार की खुशहाली की कामना का भाव जुड़ा हुआ है.

नारियल: पवित्रता और समर्पण का प्रतीक: छठ पूजा के सूप में नारियल का भी विशेष स्थान है. धार्मिक परंपराओं में नारियल को श्रीफल कहा गया है, जो देवी लक्ष्मी को अत्यंत प्रिय है. नारियल को शुभता और समर्पण का प्रतीक माना जाता है. पूजा में इसे भगवान को अर्पित करना शुभ माना जाता है. नारियल का कठोर बाहरी आवरण और अंदर का स्वच्छ भाग भी आध्यात्मिक रूप से पवित्रता और समर्पण के भाव से जोड़ा जाता है. सेब और मौसमी फलों का प्रसाद में केले का विशेष स्थान है. आमतौर पर व्रती अर्घ्य के लिए सूप में केले का पूरा घौंद यानी गुच्छा रखते हैं. इसे काटकर या अलग-अलग करके चढ़ाने के बजाय साबुत रूप में अर्पित करने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, केला समृद्धि, वंश वृद्धि और पूर्णता का प्रतीक है. केले के पौधे की विशेषता है कि एक पौधे से कई नए पौधे तैयार होते हैं और इसका विस्तार लगातार होता रहता है. इसी प्राकृतिक स्वरूप को वंश वृद्धि और परिवार की उन्नति से जोड़कर देखा जाता है.

केला: धार्मिक मान्यताओं में केले के पौधे में भगवान विष्णु का वास माना जाता है. इसलिए पूजा

पनीर की सब्जी तो कई बार खाई होगी बनाएं पनीर का कोफ्ता, सब करेंगे तारीफ



पनीर की सब्जी तो कई बार खाई होगी. शाही पनीर, मटर पनीर, कड़ाही पनीर, पनीर दो प्याजा, हरियाली पनीर और पनीर की कई वैराइटी आपने ट्राई की होगी. लेकिन इस बार कुछ हटके बनाना है तो पनीर के कोफ्ते ट्राई करें. ये बनाना आसान तो है लेकिन साथ ही इसका टेस्ट भी लाजवाब होगा. तो एक जैसी पनीर की सब्जी बनाकर बोर हो चुके हैं तो इस बार ट्राई करें पनीर के कोफ्ते. इन कोफ्तों को बनाना आसान है, बस फटाफट से नोट कर लें आसान सी रेसिपी.



NEETI SODHANI
from - A to Z Cooking

पनीर का कोफ्ता बनाने की सामग्रीः 500 ग्राम पनीर, एक चौथाई कप कुटे हुए बादाम, आधा चम्मच हल्दी पाउडर, 4 लाल मिर्च, एक चम्मच नमक, दो चम्मच धनिया पाउडर, तेल, एक चम्मच सूखी लाल मिर्च पाउडर, दो चम्मच फ्रेश क्रीम, ढ़ सौ ग्राम दही, आधा कप टमाटर की प्यूरी, एक चम्मच लहसुन अदरक का पेस्ट, दो काली इलायची, एक चम्चम अदरक का पेस्ट, एक चम्मच कॉर्न फ्लोर, दो प्याज, ढाई कप पानी, धनिया की पत्तियां

पनीर का कोफ्ता बनाने के तरीकेः सबसे पहले पनीर का कोफ्ता बनाएं. इसे बनाने के लिए कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें. जब तेल गर्म हो जाए तो घिसे हुए पनीर को लेकर उसे बड़े बाउल में रख लें और नमक, कॉर्न फ्लोर मिक्स करें. साथ ही लाल मिर्च पाउडर डालकर सारी चीजों को मिक्स करें. अब इसके छोटे बॉल्स तैयार करें और बादाम के पाउडर की कोटिंग करें. कड़ाही में तेल गर्म हो जाएं तो तैयार बॉल्स को गोल्डन ब्राउन करके प्लेट में निकाल लें. अब ग्रेवी बनाने के लिए उसी कड़ाही में दो से तीन चम्मच डालें. गर्म हो जाने पर सूखी लाल मिर्च और बड़ी इलायची डालें.

बारीक कटे हुए प्याज को डालें और भून लें. साथ गैस की फ्लेम को धीमा करके हल्दी पाउडर डालें. साथ में लाल मिर्च पाउडर, नमक, अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें. मसाले जले नहीं इसलिए एक कप पानी डाल दें. धीमी आंच पर थोड़ी देर पकने दें और टमाटर का पेस्ट डाल दें. जब टमाटर का पेस्ट भुन जाए और तेल छोड़ दे तो फिर दही को अच्छी तरह से फेंट करके डालें.

अब सारे मसाले को अच्छी तरह से भुन जाने दें. इसमे धनिया पाउडर और कसूरी मेथी डालकर भूनें. जब सारे मसाले भुन जाएं तो गर्म मसाला डालें और एक से दो कप पानी डालकर अच्छी तरह से मसालों को पका लें. ग्रेवी गाढ़ी ही रखें और फ्राईड पनीर के बॉल्स को ग्रेवी में डाल दें.ऊपर से थोड़ी सी फ्रेश क्रीम और धनिया की पत्ती डालकर सजाएं. बटर नान या लच्छा पराठा के साथ सर्व करें.

कानून और समाज की दृष्टि का फ़र्क़

समाज में शांति रहे , रीति रिवाजों और संस्कारों का अच्छी तरह से पालन हो , लोगों में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहे , आदि आदि के लिये ही कानून बनाया गया है . कानून का काम ही है, समाज के हितों की रक्षा करना . सदियों से यह व्यवस्था चली आ रही है . किंतु यह पाया गया है कि कभी कानून के लिये समाज को बदलना पड़ता है और कभी समाज के लिये क़ानून बदलना पड़ता है . भारत में ऐसे भी क़ानून है जिन्हें समाज नहीं मानता है और ऐसे भी सामाजिक तरीक़े , रीति रिवाज हैं जिन्हें क़ानून में मान्यता नहीं है .

1956 तक हिंदुओं में दो शादी करने का क़ानूनी अधिकार था . किंतु समाज में दो विवाह नगण्य थे . परोक्ष रूप से हम यह कह सकते हैं कि लोगों को दो विवाह की परिपाटी पसंद नहीं थी और इसीलिए इस क़ानून का विरोध भी नहीं हुआ .दहेज प्रथा को क़ानून ग़ैर क़ानूनी मानता है और दहेज के लेन देन करने वालों को सजा का प्रावधान क़ानून में है . कुछ कतिपय लोगों को छोड़कर समाज के सभी वर्ग के लोग, धनी ग़रीब, शिक्षित अशिक्षित, जवान बुड्ढे आदि दहेज का लेन देन करते हैं. यधपी यह क़ानून सही है किंतु सदियों से चले आ रहे इन परिपाटियों से कोई भी समाज उबर कर ऊपर नहीं आ रहा है . न तो क़ानून इतना कड़ा है कि लोग दहेज प्रथा को त्याग दें और न समाज के लोग भी बहुत कड़ाई से इसका विरोध कर क़ानून का समर्थन कर रहे हैं .बाल श्रम क़ानूनी रूप से ग़लत है परंतु घरों में, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों आदि में बाल श्रम का बहुतायत से चलन है. समाज इस क़ानून को नहीं मानता है . यदि मानने लगे तो कितने घरों में चूल्हे जलने बंद हो जायेंगें, दवा दारू के बिना लोग मर जायेंगें . क़ानून और समाज के दृष्टिकोण में बाल श्रम के संबंध में बहुत फ़र्क़ है .

क़ानून के अनुसार किसी भी हिंदू पिता के जीवन काल में ही बच्चे अक्सर अपने हिस्से के लिये पिता से लड़ लेते हैं किंतु क़ानून क़ानून के अनुसार बच्चों का पिता की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं है . साधारणतया पिता ऐसी स्थति में अपनी संपत्ति का बँटवारा अपने जीवन काल में ही कर देता है, जबकि कानूनन यह जरूरी नहीं है . सामाजिक व्यवस्था भी इन बँटवारों को सही मानती है .घूस लेना और देना दोनों अपराध की श्रेणी में आते हैं , यह क़ानून कहता है . किंतु समाज का लगभग हर व्यक्ति घूस देता है और घूस लेने वाला व्यक्ति घूस को अपना अधिकार मानता है . क़ानून के निर्माता, क़ानून की रक्षा करने वाले लोग और न्याय करने वाले प्रायः सभी घूसे लेते हैं . यह एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है जिसके विरोध में कितना ही कड़ा क़ानून क्यों न बन जाये , यह व्यवस्था चलती रहेगी .

तीन तलाक एक ऐसी धार्मिक व्यवस्था थी जिसे मुस्लिम समाज मानता था . इसमें पति एक ही बैठक में तीन बार तलाक बोलकर या लिखकर विवाह समाप्त करने की घोषणा करता था.



पारस कोचर
एडवोकेट
pkincometaxparaskochar.com

युवा शक्ति चुभती बात

इन दिनों सामाजिक व्यवस्था कमजोर हो रही है क्योंकि समाज में लोगों में आपसी सामंजस्य और प्रेम कम हो रहा है जबकि क़ानून की पकड़ और मजबूत होती जा रही है. क़ानून बनाने और पालन कराने वालों को समाज की कमियों को ध्यान में रखते हुए ही क़ानून बनाना चाहिये और समाज को भी क़ानून को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था में उचित बदलाव करना चाहिये .

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद संसद ने मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 बनाया.

इस क़ानून से तीन तलाक की व्यवस्था समाप्त कर दी गई . इस तरह सामाजिक व्यवस्था को क़ानून से ही समाप्त किया जाता है .कर वंचना क़ानूनी अपराध है. किंतु अधिकांश कर दाता कर वंचना को अपना अधिकार मानते हैं. समाज भी कर की चोरी करने वालों को चोर नहीं समझते हैं . कर के लिये किसी भी विभाग का यदि छापा पड़ता है तो समाज में लोग बुरा नहीं समझते है जबकि कानून तो कर चोरी को बुरा मानता है.

यधपी प्रेम विवाह , विजातीय विवाह को आज के युग में उतना बुरा नहीं मानते हैं जितना एक समय में मानते थे . किंतु कानून इसे कभी ग़ैर क़ानूनी नहीं मानता था . अतः समाज और क़ानून का दृष्टिकोण इस मामले में भी सर्वथा भिन्न है .

इस जमाने में सबसे ज़्यादा चर्चित है लिव इन रिलेशन . यानी कि विवाहित या अविवाहित पुरुष और महिला बिना विवाह किये , बिना तलाक दिये एक साथ रह सकते हैं . समाज इस रिश्ते को अवैध मानता है और ऐसे व्यक्तियों को अपराधी की नजर से देखता है . यद्यपि लिव इन रिलेशन पर कोई कानून नहीं बना है किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने इस रिश्ते को वैध ठहराया है . क़ानून चाहे इन रिश्तों को सही मानता हो किंतु समाज नहीं . हो सकता है कि कुछ सालों बाद समाज भी इन रिश्तों को मान्यता प्रदान कर दे .सामाजिक व्यवस्था वर्षों से चली आ रही है किंतु इसमें भी देश काल परिस्थितियों के अनुसार आमूल परिवर्तन हुआ है . कुछ सामाजिक नियम कायदे कानून के कारण परिवर्तित किये जाते हैं. कानून में भी समय समय पर देश काल और परिस्थिति के अनुसार अमूल परिवर्तन होते हैं . सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही कानून में परिवर्तन किया जाता है .

दहेज प्रथा कानून से इसलिये रोकी गई क्योंकि समाज में बेटी वालों की प्रताड़ना होने लगीं. दहेज को व्यापार बना लिया गया . तीन तलाक इस लिए कानून बना कर रोका गया क्योंकि इस धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था के कारण महिलाओं की दयनीय स्थिति थी .इस प्रकार क़ानून और समाज के भिन्न भिन्न दृष्टिकोण है . कहीं क़ानून के दृष्टिकोणों से सामाजिक व्यवस्था बदलनी पड़ती है तो कहीं सामाजिक व्यवस्था की दुरस्त करने के लिये क़ानून बदला जाता है. इन दिनों सामाजिक व्यवस्था कमजोर हो रही है क्योंकि समाज में लोगों में आपसी सामंजस्य और प्रेम कम हो रहा है जबकि क़ानून की पकड़ और मजबूत होती जा रही है. क़ानून बनाने और पालन कराने वालों को समाज की कमियों को ध्यान में रखते हुए ही क़ानून बनाना चाहिये और समाज को भी क़ानून को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था में उचित बदलाव करना चाहिये . समाज और क़ानून की दृष्टि में फ़र्क़ रहेगा यद्यपि समय समय पर होने वाला परिवर्तन दोनों की दृष्टियों में फ़र्क़ को मिटा रहा है.

बच्चों में दिखें ये लक्षण तो हो जाएं सावधान

बचपन में सही पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधि और समय पर पहचान से भविष्य की हड्डियों व जोड़ों से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मिल सकती है मदद. बच्चों का स्वस्थ विकास केवल उनकी लंबाई और वजन बढऩे तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी हड्डियों, मांसपेशियों और जोड़ों का सही विकास भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है. बचपन में हड्डियों का मजबूत होना आगे चलकर बेहतर शारीरिक क्षमता और स्वस्थ जीवन की नींव रखता है. हालांकि, कई बार माता-पिता बच्चों के पैरों में दर्द, चलते समय लंगड़ाने, बार-बार गिरने या शारीरिक गतिविधियों से बचने जैसे लक्षणों को सामान्य विकास का हिस्सा मानकर नजरअंदाज कर देते हैं. हैल्थ विशेषज्ञ बच्चों में हड्डियों और जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और शुरुआती लक्षणों को गंभीरता से लेने की सलाह देते हैं.



बच्चों में हड्डियों का विकास क्यों है महत्त्वपूर्णः बचपन और किशोरावस्था हड्डियों के निर्माण और मजबूती के महत्त्वपूर्ण चरण होते हैं. इस दौरान शरीर में हड्डियों का विकास तेजी से होता है. पर्याप्त कैल्शियम, विटामिन डी, प्रोटीन और संतुलित आहार हड्डियों को मजबूत बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. इसके साथ ही, दौड़ना, खेलना, कूदना और उम्र के अनुरूप अन्य शारीरिक गतिविधियां हड्डियों और मांसपेशियों के स्वस्थ विकास में मदद करती हैं. बच्चों के शारीरिक विकास के दौरान उनकी हड्डियों और जोड़ों की सेहत पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है. सही पोषण, पर्याप्त धूप के सुरक्षित संपर्क, नियमित खेलकूद और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के माध्यम से हड्डियों के बेहतर विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है.

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाजः बच्चों में हड्डियों और जोड़ों से संबंधित समस्याएं कई रूपों में सामने आ सकती हैं. लगातार दर्द, जोड़ों में सूजन, चलने में परेशानी, लंगड़ाना, हाथ-पैरों की गतिविधियों में कमी या किसी अंग के आकार अथवा बनावट में असामान्यता ऐसे संकेत हैं, जिन पर माता-पिता को ध्यान देना चाहिए. यदि बच्चा किसी विशेष गतिविधि से बार-बार बचता है या पहले की तुलना में कम सक्रिय हो गया है, तो इसके पीछे दर्द या शारीरिक परेशानी भी कारण हो सकती है. हालांकि, हर बार पैरों में दर्द किसी गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होता. लेकिन लगातार बने रहने वाले दर्द, एक ही जगह पर दर्द, सूजन या चलने में परेशानी होने पर डाक्टर से परामर्श लेना जरूरी है. यदि बच्चा अचानक चलने में असमर्थ हो जाए, उसे तेज दर्द हो या जोड़ों में सूजन के साथ बुखार आए, तो तत्काल चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए.

सही पोषण से मजबूत बनेंगी हड्डियांः बच्चों की हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए उनके आहार में दूध, दही, पनीर, रागी, तिल, दालें और अन्य पोषक खाद्य पदार्थ शामिल किए जा सकते हैं. विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है, इसलिए इसकी पर्याप्त मात्रा भी जरूरी है. बच्चों में विटामिन डी या कैल्शियम की कमी की आशंका होने पर डाक्टर की सलाह से जांच और आवश्यक उपचार कराया जाना चाहिए. बिना चिकित्सकीय सलाह के सप्लीमेंट देना उचित नहीं है. इसके अलावा, बच्चों को लंबे समय तक मोबाइल, टेलीविजन या अन्य स्क्रीन के सामने बैठने के बजाय सक्रिय खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए. उम्र के अनुसार नियमित शारीरिक गतिविधि से मांसपेशियां मजबूत होती हैं, शरीर का संतुलन बेहतर होता है और हड्डियों के विकास को सहारा मिलता है.

बढ़ती उम्र के साथ सही निगरानीः बच्चों में कुछ अस्थि एवं जोड़ संबंधी समस्याएं जन्म से मौजूद हो सकती हैं, जबकि कुछ विकास के दौरान सामने आती हैं. पैरों का असामान्य रूप से मुडऩा, चाल में बदलाव, पैरों की लंबाई में स्पष्ट अंतर या शारीरिक विकास में असामान्यता दिखने पर विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए. इसी तरह खेलकूद के दौरान लगी चोट को केवल सामान्य दर्द समझकर लंबे समय तक टालना भी उचित नहीं है.

ऐसे पाएं स्लिप डिस्क की समस्या से निजात

आजकल कई लोगों को असहनीय कमर दर्द की शिकायत रहती है. घंटों गलत पोस्चर में बैठकर काम करने के कारण भी कमर दर्द हो सकती है. जिसकी वजह से उठने-बैठने में बहुत अधिक तकलीफ होती है. गृहणी हों या कामकाजी पुरुष और महिला, किसी को भी कमर दर्द की शिकायत हो सकती है. इसे स्लिप डिस्क की समस्या कहते हैं. स्लिप डिस्क रीढ़ की हड्डी में होने वाली मेडिकल स्थिति है, जो सामान्यत: हड्डियों में खराबी या चोट लगने से भी हो सकती है.

आजकल युवाओं में स्लिप डिस्क की शिकायत बढ़ रही है. भारत में स्लिप डिस्क की समस्या अब काफी ज्यादा बढ़ गई है. करीब 80 प्रतिशत युवा इस बीमारी से जूझ रहे हैं. अगर आप रोजाना ये योगासन करते हैं, तो स्लिप डिस्क की समस्या से छुटकारा मिल सकता है.

शवासनः यह योग मन को शांत, तनाव और चिंता को कम करता है. जब आप आसन करते हैं, तब आखिरी में शवासन किया जाता है. इस आसन से शरीर की बाहरी और आंतरिक ऊर्जा हील होती है.

भुजंगासनः स्लिप डिस्क की समस्या से आराम पाना है, तो आप हर दिन भुजंगासन का अभ्यास कर सकते हैं. इस आसान में शरीर फन उठाए सांप के आकार में होता है. इससे रीढ़ की ऊपरी हड्डियों पर सकारात्मक दबाव पड़ता है और उन्हें आराम मिलता है.

शलभासनः स्लिप डिस्क में शलभासन काफी असरदार होता है. पेट के बल जमीन पर लेटकर रीढ़ की हड्डी को इस आसन में मोड़ा जाता है. इसका असर कुछ ही दिनों में दिखना शुरू हो जाता है और कमर दर्द से आराम मिलता है. शलभासन में शरीर टिड्डे के आकार में होता है.

उष्ट्रासनः रोजाना उष्ट्रासन करने से रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याएं दूर हो सकती हैं. इस आसन में शरीर ऊंट की मुद्रा में रहता है. इसमें शरीर को पीछे की तरफ झुकाया जाता है. जिससे रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक दबाव बनता है और उससे जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं. योगासन के साथ-साथ यहां ध्यान रखने वाली बात ये है कि ज्यादा वजन नहीं उठाना चाहिए. ज्यादा आगे नहीं झुकना चाहिए. बैठने का पोस्चर सीधा होना चाहिए. रीढ़ की हड्डी सीधी होनी चाहिए. अपने सोने की स्थिति का भी आपको खास ध्यान रखना चाहिए. चिंता, तनाव से वात रोग बढ़ता है और कई प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं. इसलिए चिंता से मुक्त रहें.

फायदेमंद है पोई का साग

हरी पत्तेदार सब्जियां सेहतमंद खान-पान का अहम हिस्सा हैं. पालक और मेथी के अलावा पोई का साग भी पोषण के लिहाज से एक अच्छा विकल्प माना जाता है. इसे मालाबार पालक के नाम से भी जाना जाता है. इसकी पत्तियां मोटी, मुलायम और हल्की चिकनी होती हैं. पोई के साग का इस्तेमाल कई पारंपरिक व्यंजनों में किया जाता है. इसमें फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट यौगिक पाए जाते हैं, जो शरीर के सामान्य कामकाज में भूमिका निभाते हैं. आइए जानते हैं पोई का साग खाने से सेहत को क्या फायदे मिल सकते हैं.



पाचन तंत्र के लिए फायदेमंदः पोई के साग में डाइटरी फाइबर पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को सामान्य रूप से काम करने में मदद करता है. पर्याप्त फाइबर लेने से मल त्याग नियमित रखने और कब्ज की परेशानी से राहत पाने में मदद मिल सकती है. इसके अलावा, फाइबर युक्त सब्जियां पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में भी सहायक हो सकती हैं. हालांकि, पाचन को बेहतर बनाए रखने के लिए पर्याप्त पानी पीना और संतुलित आहार लेना भी जरूरी है.

शरीर को मिलते हैं जरूरी पोषक तत्त्वः पोई का साग विटामिन, खनिज और अन्य जैव सक्रिय यौगिकों का स्रोत है. इसमें कैल्शियम, आयरन और मैगनीशियम जैसे खनिज पाए जाते हैं, जो शरीर के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी हैं. संतुलित भोजन में इस हरी सब्जी को शामिल करने से पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल सकती है. हालांकि, इसमें पोषक तत्त्वों की मात्रा साग की किस्म और उसे उगाने की परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग हो सकती है.

हड्डियों के लिए उपयोगीः पोई के साग में मौजूद कैल्शियम और मैगनीशियम हड्डियों और मांसपेशियों के सामान्य कामकाज में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. इसलिए इसे हड्डियों की सेहत का ध्यान रखने वाली संतुलित डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है. हालांकि, सिर्फ पोई का साग खाने से हड्डियां मजबूत होने या आस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाव की गारंटी नहीं मिलती. हड्डियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त कैल्शियम, विटामिन डी और नियमित शारीरिक गतिविधि भी जरूरी है.

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूरः पोई के साग में कैरोटिनॉयड और अन्य एंटीऑक्सीडेंट यौगिक पाए जाते हैं. ये यौगिक शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाव करने वाली प्रक्रियाओं में भूमिका निभाते हैं. हरी पत्तेदार सब्जियों को नियमित रूप से खाने से संतुलित आहार की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है. हालांकि, पोई का साग किसी बीमारी का इलाज नहीं है और इसे खाने से गंभीर बीमारियों से बचाव की गारंटी नहीं दी जा सकती.

डाइट के लिए अच्छा विकल्पः पोई का साग पानी से भरपूर और अपेक्षाकृत कम कैलोरी वाली पत्तेदार सब्जी है. जो लोग अपने रोजाना के भोजन में सब्जियों की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए यह अच्छा विकल्प हो सकता है. इसे दाल, लहसुन और हल्के मसालों के साथ पकाकर रोटी या चावल के साथ खाया जा सकता है. वजन को संतुलित रखने के लिए इसे संतुलित भोजन का हिस्सा बनाएं और पकाते समय तेल तथा नमक की मात्रा का ध्यान रखें.

बाल धोने के बाद भी स्कैल्प

बाल धोने के बाद भी अगर स्कैल्प बार-बार ऑयली और चिपचिपी रहती है, तो इससे बाल जल्दी गंदे और चिपके हुए नजर आ सकते हैं. कुछ लोगों को स्कैल्प पर छोटे-छोटे दाने या जलन भी महसूस हो सकती है. इसके अलावा, लगातार ऑयली रहने से बालों में वॉल्यूम कम दिखाई देता है और हेयरस्टाइल भी जल्दी खराब हो जाती है

बाल धोने के बाद कुछ समय तक तो स्कैल्प एकदम साफ और फ्रेश लगती है, लेकिन कुछ ही घंटों बाद बालों की जड़ें फिर से चिपचिपी और ऑयली नजर आने लगती हैं. कई लोगों के साथ ऐसा होता है कि सुबह शैम्पू करने के बाद शाम तक बाल ऐसे दिखने लगते हैं, जैसे कई दिनों से धोए ही नहीं हों, अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो जरूरी नहीं कि इसकी वजह सिर्फ आपकी ऑयली स्कैल्प हो. कई बार हम बाल धोते समय या बालों की देखभाल करते हुए, ऐसी ही छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जो स्कैल्प को जल्दी ऑयली बना सकती हैं, तो इन गलतियों पर आपको जरूर ध्यान देना चाहिए.

शैम्पू को सीधे स्कैल्प पर लगानाः कई लोग शैम्पू को बिना पानी में थोड़ा फैलाए सीधे सिर पर डालकर जोर-जोर से रगडऩे लगते हैं. इससे स्कैल्प पर जरूरत से ज्यादा शैम्पू लग सकता है और सफाई भी सही तरीके से नहीं होती.

बेहतर है कि शैम्पू को हथेली पर लेकर थोड़ा पानी मिलाएं और फिर अंगुलियों की मदद से स्कैल्प पर हल्के हाथों से लगाएं. नाखूनों से स्कैल्प को रगडऩे से बचें.

बालों को ठीक से रिंस न करनाः शैम्पू करने के बाद अगर बालों और स्कैल्प से प्रोडक्ट अच्छी तरह साफ नहीं होता, तो उसके अवशेष जमा हो सकते हैं. इससे बाल जल्दी चिपचिपे नजर आ सकते हैं. इसलिए शैम्पू के बाद पर्याप्त पानी से स्कैल्प को अच्छी तरह रिंस करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई झाग या प्रोडक्ट बाकी न रहे.

बहुत ज्यादा तेल लगानाः बालों में तेल लगाना गलत नहीं है,लेकिन जरूरत से ज्यादा तेल लगाने से उसे साफ करने के लिए बार-बार शैम्पू करना पड़ सकता है. अगर आपकी स्कैल्प पहले से ऑयली है, तो बहुत ज्यादा तेल लगाने की जरूरत नहीं है. हल्की मात्रा में तेल लगाएं और उसे लंबे समय तक स्कैल्प पर छोडऩे से भी बचें, खासकर अगर इससे आपको चिपचिपाहट या खुजली महसूस होती है.



बार-बार बालों को छूनाः क्या आपको बालों में बार-बार हाथ लगाने की आदत है? हाथों पर मौजूद तेल और गंदगी बालों और स्कैल्प तक पहुंच सकती है. इससे बाल जल्दी ऑयली दिखाई देने लगते हैं. इसलिए बिना जरूरत बार-बार बालों और स्कैल्प को छूने से बचें.

गंदा हेयरब्रश या तकिया इस्तेमाल करनाः आप कितनी भी अच्छी तरह से बाल धो लें, लेकिन अगर आपका हेयरब्रश, कंघी या तकिया साफ नहीं है, तो बाल दोबारा जल्दी गंदे हो सकते हैं. हेयरब्रश में जमा तेल, धूल और पुराने हेयर प्रोडक्ट बालों में वापस जा सकते हैं. इसलिए कंघी और ब्रश को नियमित रूप से साफ करें और तकिए का कवर भी समय-समय पर बदलते रहें.

इन बातों का जरूर ध्यान रखेंः अगर स्कैल्प बहुत ज्यादा ऑयली रहती है, साथ में लगातार खुजली, लालिमा, पपड़ी या बाल झडऩे जैसी समस्या भी है, तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर रहेगा. बाल धोने के बाद भी अगर स्कैल्प बार-बार ऑयली और चिपचिपी रहती है, तो इससे बाल जल्दी गंदे और चिपके हुए नजर आ सकते हैं. कुछ लोगों को स्कैल्प पर छोटे-छोटे दाने या जलन भी महसूस हो सकती है. इसलिए समस्या का समाधान जरूरी है.

युवा शक्ति माथापच्ची- 42

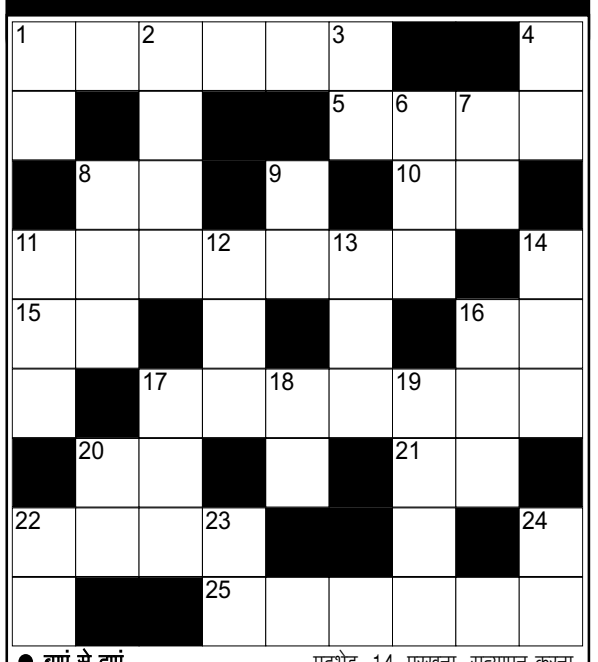

● बाएं से दाएं

1. भेद खुलना, पता चलना, 5. खाना, निगलना, हडपना, 8. एक अंक की संख्या, 10. गधा, कडा, हानिकारक, 11. जल्दी लिखना, 15. गरदन, ढरकी, नाल, स्त्री, 16. नाटक खेलने का स्थान, भाषण, देने का स्थल, 17. तंग करना, किसी के बल पर कुदना, 20. वश, अधिकार, अभियोग, 21. आदर, सम्मान, मूल्य, रुठना, 22. गायब, लुप्त, 25. संपन्न, होना, धनी बनना,

● उपर से नीचे

1. तीर, शर, 2. लगातार, अनवरत, 3. साँप, 4. किडा लगा फल, 6. एडी की बाहर निकली हड्डी, पैर का गड्ढा, 7. हाथ, सूंड, 8. शिक्षित, 9, गुलाम स्त्री, 11. दाने वाला फल, दाडिम, 12. नगाडे का गम्भीर स्वर, 13. भिडंत, मुठभेड, 14. परखना, सत्यापन करना, 16. नाटक का खेला जाना, 17. पानी की घास, 18. चिट्ठी, 19. अयोग्य, नालायक, 20. गुडां, एक रिश्ता, 22. गीला, तर, 23. सांस का रोग, 24. अन्न-कण, छोटी गोल वस्तु,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 41 का हल

सु	नि	श्चि	त	■	का	■	जा	न
म	र्द	■	र	ह	म	दि	ल	■
■	ह	मा	ल	■	ना	न	■	द
आ	न	■	■	द	■	क	ल	श
स	■	ए	का	धि	का	र	■	ह
पा	त	क	■	ज	■	■	धा	रा
स	■	मा	स	■	अं	ति	म	■
■	प	त्र	वा	ह	क	■	के	त
चा	ल	■	र	■	क	र्म	शी	ल

सुडोकू–14

7		6			1	4		
4	9						1	
	1		4	2		6		5
2				1	7	9		
	6		2		4		8	
		8	9	3				7
3		2		7	8		6	
	7						2	8
		1	6			7		4

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.

उत्तर अगले अंक में

सूडोकू 13 का उत्तर

6	1	9	4	8	2	7	5	3
8	2	3	6	5	7	9	4	1
4	5	7	1	9	3	6	8	2
7	9	1	5	4	8	2	3	6
3	6	8	9	2	1	5	7	4
5	4	2	7	3	6	1	9	8
9	3	6	8	1	5	4	2	7
1	8	5	2	7	4	3	6	9
2	7	4	3	6	9	8	1	5

सड़क हादसे में एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुमारडुंगी थाना क्षेत्र में फुटबॉल मैच देखकर घर लौट रहे दो युवक सड़क हादसे का शिकार हो गए. तिलयपी और भोंडा गांव के बीच जंगल में तेज रफ्तार पल्सर बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई. हादसे में कुंडियाधर निवासी मंगल पाड़ेया (24) की मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठा काली चरण चातर गंभीर रूप से घायल हो गया.जानकारी के अनुसार, दोनों युवक शुक्रवार देर रात दूधजोड़ी गांव में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच देखकर बाइक से घर लौट रहे थे अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 एंबुलेंस सेवा को कई बार फोन किया, लेकिन एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची. इसके बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर से दोनों को कुमारडुंगी अस्पताल पहुंचाया.

छठव्रतियों को हर संभव सुविधा देना सरकार का प्राथमिक उद्देश्य: मंत्री श्रवण कुमार

युवाशक्ति न्यूज

वेन(नालंदा):वेन प्रखंड के छकौड़ी बिगहा गांव में एवं राजगीर नगर परिषद के हसनपुर सूर्य मंदिर तालाब छठ घाट में सीढ़ी निर्माण कार्य का उद्घाटन बिहार सरकार के ग्रामीण विकास सूचना जनसंपर्क मंत्री जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार सांसद कौशलेंद्र कुमार के द्वारा किया गया.इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि कि छठ महापर्व बिहार की आत्मा है, व्रतियों की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य है छठ महापर्व बिहार की आत्मा है. यह पर्व आस्था, अनुशासन और स्वच्छता का प्रतीक है. छठ व्रतियों की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य है.कहा कि राज्य सरकार ने छठ घाटों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए हैं, ताकि व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा



न हो.मंत्री ने कहा कि बड़गांव धाम सहित जिले के सभी छठ घाटों को भव्य और स्वच्छ बनाया जा रहा है. अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि छठ के दौरान घाटों पर 24 घंटे व्यवस्था बनी रहे.आस्था और पवित्रता का प्रतीक है. छठी मैया से प्रार्थना है कि वे सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और बिहार में सुख, शांति समृद्धि प्रगति तरक्की का आशीर्वाद दें.व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी. छठ महापर्व आपसी भाईचारा, अनुशासन और स्वच्छता का संदेश देता है. इसे पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जाएगा.इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष अरविंद पटेल लक्ष्मण प्रसाद संतोष मुखिया जीरो देवी मनोज भैया जयराम सिंह मुन्ना कुमार सुधीर कुमार वेदनीधि गालीब नीतीश ठाकुर कौशल यादव गोलू शर्मा तारकेश्वर प्रसाद अजय पासवान सुनील पासवान टुनटुन सिंह जितेंद्र सिंह रंजीत कुमार कुनु कुमार डा मिथलेश राजीव कुमार समाजसेवी स्थानीय जनप्रतिनिधि,अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

मंत्री शीला मंडल ने खरना के पावन अवसर पर विधि-विधान के साथ छठ व्रत का किया अनुष्ठान



युवाशक्ति न्यूज

बेलहा(फुलपरास):लोक आस्था का महापर्व के दूसरे दिन यानी 'खरना' के पावन अवसर पर बिहार सरकार की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला मंडल ने पूरे विधि-विधान के साथ व्रत का अनुष्ठान किया.उन्होंने अपने गृह क्षेत्र फुलपरास विधानसभा के अंतर्गत आने वाले अपने निजी आवास बेलहा में स्वयं चूल्हे पर खरना का महाप्रसाद (गुड़ की खीर और रोटी) तैयार किया और छठी मैया की आराधना की.पारंपरिक रीति-रिवाज से संपन्न हुआ अनुष्ठाखरना के इस विशेष अवसर पर मंत्री शीला मंडल पूरी तरह भक्तिमय और पारंपरिक अंदाज में नजर आईं. उन्होंने मिट्टी के चूल्हे और आम की लकड़ी का उपयोग करते हुए पूरी शुद्धता और पवित्रता के साथ प्रसाद बनाया. प्रसाद तैयार होने के बाद उन्होंने विधि-विधान से सूर्य देव और छठी मैया को भोग लगाया. इसके बाद उन्होंने स्वयं प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे के निर्जला महाव्रत का संकल्प लिया और परिवार के सदस्यों तथा उपस्थित लोगों के बीच महाप्रसाद का वितरण कियासमस्त बिहारवासियों को दी महापर्व की शुभकामनाएइस पावन अवसर पर मंत्री शीला मंडल ने राज्य के सभी छठ व्रतियों और समस्त बिहारवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. अपने संदेश में उन्होंने कहा कि छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी लोक संस्कृति, आस्था, स्वच्छता और प्रकृति के प्रति समर्पण का प्रतीक है. उन्होंने छठी मैया और भगवान भास्कर से प्रार्थना की कि यह महापर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए. उन्होंने यह भी कामना की कि बिहार निरंतर विकास और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे.मंत्री के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में उनके परिजनों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, पार्टी कार्यकर्ता और शुभचिंतक भी मौजूद रहे.

बाल दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों में किया गया मिठाई वितरण



बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो): बाल दिवस के पावन अवसर पर शनिवार को बेगूसराय जिले के सूजा पंचायत में युवा कांग्रेस की ओर से भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा कांग्रेस के पंचायत अध्यक्ष राम भरोस यादव ने की. कार्यक्रम का संयोजन युवा कांग्रेस के नेता मोहित सिंह ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई. इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने चाचा नेहरू के आदर्शों, उनके विचारों और बच्चों के प्रति उनके स्नेह को याद किया.इसके बाद सैकड़ों बच्चों के बीच बिस्कुट और टॉफी का वितरण किया गया. इस अवसर पर युवा कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ता, अमित पासवान, बादल कुमार, सचिन कुमार, सुधांशु, अमृत कुमार सहित पंचायत के गणमान्य लोग उपस्थित थे .

अरका जैन की छात्रा जुबिया परवीन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित



जमशेदपुर : जिला प्रशासन, सरायकेला-खरसावां की निर्वाचन शाखा द्वारा आयोजित निर्वाचन प्रक्रिया, एसआईआर एवं भारत निर्वाचन आयोग से संबंधित जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में अरका जैन विश्वविद्यालय की छात्रा जुबिया परवीन ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की है. उपायुक्त नितेश कुमार सिंह एवं उप निर्वाचन अधिकारी पारुल सिंह ने प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर इसकी घोषणा की. विश्वविद्यालय के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) के समन्वयक डॉ. मनोज कुमार पाठक के निर्देशन में जुबिया परवीन ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की. इस सफलता के साथ अब वह राज्य स्तरीय निर्वाचन संबंधी क्विज प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगी. इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. (डॉ.) अंगद तिवारी एवं कुलसचिव डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जुबिया परवीन को बधाई दी तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं. उन्होंने इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया. जुबिया परवीन विधि की छात्रा हैं और अब राज्य स्तरीय निर्वाचन संबंधी क्विज प्रतियोगिता की तैयारी में जुट गई हैं. उनकी सफलता विश्वविद्यालय में निर्वाचन साक्षरता, लोकतांत्रिक जागरूकता एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

खण्डाडेरा में सोहराय खूंटव समारोह में दिखी आदिवासी संस्कृति की झलक

ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने का माध्यम हैं ऐसे आयोजन : विधायक संजीव सरदार

जमशेदपुर : पड़ोसी जिला के राजनगर प्रखंड अंतर्गत बांदो पंचायत के खण्डाडेरा गांव में चासा सॉवता मार्शल माडवा की ओर से आयोजित पारंपरिक सोहराय खूंटव समारोह में आदिवासी संस्कृति और परंपरा का अनूठा रंग देखने को मिला. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पोटका विधायक संजीव सरदार शामिल हुए. इस दौरान दोनों अतिथियों ने औपचारिकता से हटकर ग्रामीणों के बीच समय बिताया और उनके साथ पारंपरिक उत्सव का आनंद लिया. समारोह के दौरान मांदर की गूंज और पारंपरिक उत्साह के बीच सांसद जोबा माझी एवं विधायक संजीव सरदार ग्रामीणों के साथ घुल-मिल गए. दोनों अतिथियों ने मांदर बजाकर ग्रामीणों का उत्साह बढ़ाया और उनके साथ पारंपरिक माहौल में सहभागिता की. इस दौरान उन्होंने खूंटव की पारंपरिक रस्म में भी हिस्सा



लिया. जनप्रतिनिधियों को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में भी खास उत्साह देखने को मिला. इसी तरह चासा सॉवता मार्शल माडवा की ओर से आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हुआ. प्रतियोगिता में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पोटका विधायक संजीव सरदार शामिल हुए. अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया. दो दिवसीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रोशन स्पोर्टिंग, जामडीह की टीम ने चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया. सुनील एफसी, सलखनडीह की टीम दूसरे स्थान पर रही. वहीं डेंजर जोन, लेकरारकोचा ने तीसरा और एसआरसी, जामडीह ने चौथा स्थान प्राप्त किया. अतिथियों ने विजेता एवं अन्य स्थान प्राप्त करने वाली टीमों के खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया. इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में फुटबॉल जैसे खेलों के आयोजन से स्थानीय युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है. ऐसे टूर्नामेंट युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देते हैं. उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करना जरूरी है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके. इस पूरे कार्यक्रम में समानित अतिथि के रूप में कृष्ण बास्के, कालीपद सोरेन, जगत मार्डी शामिल रहे. टूर्नामेंट के सफल आयोजन में क्लब अध्यक्ष सालखन हांसदा, उपाध्यक्ष बुधु चरण हांसदा, अर्जुन हांसदा सहित आयोजन समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

विद्यार्थी परिषद ने फूंका कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा का पुतला

खूंटी : सिमडेगा के कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म के गंभीर आरोप सामने आने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की खूंटी जिला इकाई ने विरोध प्रदर्शन किया. शनिवार को अभाविप कार्यकर्ताओं ने खूंटी के भगत सिंह चौक पर विधायक भूषण बाड़ा का पुतला दहन कर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की.प्रदर्शन के दौरान अभाविप के प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी ने कहा कि जनप्रतिनिधि पर इस तरह के गंभीर आरोप सामने आना चिंताजनक है. यह मामला केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नाबालिग बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और न्याय से जुड़ा है. उन्होंने कहा कि कानून की नजर में सभी समान हैं और किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक पद या प्रभाव के आधार पर कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता.समयबद्ध जांच कराने की मांग की. साथ ही पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने और जांच प्रक्रिया को किसी भी राजनीतिक दबाव से मुक्त रखने की अपील की. परिषद ने कहा कि यदि जांच में आरोप प्रमाणित होते हैं,

पुलिस ने 23.940 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम, : जिले में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आजाद नगर थाना क्षेत्र एनएच-33 पर पारडीह स्थित दादा गैरेज के समीप छापेमारी कर गांजा तस्करी के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया. इनके पास से 17 पैकेट में कुल 23.940 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई गई है. पुलिस के अनुसार, गांजे की खेप बिहार भेजने की तैयारी थी.शनिवार को सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि एसएसपी डॉ. एहतेशाम वकारिब को गुप्त सूचना मिली थी कि एनएच-33 के रास्ते गांजे की बड़ी खेप बिहार ले जाने की तैयारी है. सूचना की पुष्टि के बाद उनके के नेतृत्व में पटमदा डीएसपी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया. टीम ने पारडीह के समीप दादा गैरेज के पास संदिग्ध गतिविधि में शामिल दो लोगों को तीन बैग के साथ पकड़ा.

अंधविश्वास की भेंट चढ़ी मासूम

तंत्र-मंत्र और 'सिद्धि' पाने के लिए मौसी ने ही ली नाबालिग भतीजी की जान

चतरा: झारखंड के चतरा जिले से अंधविश्वास और क्रूरता की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. प्रतापपुर थाना क्षेत्र में तंत्र-मंत्र और सिद्धि प्राप्त करने के चक्कर में एक महिला ने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर अपनी ही नाबालिग भतीजी की निर्मम हत्या कर दी. इस सनसनीखेज मामले का महज 48 घंटे में खुलासा करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी मौसी समेत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अनिमेष नैथानी ने पूरे मामले का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि, बीते 11 नवंबर को प्रतापपुर थाना क्षेत्र के चंद्री गोविंदपुर पंचायत अंतर्गत चट्टी अनंतपुर गांव निवासी सिताबिया देवी ने अपनी नाबालिग बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की गई और एसडीपीओ चतरा के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (डखढ) का गठन किया गया. जांच के दौरान 13 नवंबर 2026 को बच्ची का शव उसके घर से महज 150 मीटर पश्चिम दिशा में झाड़ी और धान के खेत से बरामद



किया गया. पुलिस अधीक्षक ने दुख जताते हुए कहा कि अंधविश्वास जैसी सामाजिक कुरीति के कारण एक मासूम की जान चली गई .मौके से प्राप्त वैज्ञानिक और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 48 घंटे के भीतर इस जघन्य ब्लाइंड मर्डर केस की गुत्थी सुलझा ली. एसपी ने बताया कि गहन अनुसंधान में यह बात सामने आई कि पीड़िता की मौसी सोहरी देवी घर में ओझा-गुनी और झाड़-फूंक का काम करती है. उसने तांत्रिक सिद्धि प्राप्त करने के उद्देश्य से अमावस्या की रात अपने भैसुर बिंदु भारती और भतीजे जुगेश भारती के साथ मिलकर बच्ची की बलि दे दी. पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि मृतका के माता-पिता और आरोपियों के बीच पहले से आपसी विवाद भी चल रहा था.पुलिस ने घटनास्थल और मुख्य अभियुक्त सोहरी देवी के घर से कई अहम सबूत जब्त किए हैं, जिनमें हत्या में प्रयुक्त हसुवा, लोहे की छेनी और करणी, पीड़िता के कपड़े, लाल रंग की टूटी चूड़ी-बाली और पलाश के पत्ते, तंत्र-मंत्र और पूजा में इस्तेमाल होने वाला सिंदूर, इत्र, गुलाब जल, धूप और हल्दी शामिल हैं.पूछताछ में अपराध स्वीकार करने के बाद तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है. इस सफल उद्भेदन वाली एसआईटी टीम में प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

मंत्री पोद्दार ने काटा छठ घाट का फीता



कुल्टी :आस्था के महापर्व छठ को लेकर सीतारामपुर के लोगों को बड़ी सौगात मिली है. सीतारामपुर स्टेशन रोड स्थित सरकार पुकुर पर नवनिर्मित छठ घाट का उद्घाटन राज्य के मंत्री सह कुल्टी के विधायक डॉ.अजय कुमार पोद्दार ने किया. मंत्री ने निजी कोष से 5 लाख रुपये की लागत से इस घाट का निर्माण कराया है.आज शनिवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में भाजपा मंडल-4 के अध्यक्ष सुनील भर, प्रतिष्ठित व्यवसायी राकेश बंसल,बीजेपी नेता टिंकू बर्मा,विनोद सिंग सोलंकी,भाजपा के अन्य नेता-कार्यकर्ता और छठ पूजा कमेटी के सदस्य उपस्थित थे. सभी की उपस्थिति में फीता काटकर मंत्री ने नवनिर्मित छठ घाट का उद्घाटन किया. उद्घाटन के दौरान घाट पर मौजूद लोगों ने तालियों से मंत्री का स्वागत किया.इस अवसर पर मंत्री डॉ. पोद्दार ने कहा कि छठ पूजा हमारी आस्था और संस्कृति का सबसे बड़ा पर्व है. इस पर्व में लाखों व्रती सूर्य देवता और छठी मैया की पूजा करते हैं. व्रतियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए यह घाट बनवाया गया है. उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन छठ को लेकर पूरी तरह तैयार है. घाटों पर सफाई, रोशनी, पेयजल और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है.उन्होंने सभी छठ व्रतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठी मैया से उन्होंने सभी के सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की है. उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा लोगों के धर्म,त्योहार और संस्कृति के साथ खड़ी है. और आगे भी इसी तरह जनसेवा का काम करती रहेगी.इस घाट के बन जाने से सीतारामपुर और आसपास के इलाकों के छठ व्रतियों को काफी सुविधा होगी. पहले व्रतियों को पूजा के लिए काफी परेशानी होती थी. घाट टूटा हुआ था, आने-जाने में दिक्कत होती थी. अब नए घाट पर आसानी से पूजा-अर्चना कर सकेंगे. पूजा से पहले ही घाट बन जाने से इलाके में खुशी का माहौल है. स्थानीय लोगों ने इसके लिए मंत्री का आभार जताया.कार्यक्रम में उपस्थित छठ पूजा कमेटी के सदस्यों ने कहा कि मंत्री के इस पहल से इलाके के लोगों को बड़ी राहत मिली है. आने वाले वर्षों में भी इसी घाट पर धूमधाम से छठ पूजा मनाई जाएगी. कार्यक्रम के अंत में मंत्री ने उपस्थित लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं.

न्यूज कॉर्नर

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा गड़बड़ी मामले में सीआईडी ने दाखिल किया पूरक आरोप-पत्र

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा में हुई गड़बड़ियों की जांच कर रही झारखंड पुलिस की अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने मामले में अदालत में पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया है. सीआईडी थाना कांड संख्या 01/25 में दाखिल इस आरोप-पत्र में 10 लोगों को अप्राथमिकी अभियुक्त के रूप में शामिल किया गया है. इनमें झारखंड और बिहार के विभिन्न जिलों के निवासी हैं.सीआईडी की ओर से दाखिल पूरक आरोप-पत्र में सुषमा कुमारी उर्फ सुषमा, अक्षय तिवारी, अभय कुमार तिवारी, विजय कुमार तिवारी, दीपक कुमार, आनंद कुमार सिंह, समीर कुमार, सोमांश प्रकाश, राहुल कुमार और उमेश कुमार राय के नाम शामिल हैं.जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने, सॉल्वर गैंग की भूमिका और अनुचित तरीकों से परीक्षा प्रभावित करने की शिकायतों के बाद मामले की जांच सीआईडी को सौंपी गई थी. जांच के दौरान एजेंसी ने मुख्य आरोपितों के साथ-साथ परीक्षा में गड़बड़ी कराने में सहयोग करने वाले लोगों, बिचौलियों और सिंडिकेट से जुड़े सदस्यों की भूमिका की भी पड़ताल की.पूरक आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद मामले में आरोपितों की संख्या बढ़ गई है. सीआईडी की जांच में सामने आए तथ्यों की अब अदालत में आगे की न्यायिक प्रक्रिया के दौरान पड़ताल होगी.

टाटा मोटर्स व कमिंस में रविवार को होगा कामकाज, सोमवार को अवकाश

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स लिमिटेड (जमशेदपुर प्लांट) और टाटा कमिंस प्राइवेट लिमिटेड में रविवार, 15 नवंबर को सामान्य दिनों की तरह कामकाज होगा. इसके बदले दोनों कंपनियों के कर्मचारियों को सोमवार, 16 नवंबर को साप्ताहिक अवकाश दिया गया है. इस संबंध में दोनों कंपनियों के प्रबंधन की ओर से अलग-अलग सर्कुलर जारी किये गये हैं. टाटा मोटर्स के प्लांट हेड के हस्ताक्षर से जारी सर्कुलर के अनुसार, वर्तमान व्यावसायिक आवश्यकताओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है. परिचालन संबंधी आवश्यकताओं, व्यवसाय की निरंतरता और संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 नवंबर (रविवार) को प्लांट चालू रहेगा और सभी कर्मचारियों के लिए सामान्य ड्यूटी रहेगी.

रवींद्र भवन से पोलो ग्राउंड तक जागरूकता मार्च, सीपी डीएम रहे मौजूद

आसनसोल : विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर शनिवार की सुबह आसनसोल कोलफील्ड डायबिटीज एसोसिएशन की ओर से एक भव्य मधुमेह जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया गया. ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल), ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन, चिकित्सा जगत तथा विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

आसनसोल कोलफील्ड डायबिटीज एसोसिएशन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को मधुमेह के प्रति जागरूक करना तथा नियमित व्यायाम,संतुलित खानपान, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था.पदयात्रा का शुभारंभ आसनसोल के रवींद्र भवन से हुआ. आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त डॉ. प्रणव कुमार ने रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर जागरूकता रैली का विधिवत उद्घाटन किया. इसके पश्चात पुलिस बैंड की अगुवाई में विभिन्न सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, चिकित्सकों एवं आम नागरिकों ने रवींद्र भवन से आसनसोल पोलो ग्राउंड स्थित एनसीसी मैदान तक पैदल मार्च किया.पोलो ग्राउंड पहुंचने पर पश्चिम बर्धमान के जिलाधिकारी एस.पोन्नाबलम ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया. उन्होंने मधुमेह से बचाव के लिए जागरूकता, नियमित स्वास्थ्य जांच, शारीरिक गतिविधियों तथा स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला.

कार्यक्रम के दौरान आसनसोल कोलफील्ड डायबिटीज एसोसिएशन की ओर से उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया. संपूर्ण आयोजन का नेतृत्व डॉ. सतर्जित



राय ने किया.इस अवसर पर ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) श्री गुंजन कुमार सिन्हा, वित्त निदेश मोहम्मद अंजर आलम, तथा ईसीएल के पूर्व निदेशक नीलाद्रि राय की गरिमामयी उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही. इनके साथ ईसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई और इस जनजागरूकता अभियान को अपना सहयोग प्रदान किया. चिकित्सा जगत से डॉ. सिद्धार्थ बनर्जी, डॉ. अरिजीत बनर्जी, डॉ. वी. बी. गुप्ता एवं डॉ. शुभदीप घोष सहित अन्य चिकित्सक भी उपस्थित रहे.

आसनसोल कोलफील्ड डायबिटीज एसोसिएशन के इस जनजागरूकता अभियान को सफल बनाने में विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा. कुल्टी मदद फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक रवि शंकर चौबे के नेतृत्व में संस्था द्वारा संचालित महिला प्रशिक्षण केंद्र एवं कन्या गुरुकुल की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक इस जागरूकता अभियान में हिस्सा लिया.इसके अतिरिक्त आसनसोल राइफल क्लब के बीरेन्द्र कुमार ढल, प्रतिध्वनि फाउंडेशन के अध्यक्ष राज भट्टाचार्य एवं सचिव पौलमी कवि, रवींद्र चर्चा आसनसोल की मल्लिका गांगुली एवं उनकी टीम, चिनाकुरी की फायर फिस्ट अकादमी के संस्थापक एवं निदेशक राहुल पासवान के नेतृत्व में छात्राओं ने भी अपनी भागीदारी निभाई.कार्यक्रम में कंज्यूमर राइट्स की मिठ्ठू मुखर्जी, रेड क्रॉस सोसायटी,अग्निबीणा शिल्प चर्चा केंद्र, हेरिटेज स्कूल, आसनसोल सृष्टि तथा कुल्टी महोत्सव से जुड़े प्रतिनिधियों एवं सदस्यों की भी सक्रिय सहभागिता रही. इसके अलावा आसनसोल, कुल्टी, बराकर, नियामतपुर एवं बर्नपुर के विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधियों और सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.

कार्यक्रम के समापन पर आसनसोल कोलफील्ड डायबिटीज एसोसिएशन की ओर से पदयात्रा में शामिल विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं प्रतिभागियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया.आसनसोल कोलफील्ड डायबिटीज एसोसिएशन की इस सराहनीय पहल ने यह साबित किया कि स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को जनआंदोलन का रूप देने के लिए विभिन्न संस्थाओं का सामूहिक सहयोग कितना महत्वपूर्ण है. ईसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों, चिकित्सा जगत, प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों की सहभागिता से यह कार्यक्रम एक व्यापक जनजागरूकता अभियान के रूप में सामने आया.स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जागरूकता, नियमित व्यायाम, संतुलित खानपान और सामूहिक प्रयास ही इस अभियान का मूल संदेश रहा.

भारत ने अंतिम गेंद पर पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीता



अल अमेरात (ओमान) : सलामी बल्लेबाजों लक्ष्य रायचंदानी (80) और आर्यवीर सहवाग (58) के अर्धशतकों के बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों मोहित उल्वा (नाबाद 49) और मनल चौहान (47) के बीच नौवें विकेट की 57 रन की साझेदारी से भारत ने बेहद रोमांचक फाइनल में गत चैंपियन पाकिस्तान को अंतिम गेंद पर एक विकेट से हराकर नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीत लिया.

पाकिस्तान के 338 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम कप्तान रायचंदानी और आर्यवीर के बीच पहले विकेट की 95 रन की साझेदारी से एक विकेट पर 146 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी. हालांकि इसके बाद 42वें ओवर तक पाकिस्तान ने भारत का स्कोर आठ विकेट पर 252 रन कर दिया. मोहित ने इसके बाद मनल के साथ मिलकर भारत को वापसी दिलाई और अहमद हुसैन की मैच की अंतिम गेंद पर चौका जड़कर भारत को नौ विकेट पर 339 रन तक पहुंचाकर जीत दिला दी. मनल ने 32 गेंद की अपनी पारी में तीन चौके और तीन छक्के मारे जबकि मोहित ने 26 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और तीन छक्के जड़े.

पाकिस्तान ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज उस्मान खान (107) के शतक और अब्दुल कादिर (80) के साथ उनकी 18 ओवर में 135 रन की साझेदारी की बदौलत नौ विकेट पर 337 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया. कप्तान फरहान यूसुफ ने भी 63 गेंद में 60 रन की पारी खेली. भारत की ओर से तेज गेंदबाज काव्य पटेल ने 68 रन पर चार जबकि सी वेंकट ने 40 रन देकर तीन विकेट झटके.

लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को कप्तान रायचंदानी और आर्यवीर ने पहले विकेट के लिए 17.4 ओवर में 95 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई. आर्यवीर ने हाथ में गेंद लगने के बावजूद बल्लेबाजी जारी रखी और रिजवानुल्लाह (53 रन पर तीन विकेट) की गेंद पर एक रन के साथ 51 गेंद में अर्धशतक पूरा किया. आर्यवीर हालांकि निकाब शफीक (57 रन पर दो विकेट) की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में उस्मान खान को कैच दे बैठे. उन्होंने 61 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके मारे.

रायचंदानी ने इसके बाद वीके विनीत (24) के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया. कप्तान ने हसनैन अब्बास डार की गेंद पर एक रन के साथ 72 गेंद में अर्धशतक पूरा किया. रिजवानुल्लाह ने विनीत को उस्मान के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा और फिर अर्जुन राजपूत (16) को भी विकेटकीपर हमजा जहूर के हाथों कैच कराया.

डार ने यशबर्धन चौहान (09) की पारी का अंत किया जबकि रायचंदानी और अन्वय द्रविड़ (19) के विकेट लगातार गेंदों पर गंवाने से भारत संकट में घिर गया. रायचंदानी ने 101 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके मारे. भारत को अंतिम 10 ओवर में 90 रन की दरकार थी. आर्यन सवसानी (09) और काव्य (00) भी अधिक देर नहीं टिक सके.

मनल और मोहित ने इसके बाद भारत को वापसी दिलाई. मनल ने मोहम्मद सैयम पर दो छक्के मारे जबकि मोहित ने रिजवानुल्लाह की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया. मोहित ने अली रजा पर भी छक्का जड़ा.

निकाब ने मनल को उस्मान के हाथों कैच कराके भारत को बड़ा झटका दिया लेकिन मोहित ने सी वेंकट (नाबाद 11) के साथ मिलकर भारत को खिताब दिला दिया.

इससे पहले उस्मान ने अपने सलामी जोड़ीदार हयाम खान (21) के साथ महज 8.1 ओवर में 62 रन की तेज साझेदारी की. उस्मान ने 106 गेंद में शतक पूरा किया और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कादिर के साथ मिलकर बीच के ओवरों में दबदबा बनाया.

कादिर ने महज 54 गेंद में 80 रन बनाए और 39 गेंद में अपना पहला युवा एकदिवसीय अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर मनल चौहान और ऑफ स्पिनर यशवर्धन चौहान की गेंदों पर लगातार दो छक्के भी जड़े. कादिर की आक्रामक पारी का अंत तब हुआ जब अर्जुन राजपूत की गेंद पर उनका ड्राइव कवर पर खड़े वीके विनीत के हाथों में चला गया. उस्मान भी इसके बाद अधिक देर तक नहीं टिक सके. तेज गेंदबाज काव्या पटेल की गेंद पर शॉर्ट मिड ऑफ पर राजपूत ने उनका कैच लपका.

पाकिस्तान का स्कोर 36 ओवर के बाद तीन विकेट पर 240 रन था और टीम ने भारत के खिलाफ बड़े स्कोर की मजबूत नींव रख दी थी. कप्तान फरहान यूसुफ ने 63 गेंद में 60 रन की पारी खेलकर पाकिस्तान को 300 रन के पार पहुंचाया.

एएफसी अंडर-17 क्वालीफायर्स

गांगटे की हैट्रिक, राज ने दागे 4 गोल; भारत ने गुआम को 12-0 से रौंदा



कुआलालंपुर: एएफसी अंडर-17 एशियन कप उज्बेकिस्तान 2027 क्वालीफायर्स के 'ग्रुप ई' मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुआम को 12-0 से करारी शिकस्त दी. यह मुकाबला शनिवार को मलेशिया के कुआलालंपुर फुटबॉल स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय कप्तान दलालमुओन गांगटे और राज सिंह वाहेंगबाम ने हैट्रिक लगाईं. राज सिंह ने कुल चार गोल दागे. इससे पहले, सिंगापुर के खिलाफ 4-2 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने वाले भारत ने इस मैच में भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखा. अंडर-17 स्तर पर एएफसी क्वालीफाइंग मैचों में यह भारत की तीसरी सबसे बड़ी जीत है. इससे पहले, भारत ने 1984 में मकाऊ के खिलाफ और 2024 में ब्रुनेई दारुस्सलाम के खिलाफ 13-0 से जीत दर्ज की थी.

भारत ने आक्रामक शुरुआत की और पांचवें मिनट में ही लियो थोंगबाम के गोल से बढ़त बना ली, जिन्होंने मालसावमटलुआंगा के बाएं पैर से दिए गए क्रॉस को हेडर के जरिए गोल में बदल दिया. इसके बाद कप्तान गांगटे ने मोर्चा संभाला और पहले हाफ में तीन गोल किए. भारतीय कप्तान ने 13वें, 27वें और 32वें मिनट में गोल दागे. उन्होंने पेनाल्टी एरिया के अंदर मिले मौकों और पास का पूरा फायदा उठाते हुए भारत की बढ़त को और मजबूत किया.

20वें मिनट में ऋषिकेश मानवती ने भी गोल किया. उन्होंने दाईं ओर से करीब से गेंद को नेट में पहुंचाया, जिससे हाफ-टाइम तक भारत ने 5-0 की शानदार बढ़त बना ली.

सिंगापुर के खिलाफ हैट्रिक लगाने वाले गांगटे इस मैच में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने के बाद हाफ-टाइम पर सब्स्टिट्यूट कर दिए गए. मैच फिर से शुरू होने के बाद भी भारत ने अपना आक्रामक रुख जारी रखा और सात और गोल दागे, जबकि भारी बारिश के कारण दूसरे हाफ में हालात काफी मुश्किल हो गए थे.

53वें मिनट में डेविड मंगांग इरोम ने एक शानदार गोल करके भारत की बढ़त को और बढ़ाया. इसके दो मिनट बाद राज सिंह वाहेंगबम ने गोल करने का बेहतरीन सिलसिला शुरू किया. इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने 55वें, 73वें, 83वें और 84वें मिनट में गोल करके कुल चार गोल दागे, जिससे भारत के कुल गोलों की संख्या दहाई के आंकड़े तक पहुंच गई.

हाफ-टाइम के बाद मैदान पर उतरे फेलिक्स मेतेई सैकहोम ने भी बाएं फ्लैंक से दौड़ लगाते हुए तुरंत अपना प्रभाव दिखाया. उन्होंने 56वें मिनट में गोल किया, जबकि 87वें मिनट में रिस्तिक माइती ने करीब से गोल करके भारत की 12-0 की जीत सुनिश्चित कर दी.

इस शानदार जीत के बाद, मंगलवार को फिलिस्तीन के खिलाफ एक अहम मुकाबला होगा. फिलहाल दोनों टीमों के 6-6 अंक हैं और ग्रुप में शीर्ष पर मौजूद टीमों के बीच का अंतर केवल गोल डिफरेंस का है. अगले साल होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में अपनी जगह सुनिश्चित करने की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए, भारत को एक और दमदार प्रदर्शन करना होगा. सिंगापुर के पास तीन अंक हैं, जबकि मलेशिया और गुआम अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाए हैं. ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम ही एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 के लिए क्वालीफाई करेगी.

लक्ष्य सेन कुमामोतो मास्टर्स जापान के फाइनल में

कुमामोतो (जापान) : भारत के लक्ष्य सेन ने शनिवार को यहां कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को तीन गेम में हराकर लगातार दूसरे पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई. दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने छठे वरीय फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया. इससे हाइलो ओपन का खिताब जीतने वाले लक्ष्य की हांगझोउ में होने वाले बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं. आठवें वरीय लक्ष्य फिलहाल बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर रैंकिंग में 64,980 अंकों के साथ 12वें स्थान पर हैं. सत्र के अंत में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने के लिए उन्हें शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी. फाइनल में उनका सामना जापान के कोकी वातानाबे और दूसरे वरीय थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा.

भारत ने भूटान को 2-1 से हराकर सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई

ढाका: गत चैंपियन भारत ने शनिवार को यहां पीवी विष्णु और चिंगलेनसाना सिंह के गोल की बदौलत भूटान को 2-1 से हराकर सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया. विष्णु ने आठवें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई. उन्होंने लंबे पास को नियंत्रित करने के बाद दाएं पैर से लगाए शॉट पर भूटान के गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया. भारत ने 27वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर दी. किपगेन की ओर से लिए गए कॉर्नर पर भूटान के खिलाड़ी गेंद को क्लीयर नहीं कर सके और इसका फायदा उठाते हुए चिंगलेनसाना ने नजदीक से शानदार गोल दाग दिया. भूटान ने 48वें मिनट में तोबदेन के गोल से वापसी की. ग्येल्तशेन के बॉक्स के अंदर से लगाए गए शॉट के बाद तोबदेन ने हेडर से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया. शुरुआत में ऑफसाइड करार दिए गए इस गोल को वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद सही ठहराया गया. यह मुकाबला सैफ चैंपियनशिप के इतिहास में वीएआर प्रणाली के पदार्पण का भी गवाह बना. भारत ने मुख्य कोच नौशाद मूसा के मार्गदर्शन में अंडर-23 की रिजर्व टीम उतारी है क्योंकि सीनियर टीम फिलहाल न्यूजीलैंड में मैत्री मुकाबले खेल रही है. भारत का फाइनल में सामना मेजबान बांग्लादेश या पाकिस्तान से होगा. खिताबी मुकाबला 17 नवंबर को खेला जाएगा.

सूर्यकुमार के 21 गेंद में 60 रन की मदद से मुंबई ने हैदराबाद को सात विकेट से हराया



कोलकाता: भारत के पूर्व टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की 21 गेंद में खेली गई नाबाद 60 रन की तूफानी पारी की बदौलत मुंबई ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद को सात विकेट से करारी शिकस्त दी. मुंबई ने केवल 13.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 172 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया.

सूर्यकुमार ने अपनी विस्फोटक पारी में छह चौके और पांच छक्के लगाए. उनका स्ट्राइक रेट 285.71 का रहा. उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर जाधवपुर विश्वविद्यालय परिसर मैदान पर मुंबई के दबदबे का नमूना पेश किया.

मुंबई ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 13.1 ओवर में तीन विकेट पर 174 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया.

युवा बल्लेबाज मुशीर खान ने भी 24 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 51 रन की शानदार पारी खेली. वहीं अंगकृष रघुवंशी ने 13 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई.

हार्दिक तामोरे ने 16 गेंदों पर 22 रन का योगदान दिया. इसके बाद मुशीर और सूर्यकुमार ने आक्रामक साझेदारी कर मुंबई को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया. अजय देव गौड़ ने 12वें ओवर में मुशीर को आउट किया. मुशीर ने सूर्यकुमार के साथ तीसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़े. हालांकि, सूर्यकुमार ने इसके बाद टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया.

शिवम दुबे ने पांच गेंदों पर दो छक्कों की मदद से नाबाद 13 रन बनाकर जीत की औपचारिकता पूरी की.

वैभव सूर्यवंशी ने कप्तानी में रचा इतिहास, मगर नहीं हो पाया दमदार आगाज, पहले ही मैच में मिली हार



इंदौर : इंदौर के होलकर स्टेडियम में टॉस के लिए कदम रखत ही वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रचा, लेकिन बल्ले से अपना कमाल नहीं दिखा पाए. वैभव सूर्यवंशी ने आधिकारिक तौर पर शनिवार सुबह सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार की कप्तानी संभाली. इसी के साथ वे टी-20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में कप्तानी करने वाले प्लेयर बन गए. वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल में किसी टी-20 टीम की कप्तानी संभाल के इतिहास के सुनहरे अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराया.

हालांकि, आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुके सूर्यवंशी के लिए इस शानदार सफर का आगाज निराशाजनक रहा. कप्तानी संभालने के बाद पहले ही मैच में उनके बल्ले से रन नहीं निकले. 15 वर्षीय इस वंडर बॉय ने 12 गेंदों का सामना किया जिसमें सिर्फ 18 रन बना सके. उन्होंने इस दौरान 2 चौके और 1 छक्के लगाए. उनका स्ट्राइक रेट 150 का रहा. वैभव सूर्यवंशी के आउट होने के बाद उनकी टीम की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरफ बिखर गई. सौराष्ट्र के गेंदबाजों के सामने बिहार का कोई भी बल्लेबाज ठीक से बल्लेबाजी नहीं कर पाया और टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी सूर्यवंशी की अगुवाई वाली टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर सिर्फ 137 रन बनाए और 138 रनों का लक्ष्य दिया. इस लक्ष्य को सौराष्ट्र की टीम ने 16.3 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया.

बिहार की ओर से पृथ्वीराज ने सर्वाधिक 27 गेंदों में 38 रन बनाए. कप्तान जयदेव उनादकट को 1 विकेट मिला. चेतन सकारिया ने तीन विकेट चटकाए. प्रेरक मांकड़ ने 3 और फुलेत्रा ने 1 विकेट लिए. 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई सौराष्ट्र के लिए विश्वराज जडेजा ने 18, हार्विक देसाई ने 21, हरवंश पंगालिया ने 11 गेंदों में 33 और प्रेरक मांकड़ ने 16 रनों का अहम योगदान दिया. अन्य बल्लेबाजों ने भी जीत में भूमिका निभाई.

इस तरह सौराष्ट्र के क्रिकेटर बिहार की टीम पर भारी रहे और वैभव सूर्यवंशी के कप्तानी करियर की शुरुआत ना तो उनके बल्ले से ही अच्छी रही और ना ही उनकी टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया. टॉस के दौरान जब वैभव सूर्यवंशी इंदौर के होलकर स्टेडियम में आए तो विपक्षी टीम के कप्तान जयदेव उनादकट थे. उनके बारे में प्रेजेंटर ने बताया कि जब वैभव सूर्यवंशी ने जन्म लिया था तब जयदेव उनादकट ने अपना करियर शुरू कर दिया था और इंडिया के लिए डेब्यू कर गए थे. आज दोनों साथ में फील्ड साझा कर रहे हैं और एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी कप्तान हैं.

कारोबार

सरकार ने चावल, धान के भंडार का ऑनलाइन ब्योरा देने के लिए पोर्टल शुरू किया

नयी दिल्ली: केंद्र सरकार ने व्यापारियों, खुदरा एवं थोक विक्रेताओं, प्रसंस्करणकर्ताओं और मिल मालिकों सहित सभी संबंधित इकाइयों के लिए चावल तथा धान के भंडार का ऑनलाइन ब्योरा देने वाला पोर्टल शुरू किया है. इस कदम का उद्देश्य जमाखोरी रोकना और कीमतों पर नियंत्रण रखना है. सरकार के छह नवंबर को जारी आदेश के तहत, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यापारियों, थोक एवं खुदरा विक्रेताओं, बड़ी खुदरा दुकानों, प्रसंस्करणकर्ताओं और मिल मालिकों को चावल एवं धान के भंडार की जानकारी छह श्रेणियों में देनी होगी. इनमें बासमती चावल, गैर-बासमती प्रीमियम चावल, गैर-बासमती चावल, उसना चावल, टूटे चावल और धान शामिल हैं. खाद्य मंत्रालय ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि इस उद्देश्य से खाद्य भंडार घोषणा पोर्टल शुरू कर दिया गया है. आदेश के मुताबिक, भंडार रखने वाली सभी इकाइयों को हर शुक्रवार को खाद्य भंडार पोर्टल पर अपने भंडार का ब्योरा अद्यतन करना होगा. पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराने या निर्धारित भंडार सीमा का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा छह और सात के तहत कार्रवाई की जाएगी. केंद्र सरकार चावल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड), राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और केंद्रीय भंडार को 'भारत चावल' के रूप में बिक्री के लिए अतिरिक्त चावल आवंटित कर रही है. सरकार ने इन संस्थाओं से विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में वितरण के सभी संभावित माध्यम तलाशने को कहा है. केंद्र ने खुले बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत वित्त वर्ष 2026-27 में ई-नीलामी के जरिये चावल बिक्री का लक्ष्य भी दोगुना कर 25 लाख टन से बढ़ाकर 50 लाख टन कर दिया है. सरकार के अनुसार, 31 अक्टूबर तक निजी खरीदारों को ई-नीलामी के जरिये करीब 25 लाख टन चावल बेचा जा चुका था, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 11 लाख टन था.

पतंजलि फूड्स का दूसरी तिमाही का मुनाफा 19 प्रतिशत घटकर 420 करोड़ रुपये रहा, आय बढ़ी

नयी दिल्ली: पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने शनिवार को बताया कि 30 सितंबर, 2026 को समाप्त दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 19 प्रतिशत घटकर 419.76 करोड़ रुपये रह गया. हालांकि, इस दौरान कंपनी की आय में वृद्धि दर्ज की गई. कंपनी ने पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में 516.69 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था. नियामकीय सूचना के अनुसार, चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 11,406.49 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,850.06 करोड़ रुपये थी. इस दौरान कंपनी का कुल परिचालन खर्च भी बढ़कर 10,997.51 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में 9,344.97 करोड़ रुपये था. चालू वित्तवर्ष की पहली छमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा बढ़कर 755.49 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्तवर्ष की समान अवधि में 697.05 करोड़ रुपये था. इस दौरान कुल आय भी बढ़कर 22,748.38 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 18,629.08 करोड़ रुपये थी. वर्ष 1986 में स्थापित पतंजलि फूड्स देश की प्रमुख एफएमसीजी (दैनिक उपयोग की उपभोक्ता वस्तुएं) कंपनियों में से एक है.

शेयर बाजार : उतार-चढ़ाव के साथ मुनाफा वसूली का जारी रहेगा दौर



विमल कोठारी, वरिष्ठ पत्रकार

जयपुर: भारतीय शेयर बाजार में लगातार चल रही तेजी के बीच शुक्रवार को हुई मुनाफा वसूली ने निवेशकों को सतर्क रहने का संकेत दिया है. शेयर बाजार में तेजी के बीच जब भी मंदी आती है, वह बाजार को गति देने का ही कारण बनती है, ऐसे में यह माना जा सकता है कि शेयर बाजार से जुड़े निवेशकों को उतार-चढ़ाव के साथ मुनाफा वसूली के लिए भी तैयार रहना चाहिए. बाजार विश्लेषक निफ्टी-50 शेयर सूचकांक के 24800 के स्तर को तकनीकी सपोर्ट लेवल मान कर चल रहे हैं, जिससे यह आकलन किया जा रहा है कि बाजार में तेजी का दौर तो जारी रहेगा, लेकिन मुनाफा वसूली इस तेजी के दौर में अवरोध खड़े कर सकती है. पिछले सप्ताह बाजार में जो सुधार का माहौल बना उसका सबसे बड़ा कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों की जमकर हुई खरीद है, इसके बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट को भी बाजार में आए सुधार के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है.

गत सप्ताह बीएसई सूचकांक में 564.43 अंक (0.70%) का सुधार रहा और बीएसई सूचकांक 81592.45 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी सूचकांक में 113.95 अंक (0.46%) की तेजी रही और यह भी 25144.30 अंक पर बंद हुआ. साप्ताहिक आधार पर शेयर बाजार में मूल सूचकांक की तुलना में मिड कैप और स्मॉल कैप में मूल सूचकांक की तुलना में अधिक सुधार रहा है, जिसे बाजार में दीर्घावधि निवेश के लिए अच्छा संकेत माना जा सकता है. गत सप्ताह की बात करें तो सभी पांचों कार्य दिवसों में विदेशी संस्थागत निवेशक-एफआईआई ने अच्छी खरीद की है, जिसे बाजार के लिए अच्छा संकेत माना जा सकता है. गत सप्ताह एफआईआई ने 33,342.70 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे,जबकि अब तक बाजार में खरीद कर रहे घरेलू संस्थागत निवेशक-डीआईआई ने बाजार में 24,191.81 करोड़ की बिक्री कर अपने प्रॉफिट बुक किया. बुलियन बाजार की बात करें तो अन्तर्राष्ट्रीय उठापटक और सटोरिया गतिविधियों के कारण सोने व चांदी के भावों में भी चल रही गिरावट भी काफी हद तक थमी. साप्ताहिक आधार पर जयपुर बाजार में 24 कैरेट सोना गत शनिवार के 1,45,500 रुपए प्रति 10 ग्राम से 5,000 रुपए प्रति दस ग्राम बढ़कर 1,40,500 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,93,300 रुपए प्रति किलो से 11,800 रुपए प्रति किलो की मंदी के साथ 1,81,500 रुपए प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई. कारोबारियों का आकलन है कि भावों में आई गिरावट के कारण बाजार में ग्राहकों के उत्साह में कमी रहेगी और बाजार में ग्राहकी कमजोर रहने की आशंका है.

बाजार के भावी रुख के बारे में शेयर कारोबारी कहते हैं कि कंपनियों के घोषित हो रहे अच्छे कार्य परिणामों ने सकारात्मक माहौल बनाया जिसे कच्चे तेल की कीमतों में हुई कमी ने सपोर्ट दिया और बाजार में तेजी का माहौल बना. नए निवेश के लिए उनकी राय में 360 वन, एपीएल अपोलो, एबी केपिटल, बीएसई, भारतीय स्टेट बैंक, इंडस टावर, अरबन कम्पनी, बोनफिजिलियोली ट्रांसमिशन, टोनबो इमेर्जिंग, कर्नाटका बैंक, साउथ इंडियन बैंक, यश बैंक, क्वालिटी वॉल्स, मदरसन सुमी वायरिंग जैसी कुछ ऐसी कम्पनिया हैं, जिन्हें निवेश की दृष्टि से सुरक्षित समझा जा सकता है, लेकिन इन कंपनियों का विश्लेषण निवेशकों को अपने विवेक से करना चाहिए क्योंकि यदि बाजार में और गिरावट आती है तो इनके मौजूदा भावों में भी कमी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता. उधर, आईपीओ के माध्यम से भाग्य आजमाने वाले निवेशकों को इस सप्ताह मैन बोर्ड में दो और एसएमई श्रेणी में एक कम्पनी के खुलने वाले आईपी में निवेश का मौका मिल सकेगा.

महानदी कोलफील्ड्स ने आईपीओ के लिए दाखिल किए मसौदा दस्तावेज

कोलकाता: कोल इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने शनिवार को कहा कि उसने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) दाखिल किए हैं. कोल इंडिया ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में बताया कि 13 नवंबर को आरएचपी कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी), भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), बीएसई और एनएसई के समक्ष दाखिल किया गया है. प्रस्तावित आईपीओ में कोल इंडिया द्वारा 66.18 करोड़ तक शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है, जो अनुषंगी कंपनी में उसकी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है. इस निर्गम से करीब 9,500 करोड़ रुपये जुटने का अनुमान है.

मुफिन ग्रीन फाइनेंस को विदेशी मुद्रा, धन भेजने की सेवाओं के लिए आरबीआई से मिला लाइसेंस

नयी दिल्ली: मुफिन ग्रीन फाइनेंस को विदेशी मुद्रा विनिमय और विदेशों में धन भेजने की सेवाओं संबंधी अनुमति देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अधिकृत डीलर श्रेणी दो (एडी-2) लाइसेंस मिल गया है. एडी-2 लाइसेंस कंपनी को विदेशी मुद्रा परिवर्तन की सुविधा देने और शिक्षा, चिकित्सा उपचार, यात्रा तथा अन्य स्वीकृत उद्देश्यों के लिए उदारीकृत धन प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत विदेश में पैसा भेजने की अनुमति देता है. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इसके अलावा अब परिवार के भरण-पोषण के लिए विदेशों में धन भेजने और छोटे स्तर की व्यापार संबंधी विदेशी मुद्रा सेवाएं भी उपलब्ध करा सकेगी. मुफिन ग्रीन फाइनेंस ने कहा कि इस लाइसेंस से उसके कारोबार में एक नया ऐसा क्षेत्र जुड़ेगा, जिसमें अपेक्षाकृत कम पूंजी की जरूरत होगी. कर्ज देने के कारोबार के विपरीत, विदेशी मुद्रा विनिमय और धन प्रेषण सेवाओं से शुल्क एवं कमीशन के रूप में आय होती है. इस कारोबार को अतिरिक्त पूंजी की सीमित जरूरत के साथ बढ़ाया जा सकता है. कंपनी को उम्मीद है कि इससे उसकी आय के स्रोतों में विविधता आएगी, ब्याज से होने वाली शुद्ध आय पर निर्भरता घटेगी और समय के साथ परिचालन क्षमता तथा रिटर्न अनुपात में सुधार होगा. मुफिन ग्रीन फाइनेंस के प्रबंध निदेशक कपिल गर्ग ने कहा, ''एडी-2 लाइसेंस हमें नियामकीय ढांचे के तहत इस बढ़ती मांग को पूरा करने और ऋण कारोबार से आगे बढ़कर शुल्क आधारित सेवाओं के क्षेत्र में अपनी पहुंच बढ़ाने का अवसर देता है. हमारा मानना है कि नए कारोबार के जुड़ने से अगले एक साल में कंपनी का राजस्व दोगुना हो सकता है.'' चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 15 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में छह करोड़ रुपये था.

यस बैंक ने एटी-1 बॉन्ड को बट्टे खाते में डालने के फैसले पर न्यायालय में याचिका दायर की

नयी दिल्ली: यस बैंक ने उच्चतम न्यायालय में एक पुनर्विचार याचिका दायर कर उसके उस आदेश की समीक्षा करने का अनुरोध किया है, जिसमें मार्च, 2020 में 8,415 करोड़ रुपये के एडिशनल टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड को बट्टे खाते में डालने के बैंक के प्रशासक के फैसले को रद्द करने के बंबई उच्च न्यायालय के निर्देश को बरकरार रखा गया था. बैंक ने शीर्ष अदालत के 15 अक्टूबर के आदेश पर पुनर्विचार का अनुरोध किया है. उस आदेश में बंबई उच्च न्यायालय के 20 जनवरी, 2023 के फैसले को चुनौती देने वाली अपीलों को खारिज कर दिया गया था, जिसने बॉन्ड को बट्टे खाते में डालने के फैसले को रद्द कर दिया था. अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड बैंकों द्वारा अपनी पूंजी बढ़ाने के लिए जारी किए जाने वाले स्थायी बॉन्ड होते हैं. ये पारंपरिक बॉन्ड की तुलना में अधिक जोखिम वाले होते हैं और इन पर ब्याज दर भी अधिक होती है. बैंक के संकट में होने पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इन्हें रद्द करने का निर्देश दे सकता है. शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि 8,514 करोड़ रुपये से अधिक के बॉन्ड से जुड़े पूरे मामले को निपटाने में आरबीआई, यस बैंक के प्रशासक और बैंक की भूमिका संदेहास्पद थी. प्रशासक के इस फैसले को कई याचिकाओं के माध्यम से बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी.

न्यूज कॉर्नर

माइक्रोसॉफ्ट की सभी सेवाएं बहाल, कंपनी ने वैश्विक स्तर पर बाधा के लिए माफी मांगी

नई दिल्ली: 'आउटलुक' ईमेल समेत माइक्रोसॉफ्ट की विभिन्न सेवाओं में वैश्विक स्तर पर आई व्यापक बाधा के बाद कंपनी की सभी सेवाएं शनिवार को बहाल हो गईं और उसने सेवाएं बाधित होने से हुई परेशानी के लिए गहरा खेद जताया. कंपनी कहा कि नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के दौरान आई तकनीकी समस्या के कारण सेवाएं प्रभावित हुई थीं.माइक्रोसॉफ्ट के सेवा स्थिति पेज पर शनिवार सुबह बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट 365 के कारोबारी और बड़ी कंपनियों के ग्राहकों के साथ-साथ आम उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध सभी सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं. माइक्रोसॉफ्ट ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस घटना के कारण हमारे ग्राहकों और साझेदारों को हुई परेशानी के लिए हमें बेहद खेद है. हम जानते हैं कि वे हमारी सेवाओं पर कितना भरोसा करते हैं और हम इस जिम्मेदारी को बहुत गंभीरता से लेते हैं. कंपनी ने कहा कि सेवाओं में बाधा तकनीकी खराबी के कारण आई थी और इसका साइबर गतिविधियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) या एआई एजेंट से कोई संबंध नहीं था. उसने बताया कि पहले नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के दौरान एक समस्या उत्पन्न हुई थी, जो हाल में नेटवर्क में किए गए बदलाव के बाद सामने आई.

चाची के साथ अवैध संबंधों और प्रताड़ना से परेशान युवक ने की आत्महत्या

नोएडा: उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर क्षेत्र में एक युवक ने पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. युवक के भाई ने आरोप लगाया है कि उसकी चाची के साथ उसके अवैध संबंध थे और वह उसे मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करती थी और इसी से परेशान होकर उसने आत्महत्या की. पुलिस ने इसकी जानकारी दी. थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि हमीरपुर निवासी बृजेश ने शनिवार सुबह थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि उसके भाई अनिल कुमार के चाची उमा के साथ अवैध संबंध थे. अनिल उनसे मिलने ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित उनके घर गया था. बृजेश का आरोप है कि उमा उसके भाई को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करती थी और इससे परेशान होकर अनिल ने 11 नवंबर की रात नॉर्थ विंड सोसाइटी के सामने सर्विस रोड पर एक पेड़ की डाल से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. उसने बताया कि वह वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-17 में रहता है. पुलिस ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जार ही है.

एम्स-दिल्ली ने गर्भ में पल रहे बच्चे की रीढ़ की गंभीर विकृति की सर्जरी की; भारत की पहली ऐसी सर्जरी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने भारत में पहली बार 25 सप्ताह के गर्भस्थ शिशु की रीढ़ की गंभीर विकृति को ठीक करने के लिए सफलतापूर्वक 'ओपन फीटल' सर्जरी की है. इस सर्जरी का उद्देश्य विकसित हो रही रीढ़ की हड्डी को और नुकसान पहुंचने से रोकना है. संस्थान ने शनिवार को यह जानकारी दी. एम्स ने बताया कि 12 नवंबर को की गई छह घंटे की इस सर्जरी में गर्भ में पल रहे शिशु की 'लुंबोसैक्रल मायलोमेनिंगोसील' नामक विकृति को ठीक किया गया. यह 'स्पाइना बिफिडा' का सबसे गंभीर रूप है. अस्पताल के अनुसार, इस सर्जरी से पहले पांच सप्ताह से अधिक समय तक विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों ने इसकी योजना बनाई. इस दौरान भ्रूण की विस्तृत इमेजिंग, परामर्श, एनेस्थीसिया की तैयारी और सर्जरी का अभ्यास किया गया. इस सर्जरी में न्यूरोसर्जरी विभाग की अगुवाई डॉ. दीपक गुप्ता ने की, जबकि मातृ-भ्रूण चिकित्सा और प्रसूति विभाग की टीमों का नेतृत्व डॉ. नीना मल्होत्रा और डॉ. के. अपर्णा शर्मा ने किया.

जल जीवन मिशन 2.0 में ग्राम पंचायतों को सौंपी जाएंगी पेयजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी

नई दिल्ली: जल जीवन मिशन 2.0 के तहत ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को दी जाएगी. इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों और जल एवं स्वच्छता समितियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा. पेयजल ढांचे में बड़ी मरम्मत या तकनीकी खराबी आने पर संबंधित विभाग ग्राम पंचायतों को सहायता उपलब्ध कराएंगे. केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में 13 एवं 14 नवंबर को जल जीवन मिशन 2.0 का पहला क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया. सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को विभाग के सचिव अशोक केके मीणा सहित पांच वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में अलग-अलग दलों ने पांच गांवों में पेयजल आपूर्ति ढांचे का निरीक्षण किया. इसके बाद पांच गांवों में जल अर्पण दिवस मनाया गया और पेयजल योजनाओं का ढांचा ग्राम पंचायतों को सौंपा गया.

पंजाब विस चुनाव के लिए शिअद व भाजपा के बीच बातचीत जारी : सूत्र

चंडीगढ़: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के एक साथ आने की अटकलों के बीच सूत्रों ने शनिवार को दावा किया कि दोनों दलों के बीच अगामी पंजाब विधानसभा के लिए सीट बंटवारे को लेकर बातचीत जारी है. शिअद और भाजपा दोनों के सूत्रों ने बताया कि सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिये जाने के बाद इसी महीने गठबंधन की औपचारिक घोषणा की जा सकती है. सूत्रों ने बताया कि एक अन्य घटनाक्रम में, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और भाजपा के पंजाब चुनाव प्रभारी सी.आर. पाटिल 17 नवंबर को राज्य का दौरा कर सकते हैं. उन्होंने बताया कि पाटिल चंडीगढ़ में प्रदेश भाजपा नेताओं से मुलाकात करेंगे. सूत्रों ने बताया कि शिअद और भाजपा के साथ आने की चर्चाएं तेज होने के बीच पाटिल के संभावित दौरे को अहम माना जा रहा है. उन्होंने बताया कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कुछ दिन पहले दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी.

कंगना रनौत के खिलाफ प्राथमिकी पर जयराम ठाकुर ने कहा- लोकतंत्र में लोगों को बोलने का अधिकार है

शिमला: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता जयराम ठाकुर ने शनिवार को पार्टी सांसद कंगना रनौत के खिलाफ सोनिया गांधी के संस्मरण पर उनकी टिप्पणी को लेकर प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर आपत्ति जताई और कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अपनी बात रखने का अधिकार है. हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये आलोचना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा, प्रदेश कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल संभालने वाले लोग भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट डालते हैं, जिन्हें पढ़ा या देखा तक नहीं जा सकता. उनके खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए, लेकिन कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया जाता.

हरियाणा में कार नहर के पुल से टकराई, तीन लोगों की मौत

कैथल: हरियाणा के कैथल में शनिवार तड़के एक कार के नहर के पुल से टकराने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब कार सवार अपने गांव करोड़ा लौट रहे थे.
पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान नवदीप (19), प्रदीप (27) और अजय (22) के रूप में हुई है, जबकि घायलों की पहचान साहिल, अर्जुन और नरेंद्र के रूप में की गई है. पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी छह युवक धान की कटाई का काम पूरा करने के बाद गांव लौट रहे थे. पुलिस के मुताबिक, उनकी कार पई व सासौर गांवों के बीच नहर के पुल से टकरा गई. पुलिस ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. पुलिस ने बताया कि कार चला रहे नरेंद्र के चेहरे और हाथ में चोटें आई हैं, जबकि अर्जुन की एक हड्डी टूट गई है. साहिल के पैर की हड्डी टूट गई है.

चीन से लगती सीमा पर अधिक हलचल, भारत सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा : जयशंकर

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि चीन के साथ भारत की सीमा पर हलचल बढ़ी है और इसके मद्देनजर भारतीय सैनिकों की लगातार और कहीं अधिक बड़ी तैनाती की जरूरत है. उन्होंने सीमा के पास बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के नई दिल्ली के नीतिगत दृष्टिकोण के बारे में भी बताया. जयशंकर ने कहा कि 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों के बाद से, भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत किया है. विदेश मंत्री ने ये टिप्पणियां एचटी लीडरशिप समिट के दौरान एक संवाद सत्र में ऐसे समय की है, जब भारत और चीन अपने संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं. पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय तक चले सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए हैं. उन्होंने कहा, गत कुछ सालों पर विचार करें. आप कितनी बार पढ़ते हैं कि कोई नयी सुरंग बनी है, कोई नया पुल बना है, या कोई नया हवाई अड्डा शुरू हुआ है? लेकिन आपको ऐसी खबरें अब और अधिक बार सुनने को मिल रही हैं.
जयशंकर ने कहा, आज स्थिति यह है कि चीन के साथ लगी सीमा पर हलचल बढ़ गई है. इसके लिए लगातार बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती की आवश्यकता पड़ी है. उन्होंने कहा, वास्तविकता यह है कि हमने पहले जो काम किया था, उसी की बदौलत वहां इतनी बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया जा सका, और हम जो काम आगे भी करते रहेंगे, उससे यह संख्या बनी रहेगी.



पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से अधिक समय तक भारत और चीन के बीच रिश्ते तनावपूर्ण रहे.

इस गतिरोध के खत्म होने के बाद, अक्टूबर 2024 में रूस के कजान शहर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात हुई, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की शुरुआत हुई. मोदी और चिनफिंग के बीच बातचीत में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें व्यापार घाटे को कम करना, आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटना और बहुपक्षीय मंचों पर निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करना शामिल था.
जयशंकर ने कहा, जहां तक सीमा की बात है, तो मैं ईमानदारी से यह कहना चाहूंगा और मुझे लगता है कि इसे साबित करने के लिए काफी आंकड़े और सबूत भी मौजूद हैं कि लगभग एक दशक पहले तक सीमा के बुनियादी ढांचे की वास्तव में अनदेखी की गई थी. मेरा अभिप्राय है कि लोग इस बारे में बात करते थे, लोगों ने योजनाएं भी बनाई थीं.
उन्होंने रेखांकित किया, अगर आप वास्तव में ज़मीनी स्तर पर जाकर देखें कि हर साल कितने किलोमीटर सड़कें बनीं, कितनी सुरंगें खोदी गईं और तैनाती किस तरह की गई, तो मुझे लगता है कि कोई भी व्यक्ति और विशेष रूप से उस क्षेत्र से जुड़े सशस्त्र बलों का कोई भी सदस्य सच्चाई जानता है. विदेश मंत्री ने कहा, वास्तव में पिछले एक दशक में ही इसपर ध्यान दिया गया तथा संसाधन और नीतिगत बढ़ावा दिया गया. उन्होंने कहा कि उस सीमा पर अपने सैनिकों को 'तैनात' करने की भारत की क्षमता में काफी उल्लेखनीय सुधार आया है.

भाजपा नीत शासन में भारत अब लोकतंत्र नहीं रहा : राहुल गांधी

हैदराबाद: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि भारत अब वास्तव में लोकतंत्र नहीं रहा. गांधी ने यहां तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित 'भारत शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए सवाल किया कि अगर निर्वाचन आयोग 14 करोड़ मतदाताओं को अवैध घोषित कर देता है, तो चुनाव वैध कैसे हो सकता है? उन्होंने कहा, दुनिया भर में लोकतांत्रिक आंदोलन के लिए यह जरूरी है कि भारत एक लोकतंत्र बना रहे, लेकिन हमने जो पाया है और साबित किया है, वह यह है कि भारत अब वास्तव में लोकतंत्र नहीं रहा.
गांधी ने कहा कि 2014 में कांग्रेस ने एक बिल्कुल नया चुनाव देखा,



जिसमें राजनीतिक व्यवस्था के भीतर लाखों डॉलर लगाए गए और एक बिल्कुल अलग तरह का प्रचार अभियान चलाया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पाया कि भारत में 2014 में लोकतंत्र नष्ट हो गया था. राहुल गांधी ने हैदराबाद में 'भारत शिखर सम्मेलन' में शामिल न हो पाने वाले विदेशी प्रतिनिधियों से माफी मांगी और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उन्हें इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी.

परिसीमन विधेयक पारित हुआ तो 2029 का चुनाव आखिरी चुनाव हो सकता है: गहलोत

नई दिल्ली: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने परिसीमन के मुद्दे को लेकर शनिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि अगर परिसीमन से संबंधित विधेयक पारित हो गया तो संभव है कि 2029 का लोकसभा चुनाव देश का आखिरी चुनाव साबित हो. उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र, न्यायपालिका, जांच एजेंसियों और निर्वाचन आयोग पर दबाव की स्थिति गंभीर चिंता का विषय है. गहलोत ने शनिवार को यहां बाल दिवस पर आयोजित 'नेहरू मेमोरियल यूथ फेस्टिवल-2026' में कहा कि देश के मौजूदा हालात में जवाहरलाल नेहरू के विचारों और उनकी बौद्धिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है. उनका कहना था,

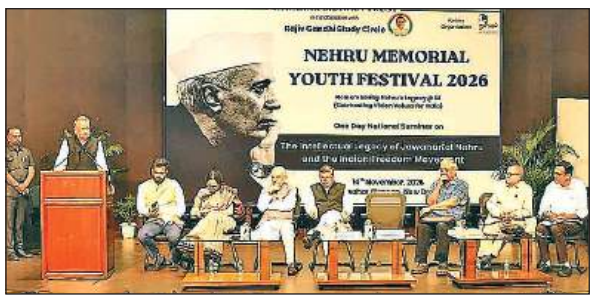

नेहरू ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान करीब दस वर्ष जेल में बिताए और इसी दौरान 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया', 'ग्लिम्पसेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री' तथा अपनी आत्मकथा जैसी महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं. नेहरू विचारक, लेखक और दूरदृष्टा थे तथा उनके सपनों का भारत आज भी देश को मजबूती प्रदान कर रहा है. राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू ने बड़े बांधों, औद्योगिक इकाइयों, इस्पात संयंत्रों और एम्स, आईआईटी तथा आईसीसीआर जैसी संस्थाओं की स्थापना कर देश की मजबूत नींव रखी. नई पीढ़ी को उनके योगदान और स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को समझना चाहिए. गहलोत ने आरोप लगाया कि आज लोकतंत्र खतरे में है और न्यायपालिका, जांच एजेंसियों तथा निर्वाचन आयोग पर दबाव बनाया जा रहा है.
उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और बौद्धिक जगत में इन मुद्दों पर लगातार चर्चा हो रही है. नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह सच्चाई की तह तक जाए और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आए. परिसीमन के मुद्दे पर गहलोत ने दावा किया, यह विधेयक रुक गया है. (यदि) यह पारित हो गया तो हो सकता है कि 2029 का चुनाव अंतिम चुनाव हो. उन्होंने असम और राजस्थान का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि वार्डों के पुनर्गठन में राजनीतिक लाभ के लिए सीटों का स्वरूप बदला गया.

छठ गीतों पर राज ठाकरे के बयान की चिराग पासवान और प्रशांत किशोर ने की आलोचना

पटना: केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के सबसे लोकप्रिय पर्व छठ को लेकर दिए गए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के बयान पर शनिवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता पासवान और किसी गठबंधन से जुड़े नहीं होने वाले किशोर ने आरोप लगाया कि ठाकरे राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए हिंदी भाषी क्षेत्र के लोगों के खिलाफ लगातार जहर उगल रहे हैं. पत्रकारों ने पटना में दोनों नेताओं से अलग-अलग बातचीत के दौरान मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर छठ गीत बजाए जाने पर मनसे प्रमुख की आपत्ति को लेकर सवाल पूछे थे. ठाकरे ने इसे महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से 'टकराव भड़काने' और 'सांस्कृतिक उन्माद पैदा करने' की कोशिश करार दिया था. पासवान ने ठाकरे पर राजनीति में लगातार क्षेत्रवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसी रवैये के कारण उनके अपने राज्य के लोग दशकों से उनकी पार्टी को नकारते रहे हैं. उन्होंने कहा, यह सुझाव देना अनुचित है कि महाराष्ट्र में केवल मराठी परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए और उत्तर भारतीय परंपराओं तथा गीतों को उचित सम्मान नहीं मिलना चाहिए. उनका (मनसे का) यही रवैया है, जिसके कारण उनके अपने राज्य की जनता ने दशकों से उनकी पार्टी को नकारा है.
केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि क्षेत्रवाद को बढ़ावा देना बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा के विपरीत है. बालासाहेब की राजनीतिक विरासत को ही उनके भतीजे राज ठाकरे की मनसे आगे बढ़ाने का दावा करती है. उन्होंने कहा, बालासाहेब ने कभी उत्तर भारतीयों का अपमान नहीं किया. उनकी सोच कभी क्षेत्रवाद को बढ़ावा देने की नहीं थी. उनकी ओर से मराठी गौरव की रक्षा के नाम पर उत्तर भारतीयों की पहचान और भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई उदाहरण नहीं है. किशोर ने भी मनसे प्रमुख पर निशाना साधते हुए तंज कसा कि जब कोई उन्हें नहीं पूछता है तो वह मीडिया में बने रहने के लिए समय-समय पर इस तरह के बयान देते रहते हैं. उन्होंने कहा, राज ठाकरे जैसे लोगों को अनावश्यक महत्व देने की जरूरत नहीं है. जब महीनों तक कोई उनके बारे में नहीं पूछता है तो वह मीडिया में जगह पाने के लिए उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के खिलाफ बयान देने लगते हैं. जन सुराज के संस्थापक ने आरोप लगाया कि ठाकरे को अपनी राजनीतिक हैसियत का भी अंदाजा नहीं है और वह लगातार अपना रुख बदलते रहते हैं.
उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, राज ठाकरे को खुद नहीं पता कि वह कहां खड़े हैं. कभी वह मोदी की तारीफ करते हैं तो कभी उनसे शिकायत करते हैं. प्रासंगिक बने रहने के लिए वह लगातार अपना पक्ष बदलते रहते हैं.

अपने सैनिकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है नया भारत : योगी आदित्यनाथ

मेरठ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि नया भारत अपने सैनिकों को सबसे अधिक प्राथमिकता देता है और लगातार अपनी सशस्त्र सेनाओं की क्षमताओं को मजबूत कर रहा है. उन्होंने पिछली सरकार पर आरोप लगाया कि वह देश की रक्षा के साथ लगातार समझौता करती रही. मेरठ में आयोजित पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह कार्यक्रम में आदित्यनाथ ने घोषणा की कि राज्य सरकार वीरता पुरस्कारों की राशि दोगुनी करेगी. उन्होंने कहा कि इसमें एकमुश्त मिलने वाली राशि और पुरस्कार पाने वालों को हर साल दी जाने वाली राशि दोनों शामिल हैं. उन्होंने कहा, मेरठ की क्रांतिकारी धरती से मैं अपने वीर सैनिकों के परिवारों के लिए यह घोषणा करता हूं कि वीरता पुरस्कार पाने वालों को मिलने वाली एकमुश्त राशि और सालाना पेंशन, दोनों दोगुनी कर दी जाएंगी.
आदित्यनाथ ने कहा, फिलहाल परमवीर चक्र पाने वालों को 52 लाख रुपये की एकमुश्त राशि और 3,12,000 रुपये

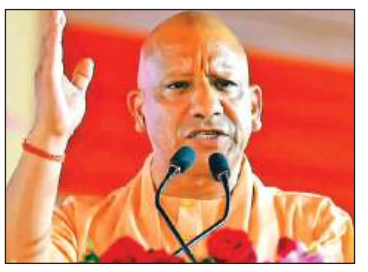

सालाना पेंशन दी जाती है. इसी तरह महावीर चक्र पाने वालों को 31 लाख रुपये की एकमुश्त राशि और 2,37,000 रुपये सालाना पेंशन मिलती है. वहीं, वीर चक्र पाने वालों को 20 लाख 80 हजार रुपये की एकमुश्त राशि और 1 लाख 37 हजार रुपये सालाना पेंशन दी जाती है. अब इन सभी राशियों को दोगुना कर दिया जाएगा.
योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा, देश की रक्षा के लिए लगातार समझौते होते थे. सैन्य अभियानों पर लगातार प्रश्न उठाकर वीर सैनिकों की वीरता, पराक्रम और साहस को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास होता था.

अमेरिका में उड़ानों पर लगी रोक हटने के बाद भी हजारों उड़ानें रद्द

वाशिंगटन: अमेरिका में हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में खराबी के कारण शुक्रवार को देशभर में उड़ानों पर लगी रोक हटने के बावजूद शनिवार को 2,000 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जिससे बड़ी संख्या में यात्री प्रभावित हुए और खेल टीमों को अपनी यात्रा के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने पड़े. अमेरिका में पिछले 25 वर्ष में पहली बार देशभर में इतनी लंबी अवधि के लिए उड़ानें रोकी गईं और विमानन कंपनियां अब अपनी सेवाएं सामान्य करने की कोशिश कर रही हैं.
अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि देश की हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में नयी प्रौद्योगिकी जोड़े जाने से पुराने उपकरणों पर अत्यधिक दबाव पड़ा जिसके कारण संचार एवं रडार सेवाओं में रुक-रुककर बाधा आई और चार घंटे से अधिक समय तक उड़ानें रोकनी पड़ीं.
अमेरिका के पूर्वी समयानुसार शुक्रवार रात करीब आठ बजकर 15 मिनट पर रोक हटने के बाद सीमित संख्या में घरेलू उड़ानें रवाना हुईं. हालांकि, इसका असर कई दिनों तक रह सकता है. अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि 'थैंक्सगिविंग' के अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों के यात्रा करने तक व्यवस्था सामान्य हो जाएगी. अमेरिका में जनवरी 2023 के बाद यह पहली बार है जब देशभर में उड़ानें रोकी गईं. उस समय संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) की पायलटों को सूचनाएं भेजने वाली एक महत्वपूर्ण कंप्यूटर प्रणाली में खराबी आ गई थी. वहीं, 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के बाद यह दूसरा मौका है जब देशभर में उड़ानों पर रोक लगाई गई.

उत्तर प्रदेश के बलिया में शोभायात्रा के दौरान तेज आवाज में संगीत बजाए जाने के कारण नवजात की मौत

बलिया : उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के मुड़ियारी गांव में देवी लक्ष्मी की मूर्ति के विसर्जन के लिए निकाली गई शोभायात्रा के दौरान कथित तौर पर तेज आवाज में संगीत बजाए जाने के कारण 20 दिन की बच्ची की मौत हो गई. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. बांसडीह के क्षेत्राधिकारी जयशंकर मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को मनियर थाने को सूचना मिली कि रीमा शाह अपनी करीब 20 दिन की बेटी के साथ सो रही थीं, इसी दौरान कुछ लोग तेज आवाज में संगीत बजाते हुए वहां से गुजरे. पुलिस के मुताबिक शाह ने देखा कि उनकी बेटी रो नहीं रही , जिसके बाद उन्होंने परिवार के सदस्यों को इसकी जानकारी दी. पुलिस ने कहा कि बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

ईडी ने केपीएससी भर्ती घोटाले में 1.22 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के एक मामले की जांच के तहत कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के निलंबित अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार, आयोग की पूर्व सदस्य बी. वी. गीता और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार की 1.22 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क कर ली हैं. ईडी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह कार्रवाई केपीएससी भर्ती घोटाले की जांच के तहत की गई. कुर्क की गई संपत्तियों में साहूकार, गीता और गंगवार की चल एवं अचल संपत्तियां शामिल हैं. गंगवार कथित घोटाले के समय केपीएससी में परीक्षा नियंत्रक के पद पर तैनात थे. ईडी ने इस संबंध में धनशोधन निवारण



अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है.
एजेंसी ने इस मामले की जांच राज्य पुलिस द्वारा पशु चिकित्सा अधिकारियों के 400 पदों पर भर्ती के लिए केपीएससी की ओर से आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर दर्ज की गईं कई प्राथमिकियों के आधार पर शुरू की थी. इस मामले में साहूकार, गीता, गंगवार और कथित बिचौलिए बसवराज कन्नाले को गिरफ्तार किया गया था. ईडी ने आरोप लगाया कि साहूकार के कहने पर गंगवार ने बैठने की व्यवस्था और प्रश्नों के मिश्रित चार्ट का इस्तेमाल कर छह अभ्यर्थियों को 80 सवालों के सही जवाब उपलब्ध कराए थे. इन अभ्यर्थियों के पंजीकरण नंबर गीता ने उन्हें दिए थे. ईडी ने कहा, इसके बदले तत्कालीन अध्यक्ष (साहूकार) ने उन्हें आश्वासन दिया था कि उनकी पसंद के एक अभ्यर्थी को कर्नाटक प्रशासनिक सेवा की परीक्षा के साक्षात्कार में अनुकूल अंक दिलाए जाएंगे.
जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि साहूकार ने 20 लाख रुपये के सौदे के तहत एक अभ्यर्थी से 10 लाख रुपये नकद लिए थे, जबकि गीता ने 40 लाख रुपये के सौदे के तहत एक अन्य अभ्यर्थी से 20 लाख रुपये नकद वसूले थे.

हेरिटेज स्कूल में धरती पर चमके 3,000 सितारे, राउंड टेबल इंडिया ने तारे ज़मीन पर के साथ मनाया बाल दिवस

14 से ज़्यादा एनजीओ स्कूल एक साथ आए खुशी, रचनात्मकता और समावेश के एक दिन के लिए

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : द हेरिटेज स्कूल, कोलकाता आज रंग, हंसी और असीम ऊर्जा से जीवंत हो उठा, जब राउंड टेबल इंडिया ने कोलकाता विक्टोरियन राउंड टेबल 227 के माध्यम से अपनी बहु-प्रशंसित वार्षिक पहल तारे ज़मीन पर का आयोजन किया. बाल दिवस पर 14 से ज़्यादा एनजीओ स्कूलों के 3,000 से ज़्यादा बच्चों ने इसमें भाग लिया. एक साधारण विश्वास पर आधारित, कि हर बच्चा एक सितारा है, इस कार्यक्रम ने विविध पृष्ठभूमि के बच्चों को खेलने, सृजन करने, अभिव्यक्त करने और जश्न मनाने के लिए एक समान मंच दिया. कुछ अविस्मरणीय घंटों के लिए, हेरिटेज कैंपस एक ऐसी जगह बन गया जहाँ कोई भी बच्चा किनारे पर नहीं रहा. राउंड टेबल इंडिया युवा पेशेवरों, उद्यमियों और व्यापारिक नेताओं का एक फेलोशिप है जो सेवा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है.



तारे ज़मीन पर उसी भावना को दर्शाता है: समुदायों को एक साथ लाना, सामाजिक बाधाओं को तोड़ना और हर बच्चे को याद रखने लायक बचपन देना. बच्चों और स्वयंसेवकों का स्वागत करते हुए, हेरिटेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ श्री प्रदीप अग्रवाल ने कहा: जब 3,000 बच्चे एक कैंपस में इकट्ठा होते हैं, तो आप हवा में भविष्य को महसूस कर सकते हैं. यहाँ हर बच्चा एक सितारा है, और हमारी ज़िम्मेदारी है कि उन्हें चमकने के लिए रोशनी, जगह और प्रोत्साहन दें. हेरिटेज में, हम मानते हैं कि शिक्षा केवल क्लासरूम के बारे में नहीं है. यह करुणा, समावेश और ऐसे क्षण बनाने के बारे में है जिन्हें बच्चे जीवन भर साथ रखते हैं. हमें तारे ज़मीन पर के लिए राउंड टेबल इंडिया के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, और हम हर स्वयंसेवक, समर्थक और स्कूल को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इस दिन को इतना खास बनाया. शहर भर के एनजीओ स्कूलों की भागीदारी, साथ ही राउंड टेबल स्वयंसेवकों और हेरिटेज के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के समर्पण ने इस दिन को कोलकाता की करुणा और सामूहिक ज़िम्मेदारी की संस्कृति के एक सच्चे उत्सव में बदल दिया. कोलकाता विक्टोरियन राउंड टेबल 227 के ट्र. पुलकित जिंदल, ट्र. विनय राज अग्रवाल, ट्र. केशव भजंका, ट्र. सागर और सभी कोर सदस्य उपस्थित थे.

राउंड टेबल इंडिया के बारे में : राउंड टेबल इंडिया युवा पेशेवरों, उद्यमियों और व्यापारिक नेताओं का एक फेलोशिप है जो सेवा और मित्रता के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है. देश भर में इसके टेबल सामुदायिक परियोजनाएँ चलाते हैं, जिसमें शिक्षा और बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाता है.

द हेरिटेज स्कूल, कोलकाता के बारे में : द हेरिटेज स्कूल, कोलकाता, हेरिटेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का हिस्सा है, जो समग्र शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जाना जाता है, जिसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ कला, खेल और मूल्यों का समावेश होता है.



चांपदानी एमएलए दिलीप सिंह और समाज सेवी सुनील माली छठ पूजा सामग्री वितरण करते हुए.

नीतिगत समर्थन और निर्यातकों के दम पर अक्टूबर में भारत का निर्यात प्रदर्शन मजबूत : सीआईआई

युवा शक्ति न्यूज

नई दिल्ली: भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने अक्टूबर 2026 में भारत के निर्यात प्रदर्शन को उत्साहजनक बताते हुए इसे भारतीय उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, मजबूती और वैश्विक बाजार में बढ़ती पैठ का प्रमाण बताया है. सीआईआई के अनुसार, अक्टूबर में वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात लगभग 89.99 अरब अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले करीब 30 प्रतिशत अधिक है.

सीआईआई के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अक्टूबर के दौरान भारत का संचयी निर्यात 568.84 अरब डॉलर तक पहुंच गया है. इस अवधि में निर्यात में 16.66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है.

गैर-पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में भी उल्लेखनीय तेजी देखने को मिली है. इलेक्ट्रॉनिक सामान, इंजीनियरिंग उत्पाद, रसायन, रत्न एवं आभूषण तथा वस्त्र जैसे प्रमुख क्षेत्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है. इससे भारत की निर्यात टोकरी में विविधता बढ़ने के साथ वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति भी मजबूत हुई है.

सीआईआई ने कहा कि इन उपलब्धियों के बावजूद भारत की निर्यात क्षमता का पूरी तरह इस्तेमाल होना अभी बाकी है. चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय निर्यातकों ने अपने दृढ़ संकल्प, उद्यमशीलता और लचीलेपन से



बेहतर प्रदर्शन किया है.

संगठन के अनुसार, केंद्र सरकार की ओर से लगातार मिल रहा नीतिगत समर्थन, विशेषकर मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और निर्यात संवर्धन मिशन जैसी पहलों से भारतीय कारोबारियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार के नए अवसर मिल रहे हैं. सरकार और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल से निर्यात को और गति मिलने की उम्मीद है.

सीआईआई की नेशनल कमेटी ऑन एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन एवं पैटन इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजय बुधिया ने कहा कि भारत वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में एक-एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि सीआईआई इस राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने और वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति को और सशक्त बनाने के लिए सरकार तथा उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है.

चैम्बर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्री कोट्टी द्वारा दीपावली प्रीति सम्मेलन का शानदार आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : चैम्बर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्री कोट्टी द्वारा दीपावली प्रीति सम्मेलन का आयोजन चैम्बर सभागार में किया गया. इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार के राज्य मंत्री श्री उमेश राय, स्थानीय विधायक श्री विजय ओझा, पूर्व कौंसिलर श्रीमती मीना देवी पुरोहित एंव श्रीमती सुनीता झंवर, प्रख्यात अधिवक्ता श्री पारस कोचर की विशेष उपस्थिति रही.

चैंबर के अध्यक्ष श्री महेंद्र जैन ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि चैम्बर अपने स्थापना काल से ही व्यापरियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं. अध्यक्ष के रूप में मैंने अपनी जिम्मेदारियों का शत प्रतिशत पालन करने की कोशिश की है. आगे भी इस कोशिश को जारी रखने का प्रयास करूँगा.नूतन वर्ष में आप के व्यापार में श्री वृद्धि हो, वर्ष आप सभी के जीवन मे खुश हाली लाए प्रभु से यही कामना करते हैं.

मंत्री श्री देवेंद्र कुमार बोथरा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए



कहा कि राज्य में नई सरकार बनने के बाद हमने यह पहली दुर्गा पूजा एवं दिवाली मनाई है,और बदलते हुए माहौल मे कारोबार में भी उत्साह है. हम आशा करते हैं कि आने वाले समय में राज्य में उद्योग धंधे विकसित होंगे, और उसके साथ ही व्यापार भी बढ़ेगा.

राज्य मंत्री श्री उमेश राय ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान राज्य सरकार में भय मुक्त माहौल है. लोग अपने त्योहारों को खुलकर मना रहे हैं सरकार उद्योग धंधों को भी तेजी से विकसित करने की ओर अग्रसर है उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी. विधायक श्री विजय ओझा ने चैम्बर के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए भय आउट भरोसा इन की बात दोहराई. श्रीमती मीना पुरोहित एवं श्रीमती सुनीता झंवर ने अपने वक्तव्य में कोट्टी के सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कोट्टी के दीपावली प्रीति सम्मेलन में हम प्रत्येक वर्ष शामिल होते हैं , इसमें आकर हमें बड़ी खुशी होती है और अपनों से मेल मिलाप होने का सुनहरा अवसर मिलता है. कोट्टी के पूर्व अध्यक्ष श्री मुरारी लाल जी खेतान, श्री विजय कुमार जी विनायकिया, ने भी अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं.

इस अवसर पर बड़ाबाज़ार पुलिस स्टेशन के प्रभारी श्री पी एस रंधावा अपनी टीम के साथ उपस्थित हुए. और शुभकामनाएं प्रेषित की.

कोट्टी की पी आर कमेटी के चेयरमैन बिनोद केडिया,को चेयरमैन आशीष झुनझुनवाला, सदस्य धर्मेन्द्र सेठ, प्रभु शंकर लोहिया, राधेश्याम बुधिया, विकास लाखोटिया के अथक परिश्रम ने कार्यक्रम को सफल बनाया.

इस अवसर पर कोट्टी के अध्यक्ष महेंद्र जैन, मंत्री देवेंद्र कुमार बोथरा, संयुक्त मंत्री श्री विजय सिंह जैन (बावलिया), एंव आयुष पोद्दार, एंव कार्यकारणी सदस्य रमेश कुमार सोंथालिया, देवकीनंदन तोदी,बिजय शंकर अग्रवाल, विनोद नांगलिया, संतोष खेरिया, राजेश नाहटा,अजय सिंघी, बजरंग लाल खेरिया,राकेश सराफ तथा किशन झंवर एंव अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे.

इस अवसर पर सदस्यों हेतु अल्पाहार का आयोजन भी था जिसका लगभग तीन सौ सदस्यों ने लुत्फ उठाया.

कार्यक्रम के दौरान लकी ड्रा का भी आयोजन हुआ जिसमें भाग्यशाली विजेताओं को उपहार स्वरूप सिक्के दिए गए.

प्रसून बनर्जी ने कुणाल घोष के साथ राजनीतिक वार्ता की अटकलों को किया खारिज

कोलकाता : हावड़ा के सांसद प्रसून बनर्जी के मैं फिर लौटूंगा वाले बयान के बाद उनके ममता तृणम कांग्रेस में संभावित वापसी की चर्चाओं के बीच 24 घंटे में ही उन्होंने अपना रुख बदल लिया है. शनिवार को उन्होंने इस पर सफाई देते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस विधायक कुणाल घोष के साथ हुई मुलाकात में उनकी कोई राजनीतिक बातचीत नहीं हुई थी. प्रसून बनर्जी ने अपने सांसद लेटरहेड पर बयान जारी कर पूरे मामले पर स्थिति स्पष्ट करते हुए दावा किया कि शुक्रवार को दिग्गज कांग्रेस नेता प्रियरंजन दासमुंशी की स्मृति सभा में दोनों के बीच केवल शिष्टाचारवश बातचीत हुई थी और कुछ लोग इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं. बनर्जी ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रियरंजन दासमुंशी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में कुणाल घोष समेत कई विशिष्ट लोग मौजूद थे. कुणाल उनके पास ही बैठे थे और दोनों के बीच सामान्य शिष्टाचार की बातचीत हुई. इस दौरान प्रियरंजन दासमुंशी को लेकर भी चर्चा हुई थी.

डायरेक्ट टैक्सेस प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (डीटीपीए) द्वारा भव्य विजया एवं दीपावली मिलन समारोह का सफल आयोजन



युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : डायरेक्ट टैक्सेस प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (डीटीपीए) द्वारा शुक्रवार, 13 नवम्बर 2026 को कोलकाता के 4ए, शॉर्ट स्ट्रीट स्थित राजेश गणपति में भव्य विजया एवं दीपावली मिलन समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. इस गरिमामय समारोह में श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. कार्यक्रम में एसोसिएशन के सदस्यों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, कर विशेषज्ञों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

कार्यक्रम का शुभारंभ एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए महेन्द्र के. अग्रवाल के स्वागत संबोधन से हुआ. उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत करते हुए विजया एवं दीपावली की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने एसोसिएशन की एकजुटता, आपसी सौहार्द एवं सदस्यों के बीच पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला.

समारोह का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के बीच आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं पारस्परिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करना तथा त्योहारों की खुशियों को मिल-जुलकर साझा करना था.

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों के मनोरंजन के लिए स्वादिष्ट व्यंजनों, विभिन्न मनोरंजक खेलों, उपहारों एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष व्यवस्था की गई थी. समारोह का विशेष आकर्षण भजन जामिंग रहा, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं संगीतमय बना दिया. इसके अतिरिक्त लकी ड्रॉ के माध्यम से 21 चांदी के सिक्के वितरित किए गए, जिसने कार्यक्रम में विशेष उत्साह का संचार किया.

इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें अध्यक्ष सीए महेन्द्र के. अग्रवाल, उपाध्यक्ष सीए श्याम अग्रवाल, मैत्री एवं सौहार्द समिति की चेयरपर्सन सीए बरखा अग्रवाल, को-चेयरमैन सीए के. एन. गुप्ता, एडवाइज़र सीए अघोर दूधवेवाला, सचिव सीए सुजीत सुल्तानिया, संयुक्त सचिव सीए नेहा सुल्ताना तथा कोषाध्यक्ष एडवोकेट अंकित कनोडिया शामिल थे.

कार्यक्रम के आयोजन एवं व्यवस्थाओं में डीटीपीए के पूर्व अध्यक्ष सीए एम. सी. जगवायेन जी ने वेन्यू कोऑर्डिनेटर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से समारोह की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संपन्न हुईं.

कार्यक्रम की सफलता में एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों, आयोजन समिति एवं सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा. सभी ने अपनी सक्रिय सहभागिता से इस आयोजन को यादगार बना दिया.

कार्यक्रम के अंत में एसोसिएशन के सचिव सीए सुजीत सुल्तानिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया. उन्होंने मुख्य अतिथि, सभी अतिथियों, सदस्यों एवं आयोजन में सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति आभार व्यक्त किया.

समारोह का समापन आपसी शुभकामनाओं, सौहार्द एवं उत्साहपूर्ण वातावरण के साथ हुआ. डीटीपीए परिवार ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से सदस्यों के बीच एकता, सहयोग एवं पारिवारिक संबंधों को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की.







स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन